राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 260
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शनिवार 02 अप्रैल 2022
मूल्य : 1.50/-

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 मॉल के बेसमेंट में चल रहे स्पा सेंटर में होता था देह व्यापार, आपत्तिजनक हालत में मिले युवक-युवती, 9 गिरफ्तार

पेज 5 पेपर लीक में ताबड़तोड़ छापेमारी, मास्टर माइंड की निशानदेही पर आठ और गिरफ्तार

पेज 7 पाकिस्तान के किसी भी प्रधानमंत्री ने पूरी नहीं किया पांच साल का कार्यकाल

परीक्षाओं को त्योहार की तरह लें छात्र : मोदी

जितनी सहज दिनचर्या रहती है, उतनी ही सहज दिनचर्या परीक्षा के समय में भी रखे

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि परीक्षा हमारे जीवन का एक छोटा सा हिस्सा है और परीक्षाओं का समंदर पार करके किनारे पर डूबने का डर मन से निकालकर परीक्षाओं को त्योहार की तरह लेना चाहिए।

मोदी ने शुक्रवार को यहां परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में कक्षा 9 वीं से 12वीं तक के स्कूली छात्रों के साथ परीक्षा के तनाव से उबरने और आत्मविश्वास पैदा करने का मूलमंत्र साझा किया और छात्रों से संवाद कर उनके सवालों के जवाब दिए।

उन्होंने कहा, जितनी सहज दिनचर्या रहती है, उतनी ही सहज दिनचर्या परीक्षा के समय में भी रखें। बहुत अधिक जोड़ना-घटाना आपको परेशान करेगा। दोस्त कोई काम करता है, तो मैं भी वो कर लूं, ऐसा न करें। जो आप करते आए हैं, जिस तरह पढ़ाई और तैयारी करते आए हैं, वह करते रहें।

उन्होंने कोरोना काल मे ऑनलाइन पढ़ाई से छात्रों के सामने उत्पन्न दिक्कतों से जुड़े सवाल पर कहा कि समय के साथ पढ़ाई के माध्यम बदलते रहते हैं, समस्या माध्यम नहीं बल्कि मन है। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यम से हम आसानी से चीजें समझ सकते हैं।ऑनलाइन पाने के लिए है, ऑफलाइन बनने के लिए है।

मोदी ने कहा दोष ऑनलाइन या ऑफलाइन का नहीं है। ऑनलाइन पढ़ाई की सामग्री को जोड़कर देखें तो आप अपने सीखने में कुछ नया जोड़ पाएंगे। ऑनलाइन को अपना आधार मजबूत करने के लिए उपयोग करें और ऑफलाइन में ऑनलाइन सीखी हुई चीजों को साकार करने में इस्तेमाल करें। अगर ऑनलाइन में दिमाग भटकता है, तो उसके लिए टूल भी उपलब्ध है, जो आपको अनुशासन में ला सकते हैं।

उन्होंने कहा कि नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सरकार ने नहीं, देश के नागरिकों, विद्यार्थियों, शिक्षकों ने मिलकर देश के भविष्य के लिए बनाया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि खेलकूद पहले %एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटी% हुआ करता था। लेकिन एनईपी में इसे शिक्षा का हिस्सा बना दिया गया है। यह छात्रों को अपने प्रतिस्पर्धी को समझने की ताकत देता है। उन्होंने कहा कि एनईपी जिंदगी के किसी भी पड़ाव पर नए रास्ते पर जाने का पूरा अवसर देती है। हम जितनी बारीकी से इसे समझेंगे और प्रत्यक्ष में धरती पर उतारेंगे, उसके उतने ही ज्यादा फायदे हमारे सामने होंगे।

उन्होंने कहा, 20वीं सदी की सोच, तब की व्यवस्था और नीतियों से 21वीं सदी में आगे नहीं बढ़ सकते हैं इसलिए हमें 21वीं सदी के अनुकूल अपनी सभी नीतियों को ढालना चाहिए। अगर हम खुद को विकसित नहीं करेंगे, तो हम ठहर जाएंगे, पीछे छूट जाएंगे।

दिल्ली में चिलचिलाती गर्मी से अभी राहत नहीं : मौसम विभाग

नयी दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग(आईएमडी) ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में रह रहे लोगों को भीषण गर्मी से अभी राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। विभाग ने अनुमान जताया है कि तीन अप्रैल से यहां तापमान बढ़ना शुरु होगा जो छह अप्रैल बुधवार को 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जायेगा।

मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को आकाश साफ रहने का अनुमान है तथा इस दौरान 20 से 30 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। गुरुवार को अधिकत्तम तापमान समान्य से छह डिग्री ऊपर 39.5 डिग्री सेल्सियस के आस-पास दर्ज किया गया। इस दौरान यहां न्यूनतम तापमान भी समान्य से दो डिग्री सेल्सियस अधिक 20.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि तीन से छह अप्रैल तक दूर-दराज के कई इलाकों में सूखे के कारण भयंकर गर्म मौसम बनी रहेगी।

आईएमडी ने ट्वीट कर जानकारी दी कि भारत के उत्तर पश्चिम, मध्य और पश्चिमी भारत में अगले चार से पांच दिनों के दौरान गर्म हवा (लू) चलने की संभावनाएं हैं। हालांकि एक अप्रैल 2022 से उत्तर पश्चिम भारत में लू की तीव्रता में कमी होने लगेगी।

विभाग के अनुसार दिल्ली में मार्च की शुरुआत से 31 मार्च तक दिन के तापमान में 14 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है।

आंकड़ें बताते हैं कि शहर का अधिकतम मासिक तापमान 1951 के बाद चौथी बार इतना अधिक हुआ है।

कश्मीरी पंडितों का जंतर मंतर पर धरना

जनसंहार विधेयक पारित कराने की मांग

एजेंसी

नयी दिल्ली। कश्मीरी पंडितों ने शुक्रवार को जंतर-मंतर पर नरसंहार के दोषियों को दंडित करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया और सरकार से नरसंहार विधेयक को तत्काल पारित करने की मांग की।

प्रदर्शन में सभी आयु वर्ग के लोग बड़ी संख्या में जमा हुए। इस दौरान उन्होंने मांग की कि सरकार को सांकेतिकता से दूर हटना चाहिए और 30 साल पहले कश्मीर पंडित के पलायन के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

कश्मीर समिति दिल्ली के अध्यक्ष सुमीर चुंगू ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अगर सरकार कश्मीरी पंडितों की वापसी को लेकर वास्तव में गंभीर है, तो सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कश्मीरी पंडितों को नरसंहार का शिकार माना जाए।

युवाओं के समूह का नेतृत्व कर रहे एक छात्र नील पंडिता ने कहा कि न्यायपालिका तुरंत एक कश्मीरी पंडितों द्वारा दायर याचिका पर कार्रवाई करे ताकि हत्याओं के मामलों को तेजी से ट्रैक किया जा सके और एक एसआईटी बनाई जा सके।

उन्होंने कहा कि न्याय में किसी भी तरह की देरी न्याय वितरण प्रणाली और तंत्र में युवाओं के विश्वास को कमजोर करती है।

विरोध प्रदर्शन में शामिल एक 40 वर्षीय कश्मीरी मुस्लिम जहांगीर ने कहा कि कश्मीरी मुसलमानों को भी आतंकियों के हाथों नुकसान उठाना पड़ा है। जिहादियों ने पंडितों के खिलाफ हमारी मस्जिदों का इस्तेमाल किया, उनके खिलाफ जघन्य अपराध किए।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना मूल्य निर्धारण

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत सेवा प्रदाता भुगतान और मूल्य निर्धारण विषय पर परामर्श-पत्र प्रोवाइडर पेमेंट्स एंड प्राइस सेटिंग अंडर आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जारी किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि परामर्श-पत्र में विभिन्न सेवा प्रदाता भुगतान प्रणालियों के बारे में वैश्विक नजरिये से विचार किया गया है।

शिलान्यास समारोह

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री, अमित शाह शुक्रवार को कर्नाटक के मुद्दनहल्ली में सत्य साई ग्राम में 400 बिस्तरों वाले मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल के शिलान्यास समारोह में।

जनता पर महंगाई की एक और मार

तेल की बढ़ती कीमतों के चलते 'उबर कैब' ने इतना बढ़ा दिया किराया

मुंबई। महंगे पेट्रोल-डीजल का असर अब देशभर में दिखने लगा है। ढुलाई महंगी होने से एक तरफ खाने-पीने का सामान महंगा हो रहा है वहीं कहीं आना जाना भी बजट के बाहर जा रहा है। ऐप बेस्ट कैब सर्विस कंपनी उबर ने मुंबई में 15 फीसदी किराया बढ़ा दिया है। कंपनी ने अपने बयान में कहा है कि पेट्रोल की बढ़ती कीमतों का असर ड्राइवर पर पड़ रहा है इसलिए 15 फीसदी किराया बढ़ाया जा रहा है। गौरतलब है कि मुंबई में पेट्रोल की कीमत 116.72 रुपये तक पहुंच गई है जबकि डीजल 100.94 तक पहुंच गया है। 22 मार्च से अबतक देश में तेल की कीमतों में 6.40 रुपये की बढोतरी हो चुकी है। उबर इंडिया और साउथ एशिया के हेड ऑफ सेंट्रल ऑपरेशन नीतीश भूषण ने बयान जारी कर कहा कि उबर मुंबई में 15 फीसदी किराया बढ़ा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि तेल की बढ़ती कीमतों का असर कैब ड्राइवरों पर ना पड़े इसलिए ऐसा किया जा रहा है। हमें ड्राइवरों की तरफ से फीडबैक मिल रहा था कि तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से पुराने रेट पर कैब चलाना मुश्किल हो रहा है। उबर ने ये भी कहा कि कंपनी आने वाले कुछ हफ्तों में तेल की कीमतों पर नजर बनाए रखेगी और किराए को लेकर उसी अनुसार आगे फैसला करेगी। गौरतलब है कि भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है। शुक्रवार 31 मार्च को भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 80 पैसों की बढ़ोतरी हुई है। भारत अपनी जरूरत का 80 फीसदी से ज्यादा पेट्रोल-डीजल विदेश से आयात करता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते पिछले दिनों अंतराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों काफी तेजी से बढ़ी थी लेकिन अब अंतराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के नीचे पहुंच चुकी है। दूसरी तरफ भारत रूस से सस्ते दाम पर बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीद रहा है। उम्मीद है आने वाले दिनों में जनता को महंगे पेट्रोल-डीजल से कुछ राहत मिलेगी।

एक महीने के भीतर देश भर के 37 छावनी अस्पतालों में आयुर्वेद केंद्र

नयी दिल्ली। आयुष मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय ने देश भर के 37 छावनी अस्पतालों में आयुर्वेद केंद्रों का संचालन करने का निर्णय लिया है। आयुष मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि रक्षा सचिव डॉ. अजय कुमार और आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राकेश कोटेचा के बीच हुई उच्च स्तरीय बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया। इस समझौते के माध्यम से, आयुष मंत्रालय और महानिदेशक सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा ने सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा अस्पतालों के तहत आयुर्वेद केंद्रों को संचालित करने का निर्णय लिया।

सीएम भगवंत मान का बड़ा आरोप

पठानकोट आतंकी हमले के बाद सेना भेजने पर केंद्र ने मांगे थे 7.50 करोड़

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने शुक्रवार को विधानसभा में आरोप लगाया कि पठानकोट में आतंकी हमले के बाद सेना भेजने के बदले केंद्र ने 7.50 करोड़ रुपए मांगे थे। मान ने कहा- उस वक्त मैं सांसद था। जब मुझे इसका पता चला तो मैं सांसद साधु सिंह को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिला।

मान ने आगे कहा- मैंने उन्हें कहा कि यह रकम हमारे एमपी लैड फंड से काट लीजिए, पर हमें लिखकर दे दीजिए कि हमने पंजाब को सेना किराए पर दी थी। पंजाब देश का

हिस्सा नहीं है। सबसे पहले बंदूक की गोलियां हमारी छाती पर चलती हैं। इसके बाद रक्षा मंत्री ने वह रुपए नहीं लिए।

2016 में हुआ था आतंकी हमला, 8 जवान शहीद हुए थे

पठानकोट एयरबेस पर 2 जनवरी 2016 को आतंकी हमला हुआ था। जिसे भारतीय सेना की वर्दी में आए हथियारबंद आतंकियों ने अंजाम दिया था। इस हमले में 7 जवान शहीद हुए थे। जांच में पता चला था कि सभी आतंकी रावी नदी के जरिए भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर आए थे। भारत में पहुंचकर आंतकियों ने कुछ गाड़ियों को हाईजैक किया। इनके जरिए वह पठानकोट एयरबेस पर पहुंचे थे। इसके बाद सेना आई और 5 आतंकियों को ढेर कर दिया था।

चंडीगढ़ को लेकर बुलाया था विधानसभा सेशन

केंद्र सरकार ने कुछ दिन पहले चंडीगढ़ के कर्मचारियों को केंद्रीय सर्विस नियमों के अधीन कर दिया। इसके बाद पंजाब की मान सरकार ने शुक्रवार को स्पेशल सेशन बुलाया था। उसी में केंद्र की पंजाब के प्रति भेदभावपूर्ण नीति का उदाहरण देते वक्त ष्टरूमान ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि पंजाब के सैनिक सबसे पहले सीने पर दुश्मन की गोलियां खाते हैं। इसके बावजूद राज्य के साथ भेदभाव किया जा रहा है।

भाजपा के प्रदेश प्रधान बोले- झूठ फैलाया जा रहा

भाजपा के प्रदेश प्रधान अश्वनी शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी वालों को भ्रम फैलाने की आदत है। जिस वक्त पठानकोट आतंकी हमला हुआ, पंजाब में अकाली दल-भाजपा गठबंधन की सरकार थी। मैं वहां से विधायक था। अगर केंद्र ने रुपए मांगे होते तो सबसे पहले हमें पता चलता। उस वक्त की सरकार के ध्यान में यह बात आती। यह सब भ्रम फैलाया जा रहा है। इनकी आदत है कि कोई बात बोलो और फिर उससे भाग जाओ। हालांकि अब इनकी जवाबदेही तय होगी। इनको महिलाओं को एक हजार रुपए प्रतिमाह और 300 यूनिट मुफ्त बिजली के चुनावी वादे पर पंजाब को जवाब देना होगा।

गुजरात उच्च न्यायालय को साबरमती आश्रम पर नए सिरे सुनवाई करने का आदेश

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को महात्मा गांधी के परपोते तुषार अरुण गांधी की एक जनहित याचिका पर फिर से विचार करने का आदेश गुजरात उच्च न्यायालय को दिया।

शीर्ष अदालत ने साबरमती आश्रम के प्रस्तावित पुनर्विकास से जुड़े एक मामले में हस्तक्षेप से इनकार वाले गुजरात उच्च न्यायालय फैसले को रद्द कर दिया तथा उस पर नए सिरे से विचार करने का आदेश दिया।

तुषार गांधी ने गुजरात सरकार के प्रस्तावित पुनर्विकास परियोजना में कई गंभीर खामियां होने का दावा करते हुए उसके खिलाफ याचिका दायर की थी।

उच्च न्यायालय के फैसले से निराश याचिकाकर्ता ने शीर्ष अदालत में विशेष अनुमति याचिका दायर की थी।

न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्य कांत की पीठ ने उच्च न्यायालय के 25 नवंबर 2021 के आदेश को खारिज करते हुए योग्यता के आधार पर निर्णय लेने के लिए जनहित याचिका को उच्च न्यायालय के पास वापस भेज दिया।

पीठ ने कहा, हमारा मत है की उच्च न्यायालय इस मामले पर फिर से विचार करे तथा गुजरात सरकार को एक विस्तृत हलफनामा दायर करने का अवसर दे।

देश में कोरोना के सक्रिय मामलों में 635 की गिरावट

इस दौरान 52 लोगों की महामारी से मौत हुई

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार में आ रही कमी के बीच गुरुवार को सक्रिय मामलों में 635 की गिरावट आई है और इसी के साथ इनकी संख्या 13,672 रह गई है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 1,335 नये मामले सामने आये हैं, जिन्हें शामिल करते हुए कुल मामलों की संख्या चार करोड़ तीस लाख 25 हजार 775 हो गई है। इस दौरान 52 लोगों की महामारी से मौत हुई है, जिसके बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 5,21,129 हो गई है। इसी अवधि में 1,918 मरीजों के स्वस्थ होने से संक्रमणमुक्त होने वालों की संख्या कुल चार करोड़ 24 लाख 90 हजार 922 हो गई है। देश में कोरोना मृत्यु दर 1.21 प्रतिशत, रिकवरी दर 98.76 प्रतिशत और संक्रमण दर 0.03 प्रतिशत है।

केरल में पिछले 24 घंटे में सक्रिय मामलों में 239 की कमी आने के बाद इनकी संख्या घटकर 4003 रह गई। वहीं, 620 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 6460767 हो गई है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 67913 हो गया है।

कर्नाटक में सक्रिय मामले 16 घटकर 1611 हो गए हैं। इस दौरान 93 मरीजों के ठीक होने से इस महामारी से निजात पाने वालों की कुल संख्या 3903849 हो गई है। वहीं राज्य में एक और मरीज की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 40054 पर पहुंच गया है।

असम में इस दौरान सक्रिय मामलों की संख्या एक घटकर 1353 हो गई है तथा इस महामारी से मुक्त होने वालों की कुल संख्या 716204 तक पहुंच गई है, वहीं मृतकों का आंकड़ा 6639 पर स्थिर रहा।

पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम में आठ सक्रिय मामले कम होने के साथ इनकी संख्या 1040 रह गयी है। इस दौरान राज्य में 169 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 222797 हो गई है। वहीं, राज्य में मृतकों का आंकड़ा 685 पर पहुंच गया है। महाराष्ट्र में इस दौरान 37 सक्रिय मामले घटने के साथ इनकी संख्या 902 हो गई है। इस दौरान राज्य में 219 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 7725339 हो गई है। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 147783 हो गया है।

पश्चिम बंगाल में इस दौरान सक्रिय मामले 24 घटकर 612 रह गए हैं तथा मृतकों का आंकड़ा 21197 पर स्थिर है। राज्य में 1995539 मरीज संक्रमण मुक्त हो चुके हैं।

पर्वतीय राज्य उत्तराखंड में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या दो बढ़कर 495 हो गई है और राज्य में अभी तक 429061 लोग इस जानलेवा वायरस से निजात पा चुके हैं। मृतकों का आंकड़ा 7691 पर स्थिर है।

वैक्सीन

कोविड वैक्सीनेशन की नई गाइडलाइन जल्द आएगी; गंभीर बीमारी वाले बच्चों को नियम से छूट

12 साल से छोटे बच्चों को नहीं लगेगी कोरोना वैक्सीन

नई दिल्ल। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने फैसला किया है कि 12 साल से कम उम्र के बच्चों को कोरोना की वैक्सीन नहीं लगाई जाएगी। हालांकि, इस बारे में अभी कोई आदेश जारी नहीं हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, मौजूदा हालात को देखते हुए यह फैसला हो चुका है। अभी देश में 12 साल से कम उम्र के बच्चों को वैक्सीन नहीं लगाई जा रही है।

सूत्र यह भी बता रहे हैं कि नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्यूनाइजेशन (ह्ल्ञ्जत्नढ्ढ) सरकार को सलाह देने वाली है कि 12 साल से कम उम्र के सिर्फ उन्हीं बच्चों को वैक्सीन दी जाए, जिन्हें पहले से कोई

गंभीर बीमारी है।

दो कंपनियों ने सरकार से मंजूरी मांगी

वैक्सीन बनाने वाली दो कंपनियों सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया और बायोलॉजिकल-ई ने केंद्र सरकार से 12 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए वैक्सीन की मंजूरी मांगी है। कंपनियों ने बच्चों पर ट्रायल के नतीजे भी सरकार को बताए हैं।

संक्रमित बच्चों में गंभीर लक्षण नहीं

इन प्रस्तावों पर हेल्थ मिनिस्ट्री ने एक्सपर्ट्स के साथ चर्चा की। इसमें पता चला कि देश में 12 साल से कम उम्र के बच्चे कोरोना की तीनों लहरों के दौरान संक्रमित तो हुए, लेकिन उनमें गंभीर लक्षण नहीं दिखे। इसलिए उन्हें वैक्सीन लगाना जरूरी नहीं है।

देश में 12 से 14 साल के बच्चों को 16 मार्च से वैक्सीन लग रही है। 1.6 करोड़ बच्चों को पहला डोज लग चुका है। वहीं, 15 से 17 साल के 5.71 करोड़ बच्चों को पहल डोज लगाया जा चुका है।

एक्सपर्ट बोले- बच्चे संक्रमण से बीमार नहीं पड़ते

दिल्ली एम्स के कम्यूनिटी मेडिसन डिपार्टमेंट के डॉ. संजय राय ने बताया कि बच्चों को वैक्सीन देने से पहले वैज्ञानिक आधार बताना चाहिए। दुनियाभर में कहीं भी छोटे बच्चों को वैक्सीन की जरूरत नहीं है। क्योंकि, वैक्सीन संक्रमण की गंभीरता से बचाती है, न कि संक्रमण से। अभी तक बच्चों में संक्रमण के गंभीर लक्षण नहीं दिखे। कोरोना से बच्चों की मौतें भी लगभग शून्य हैं। इसलिए उन्हें वैक्सीन लगाना सही नहीं रहेगा।

एम्स के पूर्व साइंटिस्ट डॉ. रमण गंगाखेड़कर ने कहा कि 12 से 14 साल के भी उन्हीं बच्चों को वैक्सीन देनी चाहिए, जिन्हें कोई न कोई गंभीर बीमारी हो।

शार्ट न्यूज

सरकारी अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के भ्रष्टाचार निरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार को एक सरकारी कर्मचारी को 98,776 रुपए के बिल की अदायगी के लिए 5,000 रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। एसीबी ने कहा कि एक ठेकेदार ने अनंतनाग के ग्रामीण विकास विभाग में सहायक अभियंता शकील अहमद डार पर राशि स्वीकार करने का आरोप लगाया था।

कश्मीर के शोपियां में आतंकवादी की मौत

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में जारी अभियान में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया है, जिसकी जानकारी अधिकारियों ने दी है। मुठभेड़ गुरुवार शाम शोपियां के तुर्कवांगम इलाके में उस समय हुई जब पुलिस, सेना और सीआरपीएफ के संयुक्त बलों ने एक घेरा-और-खोज अभियान (कासो) की शुरुआत की। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, %जिस जगह आतंकवादी छिपे हुए थे वहां जैसे सुरक्षा बलों के अधिकारी पहुंचे आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाबी कार्रवाई में मुठभेड़ की शुरुआत हुई। इस दौरान अब तक एक आतंकवादी की मौत हो चुकी है। आतंकवादी की पहचान अभी नहीं की जा सकी है। पुलिस ने कहा है कि अभियान जारी है।

डॉ बीडी मिश्रा ने मद्रास रेजीमेंट के 72वें एकता दिवस कार्यक्रम में भाग लिया

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) डॉ बीडी मिश्रा ने शुक्रवार को नयी दिल्ली में अपने वर्तमान शांति स्टेशन स्थान पर भारतीय सेना में मद्रास रेजिमेंट की 18वीं बटालियन के 72वें एकता दिवस में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने एक विशेष सैनिक सम्मेलन को भी संबोधित किया। गौरतलब है कि मैसूर स्टेट फोर्स इन्फैंट्री के रूप में स्थापित मद्रास रेजिमेंट को एक अप्रैल 1951 को भारतीय सेना में एकीकृत किया गया था। वर्ष 1961 में मद्रास रेजीमेंट की 18वीं बटालियन में कमीशन प्राप्त ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) मिश्रा ने सैनिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए इस विशेष अवसर पर बटालियन के जवानों और अधिकारियों को बधाई दी। राज्यपाल ने जवानों और अधिकारियों को बटालियन की महत्व और प्रतिष्ठा को बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने उनसे जिम्मेदारी, दृढ़ संकल्प और जीतने के संकल्प के साथ काम करने का आग्रह किया।

कर्नाटक में शॉर्ट सर्किट की घटना से बदला अमित शाह के काफिले का रास्ता

बेंगलुरू। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के काफिले के रास्ते में शार्ट सर्किट होने का मामला पुलिस के संज्ञान में आने के बाद उनका रास्ता बदल दिया गया है। शॉट सर्किट की यह घटना माउंट कार्मेल कॉलेज के पास हुई। श्री सिंह के काफिले को पैलेस ग्राउंड तक पहुंचने के लिए इस मार्ग से जाना था। वह यहां सहकारी संस्थानों के सदस्यों के लिए यशस्विनी स्वास्थ्य बीमा योजना का उद्घाटन करने वाले थे। घटना के संज्ञान में आने के तुरंत बाद बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त कमल पंत सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तुरंत उस स्थान पर पहुंचे जहां शॉर्ट सर्किट हुआ था। श्री पंत ने इस संबंध में उन्होंने मीडिया से बातचरत में किसी गड़बड़ी से इंकार किया। उन्होंने कहा, गड़बड़ी का कोई मामला नहीं है। यह शॉर्ट सर्किट का मामला है। बेंगलुरु बिजली आपूर्ति कंपनी (बेसकॉम) के लोग समस्या को ठीक कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि शाम करीब 16.30 बजे एक सीवेज में भूमिगत बिजली के तारों के शॉर्ट-सर्किट होने पर तेज आवाज सुनाई दी, जिसके परिणामस्वरूप धुआं बन गया। श्री शाह कर्नाटक प्रभारी अरुण सिंह, राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार कतील और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के साथ भाजपा कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करने वाले हैं। इससे पहले शाह ने गुरुवंदन कार्यक्रम और सिद्धगंगा मठ के दिवंगत लिंगायत द्रष्टा शिवकुमार स्वामीजी की 115 वीं जयंती समारोह में भाग लिया। इस कार्यक्रम में चार लाख लोग शामिल हुए।

नयी दिल्ली से पंतनगर के बीच स्पाइसजेट की नयी उड़ानें

कोलकाता। स्पाइसजेट ने नयी दिल्ली से उत्तराखंड के पंतनगर के बीच नयी विमान सेवा शुरू करने की घोषणा की है। एयरलाइन रोजाना दोनों स्थानों के बीच सीधे विमान का संचालन करेगी, जिसकी शुरुआत आठ अप्रैल 2022 से होगी। स्पाइसजेट की मुख्य व्यावसायिक अधिकारी शिल्पा भाटिया ने कहा, हम नई दिल्ली को पंतनगर से जोड़कर राष्ट्रीय राजधानी और उत्तराखंड के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने पर बहुत गौरवान्वित हैं। इसके साथ ही राज्य के कई पर्यटन गंतव्य की कनेक्टिविटी बढ़ी है, हमारी सीधे विमान सेवा का स्थानीय अर्थव्यवस्था की तेजी में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। पंतनगर हवाई अड्डा उत्तराखंड के नैनीताल, रानीखेत, जिम कोर्बेट नेशनल पार्क, भीमताल और अल्मोड़ा जैसे महत्वपूर्ण पर्यटन गंतव्यों से अच्छी तरह से जुड़ा है। नई विमान सेवा पर्यटक और राज्य के नागरिकों के लिए फायदेमंद होगी। साथ ही,यह परिवहन और पर्यटन क्षेत्र को पुनर्स्थापित करने में सहायक होगी।

उत्तराखंड में डॉक्टर के ट्रांसफर मामले की जांच के आदेश

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय की वरिष्ठ महिला चिकित्सक डॉ निधि उनियाल के अल्मोड़ा मेडिकल कालेज संबद्धीकरण तथा उनके साथ हुए दुर्व्यवहार की खबरों पर संज्ञान लेते हुए तत्काल प्रभाव से इस आदेश को निरस्त करने के निर्देश दिए हैं। धामी ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच के लिए मुख्य सचिव डॉ एसएस संधू को निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर मुख्य सचिव डॉ संधू ने अपर मुख्य सचिव मनीषा पवार को उपरोक्त प्रकरण की तथ्यात्मक जांच कर अपनी रिपोर्ट देने के लिए कहा हैं।

राजावत को मीडियाकर्मियों से बातचीत करने से रोका

कोटा। राजस्थान के कोटा में एक वन अधिकारी के साथ कथित रूप से मारपीट के मामले में गिरफ्तारी के बाद आज न्यायालय में पेश कर बाहर लाते समय पुलिस अधिकारियों ने पूर्व संसदीय सचिव और वरिष्ठ भाजपा नेता भवानी सिंह राजावत को मीडियाकर्मियों से बातचीत नहीं करने दी। वन अधिकारी रवि कुमार मीणा को कल उनके दफ्तर में कथित रूप से थप्पड़ मारने के मामले में गिरफ्तारी के बाद आज कड़ी सुरक्षा के बीच न्यायालय में श्री राजावत को अदालत से बाहर लाते समय जब मीड़ियाकर्मियों ने उनसे बातचीत करनी चाही तो पुलिस अधिकारी ने यह कहते हुए श्री राजावत को पत्रकारों से बातचीत नहीं करने दी कि वे इस समय पुलिस हिरासत में हैं।

वन भूमि को गैर वानिकी कार्य के लिए उपयोग में लेने के मामले में अतिरिक्त महाधिवक्ता को कोपी देने का आदेश

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने भीलवाड़ा जिले में बिजौलियां के नयानगर में वन भूमि को गैर वानिकी कार्य के लिए उपयोग में लेने के मामले में अतिरिक्त महाधिवक्ता को कोपी देने का आदेश दिया है। न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव एवं न्यायमूर्ति समीर जैन की खंडपीठ ने भीलवाड़ा निवासी एवं प्रसिद्ध पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू की याचिका पर याचिका की एक प्रति राज्य सरकार के खान एवं वन विभाग का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त महाधिवक्ता को उपलब्ध कराने केआदेश देकर मामले में छह अप्रैल को जवाब पेश करने के लिए कहा है। अधिवक्ता अश्विनी कुमार चौबीसा के अनुसार श्री जाजू ने खान विभाग द्वारा बिजौलियां के नयानगर में वन विभाग की संरक्षित वन भूमि के खसरा संख्या 793/124 रकबा 218 हेक्टेयर भूमि को सेंड स्टोन के लिए पट्टों की नीलामी के लिए निकाली गई अधिसूचना को न्यायालय में जनहित याचिका दायर कर चुनौती दी है।

पेपर लीक को लेकर प्रियंका का बीजेपी पर तंज

परीक्षा पर चर्चा नहीं, पेपर लीक पर चर्चा करनी चाहिए

एजेंसी

नई दिल्ली। यूपी की योगी सरकार पर नए सिरे से हमला बोलते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि बीजेपी को परीक्षा पर चर्चा नहीं पेपर लीक पर चर्चा करानी चाहिए। प्रियंका गांधी ने ये तंज दरअसल यूपी बोर्ड के पेपर लीक को लेकर किया। दरअसल बुधवार को यूपी बोर्ड का बारहवीं क्लॉस का पेपर लीक होने की खबर के बाद 24 जिलों में परीक्षाएं रद्द कर दी गई थी। अंग्रेजी विषय का ये पेपर अब 13 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा।

प्रियंका गांधी ने कहा- पिछले साल 28 नवंबर को यूपीटेट की परीक्षा से पहले पर्चा लीक हो गया जिसका खामियाजा प्रदेश के लाखों युवाओं को उठाना पड़ा।

सरकार ने कुछ नहीं किया बस कुछ दिखावटी कदम उठा लिए। आज तक उत्तर प्रदेश के युवाओं को पता नहीं चल सका कि यूपी सरकार का ये कौन

सा भ्रष्ट सिस्टम है जो पेपर लीक कर देता है। प्रियंका गांधी ने कहा कि इस बार भी कुछ नहीं होगा। सरकार जनता को दिखाने के लिए कुछ दिखावटी कदम उठा लेती और लोगों को बता देगी कि देखो हमने पेपर लीक करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि पेपर लीक करने वालों को पकड़ने के बजाय यूपी सरकार ने उन पत्रकारों को जेल में डाल दिया जिन्होंने पेपर लीक की घटना को उजागर किया था।

प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि पेपर लीक करने वालों की सरकार में गहरी पैठ है। उनके खिलाफ कोई बुलडोजर नहीं चल रहा। कोई बदलाव नहीं होने जा रहा। दूसरी तरफ अंग्रेजी का पेपर लीक होने की घटना को गंभीरता से लेते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने मामले की जांच के लिए स्पेशल टास्क फोर्स का गठन कर दिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जो भी लोग पेपर लीक मामले में शामिल होंगे उनपर नेशनल सिक्योरिटी एक्ट यानी एनएसए के तहत मामला चलेगा। इस मामले में अबतक 26 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

नवविवाहिता बेटी का परिजनों ने किया अपहरण

जींद। परिवार की मर्जी के खिलाफ जाकर अंतरजातीय प्रेम विवाह करने पर परिजनों ने बेटी का 'अपहरण' कर लिया। पुलिस के अनुसार, महिला के पति कृष्ण ने शिकायत देकर यह आरोप लगाया है। कृष्ण की शिकायत के अनुसार 21 मार्च को कृष्ण ने भिवानी की निवासी एक लड़की से चंडीगढ़ की अदालत में प्रेम विवाह किया था। विवाह के बाद दोनों ने पुलिस सुरक्षा लेने से मना कर दिया और विजय नगर में कृष्ण की बुआ के यहां रहने लगे।

सिद्धगंगा मठ स्वामीजी के सिद्धांतों पर चल रही मोदी सरकार : शाह

तुमकुरु। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने गरीबों की सेवा के लिए सिद्धगंगा मठ के पूज्य श्री शिवकुमार स्वामीजी के त्रिविद दशोहा के सिद्धांतों का पालन किया है। शाह ने स्वामीजी की 115वीं जयंती पर कहा कि यह स्थान श्री श्री श्री शिवकुमार स्वामी जी की तपस्या और अथक सेवा के कारण पवित्र हुआ है। यह स्थान 600 वर्षों से अस्तित्व में है और इसने लोगों के जीवन सफल बनाया है। जिस कारण से स्वामीजी को आधुनिक बसवन्ना कहा जाता है और कुछ लोग उन्हें भगवान का दर्जा देते हैं। उन्होंने कहा,स्वामीजी ने बसवन्ना के सिद्धांतों पर चलने का काम किया। उन्होंने गरीबों की सेवा के लिए त्रिविध दशोह अन्ना, अक्षर और आश्रय यानी कि मुफ्त भोजन, शिक्षा और आश्रय को अपनाया। उनके मठ में आने वाला कोई भी व्यक्ति कभी भूखा नहीं लौटता। इस समय मठ में दस हजार बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा,इसी सिद्धांत को मोदी जी ने भी अपनाया और केंद्र सरकार के माध्यम से गरीबों की सेवा की। कोविड के दौरान भाजपा सरकार द्वारा करीब 80 करोड़ लोगों को दो साल तक पांच किलो अनाज मुफ्त दिया गया।

कांग्रेस पार्टी को सरकारी बंगला खाली करने का नोटिस

'अवैध रूप' से रह रहा है सोनिया गांधी का सचिव

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी को सरकारी बंगले के अवैध कब्जे के आरोप में बेदखली का नोटिस जारी हुआ है। जानकारी मिली है कि यह बंगला कांग्रेस पार्टी को अलाउट हुआ था लेकिन इस बंगले पर कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष सोनिया गांधी के सचिव रह रहे हैं। आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत संपदा निदेशालय (डीओई) ने अब कांग्रेस पार्टी के खिलाफ कार्रवाई का मन बना लिया है। ये भी बताया गया है कि इस संपत्ति का बकाया 3.08 करोड़ हो गया है जो अभी तक नहीं दिया गया है। पिछला भुगतान अगस्त 2013 में किया गया था।

कांग्रेस पार्टी को दिल्ली के चाणक्यपुरी स्थित बंगला को खाली करने के लिए बेदखली नोटिस मिला है। मंत्रालय के दस्तावेज के अनुसार, दिल्ली में यह संपत्ति कांग्रेस पार्टी को दी गई थी, लेकिन इसमें कांग्रेस के अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के सचिव विन्सेंट जॉर्ज अवैध रूप से रह रहे हैं। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, डीओई द्वारा कांग्रेस पार्टी को यह नोटिस 25 मार्च को भेजा गया है।

पत्र में लिखा गया है, आपने सार्वजनिक परिसर पर अनधिकृत कब्जा लिया है। आपको उक्त परिसर से बेदखल कर दिया जाना चाहिए... पत्र संख्या 7/259/94- द्वारा 26-06-2013 से आवंटन रद्द होने के बाद भी आप सार्वजनिक परिसरों पर कब्जा करना जारी रखे हुए हैं। नोटिस में सार्वजनिक परिसर अधिनियम 1971 की धारा 3बी की उप-धारा (1) के तहत तीन दिनों के भीतर दोपहर 2:30 बजे कारण बताओ नोटिस जारी हुआ है, ये जानने के लिए कि बेदखली का आदेश क्यों न दिया जाए? ये भी कहा गया है कि अगर कारण संतोषजनक नहीं रहा तो निर्धारित समय के भीतर बेदखल की कार्रवाई की जाएगी।

अगस्त 2013 में दिया गया था आखिरी बकाया

डीओआई के मुताबिक, संपत्ति का कुल बकाया 3.08 करोड़ रुपये हो गया है। बंगले पर फिलहाल सोनिया गांधी के निजी सचिव विन्सेंट जॉर्ज द्वारा कब्जा है। पिछली बार इस बंगले का किराया अगस्त 2013 भुगतान किया गया था। गौरतलब है कि फरवरी में केंद्र सरकार द्वारा कांग्रेस पार्टी को कांग्रेस कार्यालय, सोनिया गांधी के आधिकारिक निवास और उनके सचिव के कब्जे वाली तीनों संपत्तियों के लंबित किराए और बकाया का भुगतान करने के लिए एक नोटिस भेजा गया था।

हिजाब और मंदिरों में प्रतिबंध के बाद कर्नाटक में हलाल पर विवाद, जानिए क्यों हो रहा है बहिष्कार

नई दिल्ली। कर्नाटक में हिजाब और मंदिरों में मुस्लिमों के प्रतिबंध के बाद अब हलाल मीट पर विवाद छिड़ा हुआ है। आरोप है कि हलाल मीट की बिक्री पर रोक लगाने की मांग करते हुए कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले के भद्रावती में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के एक समूह ने बुधवार को एक होटल में घुसकर एक कर्मचारी के साथ मारपीट की।

इसके बाद दिन में पुलिस अधीक्षक बीएम लक्ष्मी प्रसाद ने शुक्रवार को कहा कि, शहर के एक होटल व्यवसायी के साथ हलाल प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने के लिए दुर्व्यवहार किया गया और जब उसने हस्तक्षेप करने की कोशिश की तो एक ग्राहक पर हमला भी किया गया। उन्होंने कहा कि बजरंग दल के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है।

इस बीच, दक्षिणपंथी नेता प्रशांत संबरगी और पुनीत केरेहल्ली ने गुरुवार

को बेंगलुरु के चामराजपेट इलाके में एक बाजार का दौरा किया और हलाल प्रतिबंध के लिए प्रचार किया। उन्होंने लोगों से हलाल मांस नहीं खरीदने का आग्रह करते हुए पर्चे बांटे। लेकिन स्थानीय लोगों ने दोनों को रोका और उन्हें सांप्रदायिक विभाजन न करने के लिए कहते हुए वापस भेज दिया। बता दें कि यह नया विवाद हिजाब और मुस्लिम व्यापारियों द्वारा मंदिर परिसर या मंदिर मेलों में स्टॉल लगाने पर बढ़ते प्रतिबंध के मद्देनजर आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, शिवमोग्गा और बेंगलुरु की तरह, कथित हिंदुत्व कार्यकर्ता राज्य के अन्य हिस्सों में भी घर-घर जा रहे हैं, पर्चे बांट रहे हैं और लोगों से केवल हिंदू दुकानों से किराने का सामान और मांस खरीदने का आग्रह कर रहे हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, यह अभियान करीब एक हफ्ते पहले शुरू हुआ था जब दक्षिणपंथी समूहों ने हलाल मीट के खिलाफ ऑनलाइन अभियान शुरू किया था। इस सप्ताह की शुरुआत में हिंदू जनजागृति समिति, श्री राम सेना और बजरंग दल जैसे संगठनों ने मांस की दुकानों के साइनबोर्ड से हलाल सर्टिफिकेशन को हटाने के लिए निर्देश जारी किया था।

क्यों है 'हलाल मीट' पर विवाद?

श्री राम सेना के संस्थापक प्रमोद मुतालिक ने आरोप लगाया है कि हलाल उत्पादों को बेचने से कमाए गए पैसे का इस्तेमाल जेल में बंद आतंकवादियों की जमानत के लिए किया जा रहा है। 29 मार्च को, भाजपा के राष्ट्रीय सचिव और चिकमगलूर के विधायक सीटी रवि ने दावा किया कि हलाल मांस की बिक्री आर्थिक जिहाद है। राज्य के पूर्व मंत्री रवि ने कहा, मुसलमान अपने समुदाय से ही मांस खरीदते हैं और हलाल उनके लिए एक सर्टिफिकेशन है। इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है कि उत्पादों को केवल मुसलमानों से ही खरीदा जाना चाहिए। अगर मुसलमान हिंदुओं से मांस खरीदने से इनकार करते हैं, तो हमें यह कहने से क्या रोकता है कि मांस केवल हिंदुओं से खरीदा जाना चाहिए?

वन अधिकारी से मारपीट के मामले में राजावत को भेजा जेल

कोटा। राजस्थान में कोटा जिले की लाडपुरा विधानसभा क्षेत्र में विधायक रह चुके पूर्व संसदीय सचिव भवानी सिंह राजावत को आज पुलिस ने न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में कोटा जेल भेज दिया गया। राजावत को आज पुलिस ने भारी लवाजमें के साथ कड़ी सुरक्षा के बीच दोपहर में अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण न्यायालय में पेश किया था जहां से उन्हें जेल भेजने के आदेश दिए। इस दौरान बड़ी संख्या में राजावत के समर्थक भी न्यायालय परिसर में जमा हो गए जिन्हे नियंत्रित करने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। श्री राजावत की ओर से अदालत में पेश जमानत की अर्जी पर सोमवार को सुनवाई होगी लेकिन तब तक दो दिन श्री राजावत को कोटा की केन्द्रीय कारागार में ही बिताने पडेंगे। पुलिस ने वन विभाग के एक अधिकारी रवि कुमार मीणा के साथ कथित रुप से मारपीट करने के आरोप में कल देर शाम को श्री राजावत को गिरफ्तार किया था लेकिन इस घटना को लेकर वायरल हो गए एक वीडियो में यह स्पष्ट दिख रहा है कि श्री राजावत ने वन विभाग के अधिकारी उप वन संरक्षक रवि कुमार मीणा को थप्पड़ नहीं मार रहे थे बल्कि शिकायतकर्ताओं की सुनवाई करने के लिए वन अधिकारी का गाल थपथपा रहे हैं। असल में कोटा के प्रसिद् डाढ देवी माता जी मार्ग पर चल रहे मरम्मत कार्य को वन विभाग ने रुकवा दिया था। वन विभाग की इस कार्यवाही का विरोध कर रहे लोगों के साथ पूर्व संसदीय सचिव श्री राजावत कल दोपहर नयापुरा में राजभवन रोड स्थित वन विभाग के डीसीएफ़ के कार्यालय पहुंचे थे। शनिवार से शुरू हो रहे नवरात्रि पर्व को देखते हुए स्थानीय लोगों के अपनी भावनाओं को वन विभाग के अधिकारी को अवगत कराने के बाद वापस लौटते समय के इस वीडियो में श्री राजावत वन विभाग के अधिकारी रवि कुमार मीणा का गाल थपथपाते हुये नजर आ रहे है न कि थप्पड़ मारते हुए।

प्रधानमंत्री के 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में शामिल हुए धामी

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शुक्रवार को परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्थानीय राजीव गांधी नवोदय विद्यालय में वर्चुअल शामिल हुए।

कार्यक्रम के बाद श्री धामी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा पर चर्चा के माध्यम से प्रधानमंत्री जी द्वारा विद्यार्थियों को तनाव मुक्ति, आत्मविश्वास बढ़ाने, एकाग्रचित मन के लिए जिस तरह प्रेरित किया गया है, यह विद्यार्थियों के मनोबल को ऊंचाईयों तक पहुंचाता है। उन्होंने बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले प्रदेश के सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी के मन में परीक्षा के तनाव का वातावरण न हो और आत्मविश्वास हो, तो उसके बहुत अच्छे परिणाम मिलेंगे।

मुख्यमंत्री श्री धामी ने कहा कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अनुशासन का होना जरूरी है। बच्चे, माता-पिता एवं गुरूजनों का अनुसरण सबसे अधिक करते हैं।

बच्चों की प्रतिभाओं को उजागर करने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरणा दी कि बेहतर कार्य करने के लिए मन में उत्साह होना चाहिए। यदि मन में उत्साह हो तो कार्य के प्रति ऊर्जा स्वत: ही आ जाती है।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, शिक्षा सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, जिलाधिकारी देहरादून डॉ. आर राजेश कुमार, महानिदेशक शिक्षा बंशीधर तिवारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का पीपीपी मोड में किया जाएगा पुनर्विकास

नई दिल्ली। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को जल्द ही अत्याधुनिक और यात्री सुविधाओं से लैस किया जाएगा। इसके लिए केंद्र सरकार ने पीपीप मोड के जरिए इसके पुनर्विकास की योजना बनाई है।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा में बताया कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को अत्याधुनिक यात्री सुविधाएं, रोड इंफ्रास्ट्रक्चर और भविष्य की यातायात मांग को पूरा करने के लिए एक शानदार इमारत के तौर पर पुनर्विकसित किया जाएगा।

मंत्री ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह घोषणा करते हुए कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के प्रस्ताव को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मोड में लिया जाएगा।

आम आदमी पार्टी (आप) सांसद सुशील कुमार गुप्ता के एक सवाल के जवाब में कि क्या सरकार नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को पुनर्विकसित करने का प्रस्ताव ला रही है? केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के प्रस्ताव को सार्वजनिक निजी भागीदारी मोड पर लिया जाएगा। इसका उद्देश्य भविष्य की यातायात मांग को पूरा करने के लिए एक बेहतरीन इमारत के साथ अत्याधुनिक यात्री सुविधाएं, रोड इंफ्रास्ट्रक्चर और स्टेशन प्रदान करना है।

यह पूछे जाने पर कि क्या नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पुनर्विकास के लिए दिल्ली सरकार से पर्यावरण मंजूरी मिली है, वैष्णव ने कहा कि रेलवे स्टेशन परियोजनाओं को कुछ शर्तों के अधीन पूर्व पर्यावरण मंजूरी लेने से छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि हालांकि, पेड़ काटने की अनुमति प्राप्त कर ली गई है। संसद के बजट सत्र का दूसरा भाग 14 मार्च को शुरू हुआ और 8 अप्रैल को समाप्त होगा। बजट सत्र की पहली छमाही 31 जनवरी को शुरू हुई और 11 फरवरी को समाप्त हुई थी।

चंडीगढ़ को लेकर पंजाब सरकार के एकतरफा प्रस्ताव का कोई अर्थ नहीं : खट्टर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने चंडीगढ़ के मसले पर आज पंजाब विधानसभा में पारित प्रस्ताव को लेकर कहा कि चंडीगढ़ पंजाब और हरियाणा, दोनों राज्यों की राजधानी है और रहेगी भी इसलिए इस एकतरफा प्रस्ताव का कोई अर्थ नहीं है।

खट्टर ने कहा कि दोनों राज्यों के बीच केवल चंडीगढ़ का ही मसला नहीं है बल्कि कई मुद्दे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने चंडीगढ़ के कर्मचारियों की मांग और उनके हित में केंद्रीय सेवा नियम लागू करने का निर्णय लिया है और पंजाब सरकार इस मसले पर जनता को गुमराह कर रही है।

उन्होंने कहा कि इस फैसले से चंडीगढ़ के कर्मचारियों को काफी फायदा होगा। पहले हर आदेश के लिए चंडीगढ़ के कर्मचारियों को पंजाब सरकार पर निर्भर रहना पड़ता था। केंद्र से भत्ते या दूसरे लाभ के लिए आदेश होते तो पहले पंजाब नोटिफिकेशन जारी करता था। इसके बाद चंडीगढ़ में यह लागू होती। अब केंद्र जो नोटिफिकेशन करेगा, कर्मचारियों के लिए वह सीधे लागू हो जाएंगे।

उन्होंने कहा कि पंजाब ने अब तक कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ नहीं दिया है जबकि हरियाणा ने 2016 में ही इसे लागू कर दिया गया था।

उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ के कर्मचारी भी अभी तक इससे वंचित थे लेकिन अब नए नियम लागू होने के बाद उन्हें इसका लाभ मिल जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 1966 में पास हुए पंजाब पुर्नगठन एक्ट से पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ अस्तित्व में आया था। इस एक्ट में प्रावधान है कि चंडीगढ़ के 60 प्रतिशत कर्मचारी पंजाब से और 40 प्रतिशत कर्मचारी हरियाणा से होंगे। उसी समय से चंडीगढ़ हरियाणा और पंजाब की राजधानी है।

खट्टर ने कहा कि सिर्फ पंजाब और हरियाणा ही नहीं बल्कि हिमाचल प्रदेश के लोग भी चंडीगढ़ में अपना शेयर मांगते हैं।

उच्चतम न्यायालय ने एक मामले में पंजाब पुर्नगठन एक्ट के तहत चंडीगढ़ की 7.19 प्रतिशत जमीन पर हिमाचल प्रदेश का भी हक बताया था। यह अलग बात है कि हिमाचल प्रदेश ने अपनी राजधानी शिमला में बना ली है।

नियम 134ए हटाने से गरीब परिवारों के बच्चों को नुकसान नहीं : खट्टर

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि नियम 134 ए के तहत गरीब परिवारों के बच्चों के लिए निजी स्कूलों में 10 प्रतिशत सीटों का प्रावधान था। जबकि शिक्षा का अधिकार अधिनियम में इन बच्चों के लिए 25 प्रतिशत सीटों का प्रावधान किया गया है। उन्होंने यहां मीडिया से बातचीत में कहा कि अब शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत गरीब परिवारों के बच्चों को निजी स्कूलों में 10 प्रतिशत की बजाय 25 प्रतिशत सीटों पर दाखिला हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि 28 मार्च को एक अधिसूचना जारी कर 134ए हटा दिया गया। इसके तहत निजी स्कूलों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए 10 फीसदी सीटें थीं, जिनके लिए सरकारी फीस के बराबर फीस ली जाती थी। शिक्षा अधिकार कानून 2009 के तहत निजी स्कूलों में गरीब परिवारों के बच्चों के लिए 25 फीसदी आरक्षण का प्रावधान है लेकिन यह आठवीं कक्षा तक है। 134ए के तहत आरक्षण 12वीं कक्षा तक के बच्चों के लिए था। हालांकि अधिकांश निजी स्कूल 134ए नियम को लेकर बहुत उत्सुक नहीं थे और इस नियम के तहत प्रवेश मांगने वाले बच्चों को प्रतिसाद नहीं देते थे। पंजाब सरकार के निजी स्कूलों की फीस बढ़ाने पर रोक लगाई है, क्या हरियाणा भी इस तरह के आदेश निजी स्कूलों को जारी करेगा, पूछने पर खट्टर ने कहा कि हर साल निजी स्कूलों को फीस के बारे में फार्म -6 भरकर शिक्षा विभाग में जमा करवाना होता है और अभी तक शिक्षा विभाग को फीस बढ़ोतरी के बारे में कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

शार्ट न्यूज

एसी का कम्प्रेसर फटने से घर में लगी आग, मकान मालिक की जिंदा जलकर मौत

गुरुग्राम। दिल्ली से सटे गुरुग्राम के घर में शुक्रवार को कथित तौर पर आग लगने से मकान मालिक की जिंदा जलकर मौत हो गई। प्रथमदृष्टया आग लगने का कारण एसी का कम्प्रेसर फटना बताया जा रहा है। मृतक पेशे से इलेक्ट्रिशियन था और फ्रिज व एसी रिपेयरिंग का काम करता था। जानकारी के अनुसार, गुरुग्राम के पटौदी चौक के पास स्थित मनोहर नगर के एक मकान में शुक्रवार सुबह अचानक आग लग गई द्य आग लगने की सूचना दमकल विभाग को सुबह नौ बजे दी गई द्य इसके बाद दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने की कोशिश में जुट गईं। इस बीच घर में सो रहे मकान मालिक की आग की चपेट में आने से जिंदा जलकर मौत हो गई द्य मृतक की पहचान 45 वर्षीय संजय हसीजा के रूप में हुई है द्य पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर घटना की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण घर में लगे एसी का कम्प्रेसर फटना सामने आया है। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है। मौत के सही कारण के बारे में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ भी स्पष्ट रूप से बताया जा सकेगा। पुलिस मृतक के परिजनों और पड़ोसियों से पूछताछ कर जानकारी जुटा रही है।

गुरुग्राम में पुजारी की हत्या का खुलासा : ताऊ की समाधि का अपमान करने पर गांव के युवक ने काटा था पुजारी का गला

गुरुग्राम । गुरुग्राम के गांव कादरपुर स्थित मोहनराम मंदिर में बुधवार सुबह 90 वर्षीय पुजारी गोविंद दास की गला रेतकर हत्या के मामले का पुलिस ने गुरुवार को खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 20 वर्षीय युवक ने अपने ताऊ की समाधि का अपमान करने से खफा होकर पुजारी की गला काटरकर हत्या कर दी थी। गुरुग्राम पुलिस की अपराध शाखा सेक्टर-40 और सेक्टर-65 थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान चमन निवासी कादरपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियार को भी बरामद कर लिया है। एसीपी अपराध प्रीतपाल सांगवान ने बताया कि आरोपी युवक ने पूछताछ में खुलासा किया कि 29 मार्च रात को चमन अपने ताऊ की समाधी की साफ-सफाई कर रहा था, तभी मंदिर के पुजारी गोविंददास ने उसके ताऊ की समाधि का अपमान कर दिया। उसने पुजारी को ऐसा करने से मना किया। इस पर दोनों की बीच कहासुनी हुई और बात गाली-गलौज तक पहुंच गई। इस बात की रंजिश रखते हुए चमन मंगलवार देर रात को मंदिर में पहुंचा और मंदिर में पेड़ काटने के लिए रखे दांव को लेकर सोते हुए गोविंद दास की गर्दन पर हमला कर पुजारी की गर्दन को धड़ से अलग कर दिया था। पुजारी लकवा ग्रस्त थे और बीते काफी समय से बेड पर ही थे। रात को मंदिर में पुजारी अकेले ही सो रहे थे। सुबह मंदिर में चाय देने आए युवक के आवाज लगाने पर भी जब वह नहीं उठे,तो युवक ने कंबल हटाकर उनको उठाने का प्रयास किया, लेकिन कंबल हटाते ही युवक दंग रह गया। कंबल के अंदर पुजारी लहूलुहान हालत में पड़े थे।

सुपरटेक के ट्विन टावर गिराने की तैयारियों में आई तेजी

नोएडा । सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट के 40 मंजिला ट्विन टावरों को ध्वस्त करने के लिए तेजी से काम हो रहा है। एडिफिस संस्था की ओर से गुरुवार को टावर के सामने वाली सड़क बंद कर दी गई है। सुपरटेक एमरल्ड कोर्ट के सामने टीन की चादर तथा बेरिकेडिंग लगाकर दोनों ओर की लगभग 500 मीटर सड़क बंद की गई है। यह सड़क गेझा रोड से इस मार्ग को जोड़ती थी। अब गेझा गांव की ओर से आने-जाने वालों को इसके करीब के ही दूसरे रास्ते से जाना होगा। उन्हें करीब एक किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय करना होगा। इसके अलावा कंपनी द्वारा दोनों टावर के पास स्थित कार ड्राइव एरिया की सड़क को भी तोड़ दिया गया है।इससे वहां पर कोई वाहन न आ सके। इन टावरों के आस-पास के पूरे क्षेत्र की बेरिकेडिंग भी कर दी गई है। इसके साथ ही इन टावरों में 10 अप्रैल को होने वाले ट्रायल ब्लास्ट की तैयारी भी तेज हो गई हैं। वहीं, धूल उड़ने से लोग परेशान हैं। उन्होंने इस बारे में शिकायत भी की है। सुप्रीम कोर्ट ने चार अक्टूबर 2021 को सुपरटेक लिमिटेड की याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने सुरक्षा मानकों पर खरा नहीं उतरने के कारण इमारतों को ध्वस्त करने के अपने पूर्व के निर्देश में संशोधन करने से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने 31 अगस्त, 2021 के अपने फैसले में अवैध इमारतों को तोड़ने के साथ ही फ्लैट खरीदारों को उनकी पूरी रकम लौटाने करने का भी निर्देश दिया था। कोर्ट ने नोएडा के टी-16 (एपेक्स) और टी-17 (सेयेन) ट्विन टावर्स के निर्माण में नोएडा प्राधिकरण और रियल एस्टेट कंपनी सुपरटेक के अधिकारियों की नापाक मिलीभगत के लिए उन पर मुकदमा चलाने का भी आदेश दिया था।

बिना विलंब शुल्क के रजिस्ट्री कराने का मिल सकता है मौका

ग्रेटर नोएडा। यमुना प्राधिकरण बिना विलंब शुल्क के रजिस्ट्री कराने की समय सीमा बढ़ा सकता है। अभी तक प्राधिकरण ने बिना जुर्माने के 31 मार्च तक रजिस्ट्री कराने का मौका दिया था। उम्मीद है कि आगामी बोर्ड बैठक में समय सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव जाएगा। प्रस्ताव पास होता है तो लोगों को बिना विलंब शुल्क कराने का एक और मौका मिलेगा। कोरोना महामारी को देखते हुए यमुना प्राधिकरण ने रजिस्ट्री कराने वालों को राहत दी थी। प्राधिकरण ने 31 मार्च तक बिना किसी विलंब शुल्क के रजिस्ट्री कराने का मौका दिया था। इस दौरान लोगों ने रजिस्ट्री कराई। अभी भी बहुत सारे लोग हैं जो रजिस्ट्री नहीं करा पाए हैं। ऐसे लोगों को बिना विलंब शुल्क के रजिस्ट्री कराने का मौका दिया जा सकता है। आगामी बोर्ड बैठक में इसका प्रस्ताव रखा जाएगा। प्रस्ताव पास हुआ तो लोगों को बिना विलंब शुल्क बढ़ाने का मौका मिल सकता है।

कोरोना रोगियों की संख्या बढ़कर 66 हुई

नोएडा। जिले में शुक्रवार को कोरोना के 18 नए रोगियों की पुष्टि हुई है। वहीं, 13 रोगी इलाज के बाद स्वस्थ हुए। इसी के साथ कोरोना के सक्रिय रोगियों की संख्या बढ़कर 66 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक अब तक 2014089 कोरोना संदिग्ध रोगियों की जांच हो चुकी है। इनमें से 98600 मरीजों में कोरोना की पुष्टि हो चुकी है। 490 रोगियों की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इनमें से ज्यादातर रोगी अन्य बीमारियों से भी पीड़ित थे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी एसके शर्मा ने बताया कि अब तक इलाज के बाद 98044 रोगी स्वस्थ हुए हैं। उन्होंने बताया कि अधिकतर रोगी होम आईसोलेशन में ही इलाज के बाद स्वस्थ हो गए हैं। मरीज यदि किसी अन्य बीमारी से संक्रमित नहीं है तो सात दिन में स्वस्थ हो रहे हैं।

यमुना किनारे अवैध फार्म हाउस तोड़े

नोएडा। यमुना किनारे डूब क्षेत्र में बने अवैध फार्म हाउस के खिलाफ नोएडा प्राधिकरण ने शुक्रवार को कार्रवाई की। नंगली गांव के पास बने पांच फार्म हाउस ध्वस्त किए जबकि दूसरे स्थान पर निर्माणाधीन फार्म हाउस तक जाने वाली सड़क को क्षतिग्रस्त कर दिया। करीब चार घंटे तक चली कार्रवाई के दौरान पुलिस फोर्स भी मौजूद थी। प्राधिकरण अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई रोजाना होगी। शहर में यमुना और हिंडन के डूब क्षेत्र में बड़े स्तर से अतिक्रमण का दायरा बढ़ता जा रहा है। हिंडन के पास जहां मकान व कॉलोनियां कट रही हैं, वहीं यमुना क्षेत्र में फार्म हाउस बन रहे हैं। फार्म हाउस की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। अवैध रूप से फार्म हाउस बनने की शिकायत मिलने पर शुक्रवार को नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी विनीत मिश्रा व वरिष्ठ प्रबंधक विजय रावल के नेतृत्व में टीम ने पहुंचकर फार्म हाउस ध्वस्त किए। वरिष्ठ प्रबंधक विजय रावल ने बताया कि सेक्टर-134 के सामने नंगली गांव के पास पांच फार्म हाउस बने हुए थे, इनको ध्वस्त कर दिया गया है। यहां करीब 15 हजार वर्ग मीटर में फार्म हाउस बने थे। इसके अलावा चक मंगरौली गांव के पास भी फार्म हाउस बनाने के लिए बनाई जा रही सड़क को क्षतिग्रस्त कर दिया। अब इस सड़क से कोई भी वाहन नहीं आ सकेगा।

विश्व मांगल्य सभा द्वारा द्वि-दिवसीय मातृचिन्तन कार्यशाला का हुआ आयोजन

कार्यशाला में लोकप्रतिनिधि परिवार की ओर से संसद सदस्यों की पत्नियां हुईं सम्मिलित

नई दिल्ली। नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में विश्वमांगल्य सभा की लोक प्रतिनिधि परिवार संपर्क विभाग द्वारा मातृ चिंतन कार्यशाला का आयोजन किया गया। द्वि-दिवसीय कार्यशाला में कुल 8 सत्र आयोजित किए गए, जिनमें विभिन्न विषयों पर चिंतन किया गया.वक्ताओं ने संगठन के उद्देश्य व कार्यों के बारे में विस्तार से बताया.एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण में माता की भूमिका इस विषय पर संगठन की कार्यशाला को आयोजित किया था. कार्यशाला में संगठन के संस्थापक परम पूजनीय जितेंद्र नाथ महाराज, प्रशांत हरतालकर, श्रीमती रेखा देवी खंडेलवाल, श्रीमती वृषाली जोशी, श्रीमती कांचन नितिन गडकरी,श्रीमती मृदुला धर्मेंद्र प्रधान, सीधी सांसद श्रीमती रीति पाठक सहित अनेक संसद सदस्यों व केंद्रीय मंत्रियों की धर्मपत्नीयां कार्यशाला में सम्मिलित हुईं. कार्यशाला को संबोधित करते हुए जितेंद्र नाथ महाराज जी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में मां का बड़ा महत्व है जितने भी वीर महापुरुषों के उदाहरण हम सबके सामने प्रस्तुत किए जाते हैं उनके मूल में एक मां की त्याग तपस्या व संस्कार सहित लालन-पालन छिपा होता है.हमारी संताने राष्ट्रवादी-राष्ट्रीय समाज के विचार वाली हों, इसके लिए एक मां का दायित्व अहम हो जाता है. विश्वमांगल्य सभा मातृ निर्माण के देव-देश कार्य में लगा हुआ है. एक संस्कारित राष्ट्रीय विचारों से ओतप्रोत माता निश्चित ही महापुरुष की जन्म दात्री होती है.कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रशांत जी

हरतालकर ने कहा कि भारत में राष्ट्र की मूल संस्था परिवार होती है, परिवार माता पर निर्भर करता है अर्थात इस राष्ट्र के निर्माण या उत्थान के लिए एक मां की भूमिका अहम होती है.कार्यशाला में दोनों दिन केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जी की धर्मपत्नी श्रीमती कांचन गडकरी उपस्थित रही,कार्यशाला के द्वितीय दिवस श्रीमती गडकरी का साक्षात्कार हुआ जिसमें उन्होंने अपने जीवन के निजी अनुभव सभी के साथ साझा किए और सहजता से बताया कि किस तरह राजनैतिक परिवार में रहते हुए भी वह अराजनैतिक रहकर समाज सेवा व अपने परिवार को अच्छी शिक्षा देने का प्रयास करती हैं,कार्यशाला में श्रीमती गडकरी ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन भी दिया. इस अवसर पर कार्यशाला के द्वितीय दिवस केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की धर्मपत्नी मृदुला प्रधान ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए मां की महत्वता पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि मां शिशु की प्रथम गुरु होती है,किसी भी बालक पर पर सर्वाधिक प्रभाव उसके मां के संस्कारों का ही पड़ता है. मध्यप्रदेश सीधी से सांसद श्रीमती रीति पाठक ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए विश्वमांगल्य सभा की सराहना की व चर्चा सत्र में भाग लिया। कार्यशाला की संयोजिका डॉ अनुराधा यादव (पत्नी डॉक्टर कृष्ण पाल सिंह यादव सांसद गुना)एवं श्रीमती शुभांगी मेंढे (धर्मपत्नी श्री सुनील मेंढे सांसद गोंदिया-भंडारा महाराष्ट्र) रहीं। कार्यशाला के पहले दिन कुशल संचालन अनुराधा यादव ने किया व द्वितीय दिवस के संचालन का उत्तरदायित्व श्रीमती शुभांगी मेंढे द्वारा निभाया गया. कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चों द्वारा नृत्य नाटिकाओं के माध्यम से महिला सशक्तिकरण,योग,आध्यत्म आदि के संदेश का प्रस्तुतीकरण किया. कार्यक्रम में शक्तिगान का प्रस्तुतीकरण दिल्ली सांसद मनोज तिवारी की धर्मपत्नी एव विश्वमांगल्य सभा दिल्ली प्रांत की सचिव श्रीमती सुरभि तिवारी द्वारा प्रस्तुत किया गया.लोकप्रतिनिधि के रूप में अनेक संसद सदस्यों व केंद्रीय मंत्रियों की धर्मपत्नी के साथ ही साथ निगम पार्षद पत्नी व महिला निगम पार्षद सह विधायक पत्नी , श्रीमती भारती सिंह जी (पत्नी माननीय जेनरल वी के सिंह जी) भी उपस्थित रहीं।

जर्मनी की नई चिकित्सा तकनीक से तुरंत दूर होगा मांसपेशियों और नसों का दर्द

फेसिअल डिस्टॉर्शन मॉडल चिकित्सा पद्धति पर वर्कशॉप में देश दुनिया के 100 से ज्यादा फिजियोथेरेपिस्ट ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली। देशभर में अब मांसपेशियों और नसों में होने वाले दर्द के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है. मरीज को होने वाले इस दर्द को ट्रिगर प्वाइंट के जरिए दूर किया जा सकता है. खासकर घुटना, कंधा, एडी और कमर दर्द को ट्रिगर प्वाइंट से दूर करने में बेहद मदद मिलती है. इस समस्या को दूर करने की दिशा में भारत में पहली बार फेसिअल डिस्टॉर्शन मॉडल चिकित्सा पद्धति पर वर्कशॉप भी आयोजित की गई है. इस वर्कशॉप का आयोजन स्पाइन एक्शन-योर हेल्थ पार्टनर एवं यूरोपियन एफडीएम एसोसिएशन के संयुक्त प्रयासो से किया गया है।अच्छी बात यह है कि इस चिकित्सा पद्धति के ज्यादा प्रचार और प्रसार के लिए देश के अलग-अलग राज्यों खासकर दिल्ली और कर्नाटक (बैंगलोर) में इस तरह की वर्कशॉप का आयोजन कर शुरूआत की गई है. हाल ही में भारत में आयोजित अपने तरह की इस पहली फेसिअल डिस्टॉर्शन मॉडल चिकित्सा पद्धति के इंटरनेशनल कोर्स की वर्कशॉप में दुनियाभर से 100 से ज्यादा फिजियोथेरेपिस्ट ने हिस्सा लिया है. स्पाइन एक्शन के डॉ. रोबिन शर्मा, डॉ. विकास शर्मा, डॉ. आशीष खंडेलवाल, डॉ. कृष्णा शाह एवं जर्मनी से आए डॉ. थोर्स्टन फिशर व मार्सल अगस्त म्हलर्ट ने बताया कि इस पद्धति से किसी भी प्रकार की मांसपेशियों एवं जोड़ों के दर्द में तुरंत आराम मिलता है. स्पाइन एक्शन के चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. रोबिन शर्मा ने बताया कि यह एक ऐतिहासिक पहल है जिससे भारत में फिजियोथेरेपी एवं मेनुअल चिकित्सा पद्धति में आमूल-चूल परिवर्तन आएंगे. इससे चिकित्सक के लिए रोगी का परीक्षण और इलाज करने के तरीके दोनों ही बहुत आसान हो जाएंगे. वहीं, मरीज की दर्द निवारक दवाइयों पर निर्भरता भी समाप्त हो जाएगी. उन्होंने बताया कि इस नई तकनीक से मरीज के कंधा, एड़ी, घुटने, पीठ, गर्दन, पैर और अन्य मांसपेशियों के दर्द को आसानी से दूर किया जा सकता है।

दिल्ली के स्कूलों में दो वर्ष बाद ऑफलाइन पढ़ाई शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली के स्कूलों में दो साल बाद नए शैक्षणिक सत्र 2022-23 में सभी कक्षा के छात्रों की अब सिर्फ ऑफलाइन पढ़ाई होगी। कक्षा में बच्चों को पूरी क्षमता के साथ बुलाने को लेकर स्कूलों ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। कहीं, नए सत्र को लेकर एक अप्रैल से सभी छात्रों को बुलाया जा रहा है तो किसी स्कूल में चार अप्रैल (सोमवार) से कक्षाएं लगेंगी। ज्यादातर निजी स्कूल चार अप्रैल से छात्रों को बुलाने की तैयारी में हैं।

कोरोना के चलते मार्च 2020 से स्कूली छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। स्कूलों को कई बार बंद करना और खोलना पड़ा। छात्र पूरी क्षमता के साथ कक्षा में नहीं बैठ पा रहे थे। स्कूलों ने छात्रों को बुलाने को लेकर कोविड नियम के तहत व्यवस्था बना रखी थी, जिसके लिए अभिभावकों की मंजूरी जरूरी थी। छात्रों की ऑफलाइन और ऑनलाइन पढ़ाई चल रही थी। शिक्षा निदेशालय ने इस वर्ष फरवरी में एक अप्रैल से कक्षाएं ऑफलाइन कराने को लेकर आदेश जारी किए थे।

दिल्ली पेरेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष अपराजिता गौतम ने कहा कि कोरोना के आने के बाद से अब जिंदगी पटरी पर लौट रही है। दो साल बाद बच्चों के लिए एक अप्रैल से पूरी क्षमता के साथ स्कूल खुल रहे हैं। दो वर्षों में बच्चों ने पढ़ाई को लेकर काफी कुछ खोया है। अभिभावक बच्चों को स्कूल भेजें।

1300 फ्लैट खरीदारों के आशियाने की आस जल्द पूरी होने के आसार

ग्रेटर नोएडा। पंचशील बिल्डटेक के 1300 फ्लैट खरीदारों और प्राधिकरण के लिए राहत की खबर है। एसबीआई कैप ने पंचशील बिल्डटेक के लिए दूसरी किस्त भी जारी कर दी है। इससे प्रोजेक्ट को पूरा करने में और तेजी आएगी। साथ ही, ग्रेनो प्राधिकरण को भी बकाया किस्त के 39.42 करोड़ रुपये मिले हैं। पंचशील बिल्डटेक के लिए स्ट्रेस फंड से करीब 249 करोड़ रुपये स्वीकृति हुए थे जिसमें अब दूसरी किस्त जारी की गई है। इसकी पहली किस्त सितंबर में ही जारी हो चुकी है। पैसों की कमी के चलते पंचशील बिल्डटेक अपने प्रोजेक्ट को पूरा नहीं कर पा रहा था। इसमें करीब 1300 फ्लैट खरीदार हैं। फ्लैट खरीदारों को उनका आशियाना दिलाने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने भी कोशिश की और पंचशील बिल्डटेक को स्ट्रेस फंड से 249 करोड़ रुपये वित्तीय सहायता स्वीकृत हो गई।

दिल्ली फेयर में दिखी आत्मनिर्भर भारत की झलक

नई दिल्ली। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने गुरुवार को इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, नॉलेज पार्क-ग्रेटर नोएडा में आयोजित 53वें आईएचजीएफ दिल्ली फेयर देखा। अपने अनुभव साझा करते हुए शेखावत ने कहा कि मेरा पसंदीदा शब्द है 'एक्सप्लोर'। समय मिले तो अपने आसपास के आयोजनों में जरूर हिस्सा लें, आप अपडेट होते रहेंगे। दिल्ली फेयर में मुझे आत्मनिर्भर भारत की झलक देखने को मिली। मैं विदेशों के भी इस भांति के आयोजनों में गया हूं, किंतु भारत में बने उत्पादों की अलग ही विशेषता है। शेखावत दिल्ली फेयर में युवा उद्यमियों से रू-ब-रू भी हुए।

मॉल के बेसमेंट में चल रहे स्पा सेंटर में होता था देह व्यापार, आपत्तिजनक हालत में मिले युवक-युवती, 9 गिरफ्तार

गाजियाबाद । गाजियाबाद के कौशांबी थाना क्षेत्र के वैशाली सेक्टर-3 स्थित एक मॉल के बेसमेंट के चल रहे स्पा सेंटर में पुलिस-प्रशासन की टीम ने गुरुवार देर रात छापेमारी कर यहां चल रहे देह व्यापार के धंधे का भंडाफोड़ किया। टीम ने मौके से स्पा सेंटर संचालिका सहित चार युवती व पांच युवकों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने नौ आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस फरार स्पा संचालक की तलाश में जुटी है।

वैशाली सेक्टर-3 स्थित एक मॉल के बेसमेंट में स्पा सेंटर संचालित हो रहा था। पुलिस को सेंटर की आड़ में महिलाओं को बहला-फुसलाकर देह व्यापार का काम कराए जाने की जानकारी मिली थी। गुरुवार रात को सीओ इंदिरापुरम अभय कुमार मिश्रा व अपर नगर मजिस्ट्रेट द्वितीय निखिल चक्रवर्ती ने टीम के साथ मिलकर मॉल पहुंचे। उन्होंने मॉल के बेसमेंट में चल रहे स्पा सेंटर में छापा मारा। पुलिस को देखकर मौके पर भगदड़ मच गई। इस दौरान टीम को सेंटर के रिसेप्शन पर युवती व युवक बैठे मिले, जबकि सोफे पर एक युवती सहित तीन लोग मिले और सेंटर के अंदर दो कमरे बंद थे। कमरों को खुलवाने पर दो जोड़े आपत्तिजनक स्थिति में मिले। पुलिस को मौके से 13 हजार रुपये की नकदी सहित कई मोबाइल भी मिले।

पुलिस द्वारा पकड़े गए सभी लोगों से सख्ती से पूछताछ की गई। कौशांबी थाना प्रभारी सचिन मलिक ने बताया कि युवतियों ने बताया कि उनके पास रोजी-रोटी का कोई जरिया नहीं है। कुछ दिनों पहले उनकी मुलाकात रिसेप्शन पर बैठी संचालिका से हुई थी।

उन्हीं के माध्यम से ही सभी सेंटर पर पहुंची थी। उसने उन्हें अधिक पैसे कमाने का लालच दिया था। उसके झांसे में आकर वो भी देह व्यापार के गंदे धंधे में शामिल हो गईं। पुलिस ने दिल्ली निवासी नितिन, राशिद व गाजियाबाद निवासी अजय, कुनाल, अंकित साहित चारों युवतियों के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

सेंटर की वीडियो मिलने पर चला पता

पुलिस अधिकारियों को एक सेंटर की अश्लील वीडियो मिली थी। वीडियो वैशाली सेक्टर-3 स्थित एक मॉल के बेसमेंट में चल रहे स्पा सेंटर के होने की बात सामने आई थी। वीडियो के मिलने पर ही सेंटर में अनैतिक देह व्यापार होने का पुलिस को पता चला था।

जब इसको लेकर छापा मारा गया तो देह व्यापार का भंडाफोड़ हो गया। चर्चा है कि यह स्पा सेंटर काफी समय से चल रहा था और अब तक पुलिस को इसकी भनक नहीं लग सकी थी। इसी का फायदा स्पा सेंटर संचालक उठा रहा था। वॉट्सऐप पर लड़कियों के फोटो भेजकर भी ग्राहकों को बुलाया जाता था। सेंटर मॉल में होने के चलते ग्राहक आसानी से यहां पहुंच जाते थे।

स्पा सेंटर का संचालक अभी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ा सका है। पुलिस के मुताबिक, स्पा सेंटर रुद्रा नाम से चल रहा था। इसका संचालक राजकुमार मौके से भागने में कामयाब रहा। आरोपी संचालक की तलाश में पुलिस टीम लगी हुई है।

सीओ (इंदिरापुरम) अभय कुमार मिश्रा ने बताया कि मॉल के बेसमेंट स्थित स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे अनैतिक देह व्यापार का भंडाफोड़ किया गया है।

टीम ने मौके से चार महिलाओं सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी संचालक की तलाश में टीम को लगाया गया है। किसी भी हाल में अनैतिक रूप से देह व्यापार कराने वाले स्पा सेंटरों का संचालन होना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आगे भी छापामार कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा में एक महीने के लिए बढ़ाई गई धारा 144

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले में धारा 144 एक महीने के लिए और बढ़ा दी गई है। गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से शुक्रवार को इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं।

उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले में आगामी रमजान, रामनवमी, अम्बेडकर जयंती, गुड फ्राइडे, ईस्टर, हाई स्कूल/इंटर की परीक्षा और सामान्य विधान परिषद चुनाव 2022 आदि की तिथियों को देखते हुए जिले में 1 से 30 अप्रैल तक धारा 144 सीआरपीसी लागू रहेगी। नोएडा पुलिस ने समस्त क्षेत्रवासियों से शांति-व्यवस्था और सौहार्द बनाए रखने की अपील की है।

पुलिस की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि मास्क की अनिवार्यता तथा कोविड-19 प्रोटोकॉल के बिना सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार की गतिविधि की अनुमति नहीं होगी।

इसके साथ ही कोई भी व्यक्ति बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के अनशन, धरना-प्रदर्शन आदि नहीं करेगा और ना ही ऐसा करने के लिए किसी को प्रेरित करेगा और ना ही ऐसे किसी कार्यक्रम में सम्मिलित होगा। कोई भी व्यक्ति बिना अनुमति के किसी प्रकार का जुलूस भी नहीं निकालेगा।

कोई भी व्यक्ति लाठी-डंडा, बल्लम, स्टिक अथवा किसी प्रकार का घातक हथियार व आग्नेयास्त्र लेकर नहीं चलेगा। केवल पुलिस व प्रशासनिक कार्य में कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। नेत्रहीनों और दिव्यांगों पर लाठी-डंडे का प्रतिबंध लागू नहीं होगा। जनपद के संपूर्ण क्षेत्र के समस्त सरकारी और गैर सरकारी दफ्तरों में कोई भी शस्त्र लाइसेंसी आग्नेयास्त्र सहित कार्यालय परिसर में प्रवेश नहीं करेगा। यदि किसी व्यक्ति के पास सरकारी नगर सुविधा उपलब्ध है तो वे अपने सुरक्षा कर्मियों को कार्यालयों के अंदर नहीं ले जाएंगे।

केजरीवाल के आवास पर उपद्रव : दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- उग्र भीड़ ने कानून हाथ में लेकर डर पैदा करने की कोशिश की

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर कथित उपद्रव और तोड़फोड़ की घटना की जांच एसआईटी से कराने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि उग्र भीड़ ने डर पैदा करने की कोशिश की और वहां तैनात पुलिस बल अपर्याप्त था। हाईकोर्ट ने उपद्रव और तोड़फोड़ के बारे में दिल्ली पुलिस से स्टेटस रिपोर्ट तलब करते हुए यह टिप्पणी की है।

कार्यवाह मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायाधीश नवीन चावला की बेंच ने पुलिस को सीलबंद लिफाफे में दो सप्ताह के भीतर स्टेटस रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। बेंच ने कहा कि घटना की वीडियो देखा है, इससे साफ पता चलता है कि कुछ लोगों ने कानून अपने हाथ में ले लिया और डर का माहौल बनाने की कोशिश की। बेंच ने कहा कि भीड़ ने बूम बैरियर तोड़ा, यहां तक की गेट पर चढ़ गए। यह स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री आवास पर पुलिस बल की संख्या पर्याप्त नहीं थी, पुलिस ने रोकने की कोशिश की, लेकिन उनकी (उपद्रवियों की) संख्या काफी अधिक थी। साथ ही कहा कि ऐसे में आपको (पुलिस) ये बताना होगा कि वहां सुरक्षा के क्या बंदोबस्त थे। इतना ही नहीं, न्यायालय ने कहा कि आपको बताना होगा कि इस घटना के घटने के बारे में आपके पास क्या सूचना थी

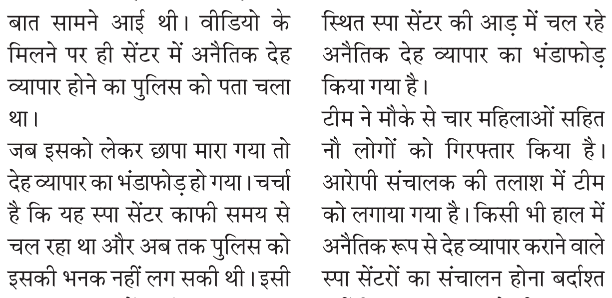

क्योंकि हमें इन सभी पहलुओं को देखना होगा।

हाईकोर्ट ने आप विधायक सौरभ भारद्वाज की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। याचिका में घटना की समय सीमा के भीतर विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने की मांग की गई है। आप विधायक भारद्वाज ने न्यायालय में दाखिल याचिका में विरोध की आड़ में भाजपा युवा मोर्चा के लोगों पर मुख्यमंत्री आवास पर उपद्रव और तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया है। याचिका में कहा गया है कि मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर हुई यह घटना दिल्ली पुलिस की मौन मिलीभगत से की गई है। मामले की सुनवाई के दौरान पुलिस की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल संजय जैन ने बेंच को बताया कि पुलिस घटना को लेकर मुकदमा दर्ज कर चुकी है और इसकी जांच की जा रही है। जैन ने बेंच से कहा कि सुरक्षा चिंताओं को हल करने के लिए सभी कदम उठा रही है।

दिल्ली पुलिस की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) संजय जैन ने बेंच से कहा कि मुख्यमंत्री के आवास के साथ-साथ मुख्य सड़कों के आसपास लगे सीसीटीवी के फुटेज सहित अन्य साक्ष्य संरक्षित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि इन कैमरों के फुटेज खंगाले जाएंगे और मामले में समुचित कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री सचिवालय के साथ बैठक करेगी पुलिस

एएसजी संजय जैन ने बेंच के समक्ष याचिका 'सही नहीं' होने का दावा करते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस मुख्यमंत्री सचिवालय के साथ बैठक करेगी।

पुलिस ने कहा कि हमें नहीं मालूम कि क्या उन्हें (मुख्यमंत्री) कोई आशंका है। बेंच को बताया गया कि गृह मंत्रालय और दिल्ली पुलिस की बैठक हुई है और मुख्यमंत्री सचिवालय के साथ बैठक के बाद मुख्यमंत्री के सुरक्षा खतरे का आंकलन किया जाएगा और समुचित कदम उठाया जाएगा।

संपादकीय

एनडीए ने एकजुटता की बदौलत पूर्वोत्तर भारत को कर दिया है 'कांग्रेस मुक्त'

पूर्वोत्तर भारत पूरी तरह कांग्रेस मुक्त होने की कगार पर है। एक तो पूर्वोत्तर के किसी भी राज्य में कांग्रेस की सरकार नहीं बची है और अब देश के संसदीय इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि संसद के उच्च सदन राज्यसभा में पूर्वोत्तर क्षेत्र से कांग्रेस का कोई सांसद नहीं है। पूर्वोत्तर के तीन राज्यों की चार राज्यसभा सीटों पर हुए चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने जीत हासिल करके कांग्रेस को तगड़ा झटका दिया है। असम में कांग्रेस विधायकों की क्रॉस वोटिंग और विपक्ष गठबंधन में बिखराव से एनडीए ने राज्यसभा की दोनों सीटें जीत लीं तो त्रिपुरा में भी भाजपा को शानदार जीत हासिल हुई। इसके साथ ही नगालैंड में तो भाजपा उम्मीदवार का निर्विरोध निर्वाचन हो गया। नगालैंड में भाजपा की एस फांगनोन कोन्याक ने नया राजनीतिक इतिहास रच दिया है क्योंकि वह राज्यसभा के लिए चुनी जाने वाली राज्य की पहली महिला बन गयी हैं।

असम की बात करें तो वहां सत्तारुढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के दो उम्मीदवार भारतीय जनता पार्टी के पबित्र मार्गरीटा और यूपीपीएल के रंग्रा नरजारी राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं जबकि कांग्रेस प्रत्याशी और निर्वतमान सांसद रिपुन बोरा विपक्षी सदस्यों द्वारा दूसरे उम्मीदवार के पक्ष में वोट करने के कारण चुनाव हार गए। भाजपा प्रत्याशी पबित्र मार्गरीटा को 46 मत मिले जबकि रंग्रा नरजारी को 44 और रिपुन बोरा को 35 वोट मिले। पबित्र मार्गरीटा की जीत तय मानी जा रही थी लेकिन रंग्रा नरजारी की जीत कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है। रिपुन बोरा संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार होने के बावजूद हार गये जो दर्शाता है कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के आगे विपक्ष की एक नहीं चल पा रही है। हम आपको बता दें कि असम विधानसभा के सभी 126 विधायकों ने मतदान किया और एक मत अमान्य पाया गया।

असम विधानसभा की दलीय स्थिति पर नजर डालें तो सत्तारुढ़ एनडीए के पास 79 सीटें हैं, जिनमें से भाजपा के पास 63, एजीपी के पास नौ और यूपीपीएल के पास सात सीटें हैं। सदन में विपक्षी सदस्यों की संख्या 47 है, जिनमें से कांग्रेस के 27, एआईयूडीएफ के 15, बीपीएफ के तीन और माकपा का एक सदस्य है जबकि तीन विधायक निर्दलीय हैं। विपक्षी बीपीएफ ने राज्यसभा चुनाव में एनडीए को समर्थन की घोषणा कर दी थी हालांकि उसका अभी तक औपचारिक रूप से एनडीए के साथ राजनीतिक गठबंधन नहीं हुआ है। विपक्षी दलों ने पहले घोषणा की थी कि वे सर्वसम्मति से कांग्रेस उम्मीदवार का समर्थन करेंगे लेकिन रिपुन बोरा को 35 मत मिलने से संकेत मिलता है कि विपक्ष के सात विधायकों ने एनडीए उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान किया है।

इस बीच खबर है कि कांग्रेस के दो विधायकों शशिकांत दास और शर्मन अली अहमद को पार्टी से निलंबित कर दिया गया है। शशिकांत दास ने पहले ही ऐलान कर दिया था कि वह एनडीए उम्मीदवारों के लिए मतदान करेंगे। इसके साथ ही कांग्रेस ने करीमगंज (दक्षिण) से विधायक सिद्दीकी अहमद को ''पार्टी के मुख्य सचेतक वाजिद अली चौधरी द्वारा जारी तीन लाइन के व्हिप की जानबूझकर अवज्ञा'' करने के लिए तत्काल प्रभाव से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया। पार्टी ने कहा कि सिद्दीकी अहमद ने वोट करते वक्त जानबूझकर अंक के बजाय शब्द में लिखा जिससे उनका वोट अमान्य घोषित कर दिया गया।

हम आपको बता दें कि राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान बृहस्पतिवार को हुआ और मतगणना शाम पांच बजे शुरू हो गयी थी लेकिन पांच विधायकों के खिलाफ कांग्रेस की शिकायतों के कारण इसमें देरी हुई। मतगणना आखिरकार रात साढ़े 10 बजे शुरू हुई और देर रात तक चलती रही। मतगणना के दौरान सभी प्रत्याशी और उनके एजेंट मौजूद रहे। चुनाव परिणाम के बाद मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि विजयी उम्मीदवारों को विपक्ष के ''विवेकपूर्ण मत'' मिले हैं। उन्होंने पहले ही एआईयूडीएफ को छोड़कर विपक्षी दलों से सत्तारुढ़ गठबंधन के उम्मीदवारों के लिए वोट देने की अपील की थी। उन्होंने कहा, ''असम ने एनडीए के दो उम्मीदवारों को निर्वाचित कर एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताया है।

भव्य समारोह से भाजपा ने कई लक्ष्य साथे

अवधेश कुमार

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में योगी आदित्यनाथ और उनके मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह को जैसी असाधारण भव्यता प्रदान की गई वह यूं ही नहीं थी। पिछले कुछ वर्षों में अलग-अलग पार्टियां शपथ ग्रहण समारोह को भव्य स्वरूप प्रदान करने की कोशिश करती हैं। प्रभावी संख्या में जनता की उपस्थिति भी हम लोग देखते रहे हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व पंजाब में भगवंत मान के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह इसका प्रमाण है। अरविंद केजरीवाल स्वयं कार्यक्रम और मंच प्रबंधन के माहिर नेता हैं । भगत सिंह के पैतृक गांव में आयोजित समारोह को उत्सव का रूप दिया गया और दिल्ली का पूरा मंत्रिमंडल, सारे विधायकों एवं अन्य नेताओं के साथ प्रदेश भर के कार्यकर्ता समर्थक भारी संख्या में उपस्थित रहे। लेकिन योगी आदित्यनाथ के शपथ ग्रहण समारोह की व्यापकता, भव्यता और प्रभाविता के समक्ष यह कहीं नहीं ठहरता। वास्तव में अभी तक हुए मुख्यमंत्रियों के सारे शपथ ग्रहण समारोहों को याद करें तो लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेई स्टेडियम का कार्यक्रम सबको काफी पीछे छोड़ गया। यह प्रश्न उठाया जा सकता है कि आखिर किसी मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह को इतना बड़ा स्वरूप प्रदान करने की आवश्यकता क्यों हुई? इसे फिजूलखर्ची मानने वालों की भी संख्या होगी। लेकिन भाजपा नेतृत्व ने ऐसा किया तो इसके इसके पीछे निश्चित कारण होंगे। तो क्या हो सकते हैं वे कारण?

ध्यान रखिए, विभिन्न क्षेत्रों के वे लोग, जिनके चेहरे जाने पहचाने हैं या जो जनता को किसी न किसी रूप में प्रभावित करते या कर सकते हैं, जिनके नाम, समुदाय या वर्ग से कुछ निश्चित संदेश निकलते हों उनमें से काफी लोग वहां उपस्थित थे। अभिनेता, गायक, संगीतकार, खिलाड़ी, एक्टिविस्ट, संस्कृतिकर्मी आदि तो थे ही, पहली बार इतनी संख्या में उद्योगपति कारोबारी तथा साधु-संत उपस्थित थे। कह सकते हैं कि साधु-संत भाजपा की पहचान रहे हैं लेकिन इतने ज्यादा लोगों को इसके पहले किसी शपथ ग्रहण समारोह में नहीं बुलाया गया था। उद्योगपतियों एवं कारोबारियों में तो वे ही शपथ ग्रहण में बुलाए जाते रहे जिनके व्यक्तिगत संबंध हो। इस मायने में योगी आदित्यनाथ का शपथ ग्रहण समारोह बिल्कुल अलग माना जाएगा। जाहिर है, संख्या के साथ व्यक्तित्व एवं उनके कार्यों ,पेशे और विधाओं से भी स्पष्ट संदेश देने की रणनीति अपनाई गई।

वास्तव में पिछले वर्ष पश्चिम बंगाल में अपेक्षित सफलता न मिलने के बाद से विरोधियों ने ऐसा माहौल बनाने की कोशिश की मानो अब भाजपा के सत्ता में रहने के दिन पूरे हो गए। ममता बनर्जी की तरह दूसरी पार्टियों ने भी अगर ठीक रणनीति बनाकर आप पर आक्रामक तरीके से चुनाव लड़ा तो भाजपा को पराजित किया जा सकता है। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता एवं प्रशासन द्वारा संघ भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के विरुद्ध हिंसा से पार्टी के मनोविज्ञान पर नकारात्मक असर हुआ। साफ दिख रहा था कि भाजपा आक्रामक तरीके से उसका जवाब देने में सक्षम नहीं हो रही है। दूसरी ओर विरोधियों ने अगला लक्ष्य उत्तर प्रदेश को बनाया था। संपूर्ण भाजपा विरोधी मतों का समाजवादी पार्टी के पक्ष में ध्रुवीकरण की रणनीति अपनाई गई। राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा को प्रमुख चुनौती देने का दावा करने वाली ममता बनर्जी तक भी 2 दिनोंके लिए वहां पहुंच गई। ऐसी कोई विर नहीं जिन्होंने उत्तर प्रदेश चुनाव में भाजपा के पराजय की भविष्यवाणी न की। आरंभ में चुनाव में आगे दिख रही पार्टी के बारे में मीडिया से आ रही खबरें बता रही थी कि धीरे-धीरे चुनाव कठिन संघर्ष में परिणत होता जा रहा था।

कौन लोकतंत्र को जीवंतता एवं भ्रष्टाचार मुक्ति देगा

ललित गर्ग

राष्ट्र में अन्याय, शोषण, भ्रष्टाचार, अनाचार और राजनीतिक अराजकता के विरुद्ध समय-समय पर क्रांतियां होती रही हैं। लेकिन उनका साधन और उद्देश्य शुद्ध न रहने से उनका दीर्घकालिक परिणाम संदिग्ध रहा है। यही कारण है कि लोकतंत्र को जीवंतता देने की बात हो या भ्रष्टाचार मुक्ति का आह्वान, असरकारक नहीं हो पा रहे हैं। सत्ता और संपदा के शीर्ष पर बैठकर यदि जनतंत्र के आदर्शों को भुला दिया जाता है तो वहां लोकतंत्र के आदर्शों की रक्षा नहीं हो सकती। पश्चिम बंगाल विधानसभा में सत्ता पक्ष और विपक्षी नेताओं के बीच हाथापाई इसी का नतीजा थी। पिछले दिनों वहां के रामपुरहाट में हुई हिंसा में आठ लोग जल कर मर गए। उसी के विरोध में विपक्षी दलों ने सदन में जवाब मांगा, तो सत्तापक्ष के नेता हिंसक हो उठे। उस घटना से सबक नहीं लिया गया और दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के हंगामा करने पर उसके नेताओं को सुरक्षाकर्मियों के जरिए धकिया कर बाहर कर दिया गया। यही हाल दिल्ली नगर निगम की बैठक में भी रहा। वहां सत्तापक्ष और विपक्ष के पार्षद इस कदर गुत्थम-गुत्था हुए कि एक दूसरे के कपड़े तक फाड़ डाले। जनतंत्र की खूबसूरती यही है कि उसमें सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों मिल कर नीतिगत फैसले करते हैं। अगर विपक्ष न हो तो सत्तापक्ष को निरंकुश होते देर नहीं लगती। मगर इस तकाजे को शायद आज के राजनेता भुला चुके हैं, इसी से लोकतंत्र दिनोंदिन कमजोर एवं निस्तेज होता जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भ्रष्टाचारमुक्त शासन की भी धज्जियां बार-बार उड़ती रहती है। हाल ही में उत्तर प्रदेश में बारहवीं कक्षा की परीक्षा में कई जगहों पर प्रश्न-पत्र गलत तरीके से बाहर आने की घटना से फिर यही साबित हुआ है कि भ्रष्टाचार शासन-प्रशासन की जड़ों में आज भी गहरा पेठा है। बार-बार ऐसी गड़बड़ियों एवं भ्रष्टाचार के बावजूद सरकार इसे लेकर शायद ज्यादा फिक्रमंद नहीं है। बुधवार को अंग्रेजी विषय की परीक्षा होनी थी, मगर उससे दो घंटे पहले ही यह खबर सामने आई कि प्रश्न-पत्र बाहर कुछ लोगों के हाथ लग गया है और वे उसका उत्तर तैयार करा रहे हैं। लेकिन यह राजनीतिक दुर्बलता एवं प्रशासनिक लापरवाही ही कही जायेगी जिसमें ऐसे संकेतों को नजरअंदाज करने से भ्रष्टाचार पलता है। इन स्थितियों में लोकतंत्र के चारों स्तंभ ध्वस्त दिखायी दे रहे हैं, उनकी पवित्रता नष्ट हो चुकी है। सरकार जनता की समस्याओं को न समझने का प्रयास कर रही है और न निराकरण करने का प्रयास कर रही है। हमें जीवन को तो सदैव तरोताज़ा रखना है। चाहे राष्ट्रीय जीवन हो चाहे सामाजिक जीवन हो। इसके लिये जरूरी है भ्रष्टाचारमुक्ति का संकल्प आकार लेते हुए दिखें एवं विधायी सदनों में लोकतंत्र को शुद्ध सांसें मिले।

जब-जब भी अहंकारी, स्वार्थी एवं भ्रष्टाचारी उभरे, कोई न कोई नरेन्द्र मोदी सीना तानकर खड़ा होता रहा। तभी खुलेपन और नवनिर्माण की वापसी होती दिख रही है, तभी सुधार और सरलीकरण की प्रक्रिया चल रही है। इसी से लोकतंत्र सुरक्षित रह पायेगा। तभी लोक जीवन भयमुक्त होगा। संसद एवं विधानसभाएं अपना कर्तव्य ठीक से पूरा करे, जिन जनप्रतिनिधियों को जनता के हितों की रक्षा के लिए संसद में भेजा गया है वे अपने उन कार्यों और कर्त्तव्यों में ईमानदारी, पवित्रता एवं पारदर्शिता रखें तो किसी भी जन आंदोलन की जरूरत नहीं होगी। इस आजाद देश की सरकारों ने जनता को अन्याय, शोषण और भ्रष्टाचार के दंश के सिवाय और दिया ही क्या है। लेकिन जब इसकी अति होती है तो जनता सरकारों को सूखे पत्तों की तरह उड़ाते हुए भी देर नहीं लगाती। जैसा कि कांग्रेस पार्टी का हाल देखकर अनुमान लगाया जा सकता है। लेकिन एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए इन स्थितियों का आना त्रासदीपूर्ण है। तंत्र के शीर्ष पर जो व्यक्ति बैठता है उसकी दृष्टि जन पर होनी चाहिए तंत्र या पार्टी पर नहीं। आज जन पीछे छूट गया और तंत्र आगे आ गया है। इसी कारण जनता को सड़कों पर आना पड़ता रहा है, कांग्रेस जैसी पार्टी का आईना दिखाना पड़ता है। मेरी दृष्टि में वही लोकतंत्र सफल होता है जिसमें आत्मतंत्र का विकास हो, अन्यथा जनतंत्र में भी एकाधिपत्य, अव्यवस्था और अराजकता की स्थितियां उभर सकती हैं। पिछले कुछ सालों में अक्सर सत्ता पक्ष की कोशिश देखी जाती है कि वह विपक्ष को धकिया कर अपने फैसले लागू करा दे। इसी के चलते संसद से लेकर तमाम विधानसभाओं में संघर्ष और विरोध प्रदर्शन की नौबत आए दिन आ जाती है। अब तो स्थिति यह है कि सत्तापक्ष अगर सदन में बहुमत में है तो उसके नेता विपक्षियों को बलपूर्वक और हिंसक तरीके से रोकने का प्रयास करते हैं। वे अपने किसी गलत कदम के विरोध में विपक्ष की बात सुनने को तैयार नहीं होते। हालांकि कुछ मौकों पर पहले भी जनप्रतिनिधियों ने सदन में हिंसक व्यवहार किया है। उत्तर प्रदेश विधानसभा में एक-दूसरे पर माइक और कुर्सियां फेंकने का दृश्य आज भी लोगों की जेहन में बना हुआ है। जम्मू-कश्मीर, बिहार आदि विधानसभाओं में भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। मगर पश्चिम बंगाल और दिल्ली की घटनाओं ने एक बार फिर रेखांकित किया है कि क्या अब लोकतंत्र में विपक्ष की जगह खत्म करने की प्रवृत्ति विकसित हो रही है। क्या राजनीति में अब हिंसा के जरिए अपनी बात मनवाने का पर यकीन बढ़ रहा है। क्या अब तर्कपूर्ण और शालीन तरीके से बात कहने के दिन खत्म हो रहे हैं। किसी आरोप या असहमति का जवाब अब मारपीट से ही दिया जाएगा।

जन-प्रतिनिधियों के अशिष्ट एवं भ्रष्ट व्यवहार का ही परिणाम है कि प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अफसोसनाक यह है कि अक्सर सामने आने वाली ऐसी घटनाएं सामान्य होती जा रही हैं। पिछले साल भी शिक्षक पात्रता परीक्षा का पर्चा लीक हो गया था, जिस पर हंगामा मचने के बाद परीक्षा नियामक प्राधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। तब यह बात सामने आई थी कि पर्चा प्रिंटिंग प्रेस से ही लीक हुआ था। ताजा घटना को देखें तो हर जगह सीसीटीवी कैमरे, केंद्रों पर पुलिस बल की तैनाती और चौबीस घंटे निगरानी की चौकस व्यवस्था के बावजूद परीक्षा का पर्चा लीक हो गया। स्वाभाविक ही इसमें कई स्तरों पर कर्मचारियों और अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है।

पैरों के नीचे से फट्टा खींचने का अभिनय तो सब करते हैं पर खींचता कोई भी नहीं। रणनीति में सभी अपने को चाणक्य बताने का प्रयास करते हैं पर चन्द्रगुप्त किसी के पास नहीं है। भ्रष्टाचार के लिए हल्ला उनके लिए राजनैतिक मुद्दा होता है, कोई नैतिक आग्रह नहीं। कारण अपने गिरेबार में तो सभी झांकते हैं वहां सभी को अपनी कमीज दागी नजर नहीं आती है, फिर भला भ्रष्टाचार से कौन निजात दिरायेगा? कैसी विडम्बना है कि आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए भी हम अपने आचरण और काबिलीयत को एक स्तर तक भी नहीं उठा सके, कहां है काबिलीयत और चरित्र वाले राजनायक हैं जो भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था निर्माण के लिये संघर्षरत दिखें।

यदि हमारे प्रतिनिधि ईमानदारी से नहीं सोचेंगे और आचरण नहीं करेंगे तो इस राष्ट्र की आम जनता सही और गलत, नैतिक और अनैतिक के बीच अन्तर करने के लिये सडकों उतरना ही होगा और उससे उत्पन्न स्थिति के लिये कौन जिम्मेदार होगा? आम-जन को लम्बे समय तक कुंद करके राजनीति नहीं की जा सकती। अत: भ्रष्टाचार की समस्या एवं लोकतंत्र की जीवंतता पर गहराई से चिन्तन होना ही चाहिए और इसकी जड़ सत्ता का अहंकार, सत्ता लोलुपता, महंगाई, बेरोजगारी एवं बढ़ती आबादी पर सार्थक चिन्तन करके ही इन समस्याओं का वास्तविक समाधान पाया जा सकता है।

सपा को मिले मुस्लिमों के समर्थन से परेशान मायावती ने चला बड़ा दांव

अजय कुमार

विधानसभा चुनाव में चारों खाने चित हो जाने के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती के होश ठिकाने आ गए हैं। वह एक बार फिर बसपा में जान फूंकने के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। विधानसभा चुनाव के समय समाजवादी पार्टी द्वारा मुसलमानों के बीच बसपा को लेकर जो भ्रम पैदा किया गया था उसकी वजह से बसपा की तरफ से मुसलमानों ने मुंह मोड़ लिया था। सपा ने बसपा को बीजेपी की बी टीम बता कर उस पर कुठाराघात किया था। सपा के इसी भ्रम जाल को तोड़ने और बसपा का दलित-मुस्लिम गठजोड़ मजबूत करने के लिए बसपा सुप्रीमो मायावती ने आजमगढ़ को अपनी नई प्रयोगशाला बनाया है। आजमगढ़ से अखिलेश यादव सांसद थे, लेकिन उत्तर प्रदेश में सपा को मजबूती प्रदान करने के लिए अखिलेश ने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था और विधायक बनकर उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बन गए हैं ताकि योगी सरकार को कायदे से घेरा जा सके।

अखिलेश की नजर 2024 के लोकसभा चुनाव पर भी है लेकिन बसपा उसके सामने नई चुनौतियां खड़ी करना चाह रही है। इसीलिए बसपा सुप्रीमो मायावती ने आजमगढ़ लोकसभा सीट के लिए एक मुस्लिम प्रत्याशी को उम्मीदवार बनाकर समाजवादी पार्टी के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। मायावती के इस प्रयोग ने असर दिखाया तो एक बार फिर से पूर्वांचल की सियासी तस्वीर बदल सकती है। गौरतलब हो कि पूर्वांचल की कई लोकसभा सीटों पर दलित और मुस्लिम निर्णायक भूमिका में रहते हैं।

बहरहाल, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के आजमगढ़ संसदीय क्षेत्र से इस्तीफा देने के बाद यहां उपचुनाव होना है। वहां उम्मीदवार स्थानीय होगा या सैफई परिवार का, इस पर चर्चा चल रही है। कयास यह भी लग रहे हैं कि डिंपल यादव यहां से चुनाव लड़ सकती हैं। इसी सियासी दांवपेच के बीच बसपा ने न सिर्फ मुबारकपुर से विधायक रहे गुड्डू जमाली की पार्टी में वापसी कराई है बल्कि उन्हें लोकसभा उपचुनाव के लिए प्रत्याशी भी घोषित कर दिया है। इसे बसपा की भविष्य की सियासी रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।

आजमगढ़ उप-चुनाव में यदि बसपा प्रत्याशी अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भी बसपा इसी रणनीति को आगे बढ़ाएगी, जिससे सपा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

क्योंकि सपा का मूल वोटबैंक भी मुस्लिम है। मायावती इधर लगातार मुसलमानों से कह भी रही हैं कि उन्होंने सपा को वोट देकर गलत फैसला किया है।

बसपा की ओर से एक बार फिर मुस्लिम कार्ड खेलने से समाजवादी पार्टी परेशानी में नजर आ रही है। बात आजमगढ़ लोकसभा क्षेत्र की कि जाए तो क्षेत्र में करीब 19 लाख मतदाता हैं। इसमें करीब साढ़े तीन लाख यादव और मुस्लिम व दलित तीन-तीन लाख हैं। इसीलिए मुसलमान वोटर जिस पार्टी की तरफ झुक जाते हैं, उसका पलड़ा भारी हो जाता है। आजमगढ़ में दलितों में बसपा का मूल वोट बैंक माने जाने वाले जाटवों की संख्या अधिक है। ऐसे में बसपा की रणनीति है कि मुस्लिम व दलित एकजुट होकर सपा के सियासी रथ को रोक दें। इसके लिए गुड्डू जमाली फिट बैठते हैं। गुड्डू जमाली बसपा के टिकट पर वर्ष 2012 व 2017 में विधायक रहे हैं।

पर, विधानसभा चुनाव से ठीक पहले वह बसपा से नाता तोड़कर सपा में चले गए थे लेकिन सपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया।

ऐसे में वह असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के टिकट पर चुनाव में उतरे और 37 हजार वोट हासिल करने में कामयाब रहे। बसपा ने जमाली की वापसी कर मुस्लिमों का हमदर्द होने का संदेश दिया है।

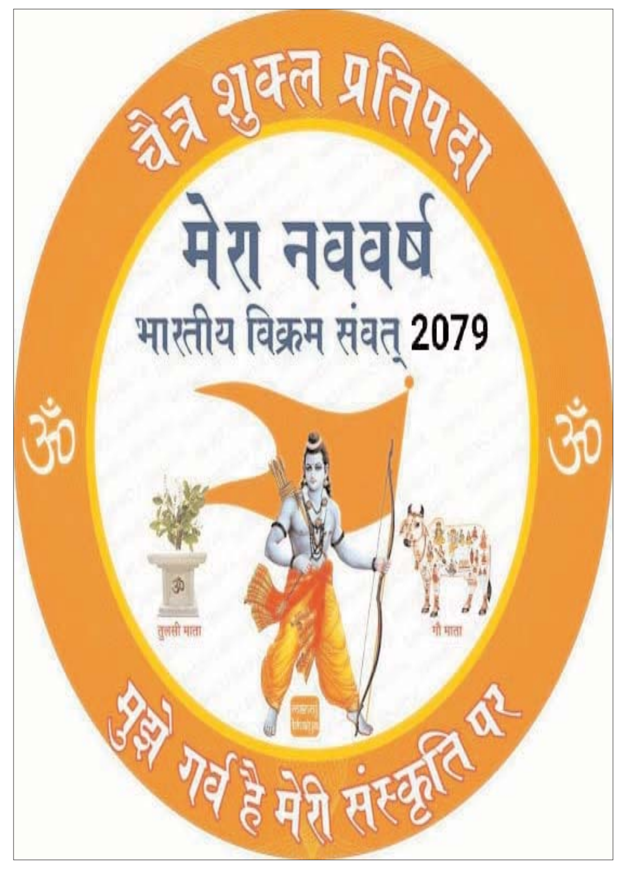

भ्रष्टाचार मुक्त विकासोन्मुखी भारत पर मंथन

भ्रष्टाचार - पैसा बहुत कुछ तो है पर सब कुछ नहीं

जीवन को जीवन्त बनाएं - जो पद आपको पवित्र रोजी-रोटी देता है उसे भ्रष्टाचार से अपवित्र होने से बचाएं, इमानदारी अपनाएं - एड किशन भावनानी

गोंदिया - कुदरत द्वारा रचित इस अनमोल खूबसूरत धरा पर सबसे बुद्धिजीवी प्राणी मानवीय जीव है जिसकी रचना जब हुई होगी तो किसी ने भी नहीं सोचा होगा कि इस मानवीय प्राणी द्वारा अपनी बौद्धिक कुशलता, क्षमता का इस हद तक आधुनिक विकास होगा। विकास तो चलो ठीक है मानवीय जीवन सहज, सरल बनाने में अभूतपूर्व सहयोगी सिद्ध हुआ है परंतु उसके साथ जो भ्रष्टाचार रूपी विषैली महामारी मानवीय स्वभाव का एक अंग बन जाएगी शायद इसकी भी किसी को कल्पना नहीं रही होगी।

हालांकि सभी मानवीय जीव इसमें शामिल है ऐसा कहना गलत होगा, परंतु सिस्टम में अनेक जीव हैं, जो घड़े में एक ख़राब आम की तरह है तो पूरे घड़े के आमों को खराब कर देता है वाली कहावत यहां अप्लाई होती है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार की करें तो यह एक ऐसे जंगली फ़ल है की तरह है जो खाने में तो बहुत मीठा लगता है, जिससे उत्साहित होकर मानवीय जीव खा लेता है परंतु उसके स्वास्थ्य पर परिणाम के रूप में जब वह फल असर दिखाना शुरू करता है, तो जीवन दुखदाई होने के साथ जमा पूंजी जीरो भी हो जाती है। उसी तरह भ्रष्टाचार के रूप में लिया गया पैसा बहुत कुछ तो है परंतु सब कुछ नहीं!!! यह उसी मीठे जंगली फ़ल की तरह है!!! भ्रष्टाचार लेते समय सब मीठा मीठा लगता है जब वह पैसा अपना कुटिल रूप बीमारी, दुखों, अपवित्र जीवन के रूप में दिखाता है तो पुत्र-पुत्री, पत्नी इत्यादि रिश्तेदारों को बीमारी, आत्मदहन, दुखी घर संसार, भ्रष्टाचार के पोलिस कोर्ट केस, जेल, सजा, परिवार की तबाही के रूप में ऐसी सुनामी उनके परिवार में आती है तब उनको अपनी अपवित्र कमाई का समय याद आता है!!!

साथियों बात अगर हम हाल ही में मीडिया में वायरल एक बहुत बड़े और बहुत शारीरिक वज़नी अधिकारी की करें तो कोर्ट की पहली मंजिल पर पेशी के लिए बैठे इस अधिकारी को यथार्थ बोध का परिचय करा रही थी क्योंकि वह घोटाले का दोषी सिद्ध हुआ है।वउसका जीवन ऐसे बीत कि माता पिता नहीं रहे, दो शादियां की दोनों ने छोड़ दिया, कोई औलाद ना हुई, गोद लिए बच्चे ने भी शादी के बाद उनको छोड़ दिया और घर में कुछ जानवर बंदर कुत्ते पाल रखे थे उनके साथ जीवन व्यतीत हो रहा था कि कोर्ट के आदेश पर दोषी सिद्ध हुए और अब बाकी समय जेल की सलाखों के पीछे कटेगा यह अपवित्र भ्रष्टाचार की कमाई का नजारा और नतीजा सत्यता है।

साथियों बात अगर हम अपने पद की गरिमा की करें तो पद आप को पवित्र रोजी-रोटी देता है उसके प्रति आप भी अपनी जवाबदेही, कर्तव्यनिष्ठा को निभाएं। भ्रष्टाचार लेकर अपवित्र ना करें जीवन को जीवंत बनाए क्योंकि यह भ्रष्टाचार रूपी विष हमारे और हमारे परिवार के रगों में जाता है और एक दिन ज़रूर आता है जब यह भ्रष्टाचार रूपी विष अपने खेल ज़रूर दिखाता है फिर दु:खी परिवार, आत्महत्या, बीमारी, जेल, दुखी जीवन, भयंकर त्रासदी काल पल उनके जीवन में आते हैं जो भ्रष्टाचार रूपी विष का नतीजा है जो कि आता ही है हिसाब किताब इसी जीवन में पूर्ण करके ही जाना पड़ता है जो इस धरा का नियम भी है!!!

साथियों बात अगर हम ईमानदारी की करें तो ऐसा भी है कि पदों पर कट्टर ईमानदार अधिकारी भी हैं जिनको अपने हित के सामने सबसे पहले राष्ट्रहित, राष्ट्र भावना, राष्ट्रवाद, अपने नियोक्ता के प्रति वफादारी झलकती है। बड़े बुजुर्ग कहते हैं कि नौकरी हमारी इज्जत, हमारी मां के समान है हमें रोजी-रोटी प्रदान करती है उसके साथ हमेशा वफादारी करनी चाहिए। उसी तरह यह ईमानदार अधिकारी भी समझते हैं और करते हैं उसके लिए पैसा सब कुछ नहीं इस धरातल पर अपना नाम रोशन कर जाते हैं उनका घर परिवार सुखी संपन्न रहता है यह प्रैक्टिकली सभी ने देखा होगा।

साथियों बात अगर हम अधिकारियों पर आयकर, ईडी, इत्यादि एजेंसियों की रेड की करें तो हमने प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में कई विभागों के अधिकारियों के यहां रेड में करोड़ों रुपए की जब्ती टीवी चैनलों पर देखते रहते हैं जो सरकार द्वारा उठाया गया सकारात्मक कदम और भ्रष्टाचारियों पर शिकंजा कसने की ओर अच्छा सख़्त कदम है।परंतु मेरा मानना है कि इस दिशा में कदम तेजी से बढ़ाना होगा और सबके यहां इसी तरह रेड ,गुप्त इंक्वायरी और बैंकों, रिश्तेदारों, शेयर, प्रॉपर्टी, प्लॉट्स, निजी विनियोग इत्यादि में किए गए विनियोग का पता लगाकर आय से अधिक संपत्ति को ज़ब्त कर सरकारी खजाने में जमा करना होगा जिससे भ्रष्टाचार पर बहुत हद तक नियंत्रण किया जा सकता है।

साथियों बात अगर भ्रष्टाचार बोध सूचकांक 2021 की करें तो हाल ही में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा यह जारी किया गया है जिसमें, भ्रष्टाचार अवधारणा सूचकांक (सीपीआई) 2021 में 180 देशों की सूची में भारत को 85 वां स्थान मिला है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की ओर से जारी एक रिपोर्ट के अनुसार पिछली बार के मुकाबले भारत की रैंकिंग में एक स्थान का सुधार हुआ है। हालांकि रिपोर्ट में देश की लोकतांत्रिक स्थिति पर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट में भारत के मामले को विशेष रूप से चिंताजनक बताते हुए कहा गया है कि पिछले एक दशक में देश का स्कोर स्थिर रहा है, लेकिन कुछ तंत्र जो भ्रष्टाचार रोकने में शासन को मदद कर सकते हैं, कमजोर हो रहे हैं। इससे देश की लोकतांत्रिक स्थिति को लेकर चिंता बढ़ गई हैं, क्योंकि मौलिक स्वतंत्रता और संस्थागत नियंत्रण के बीच संतुलन बिगड़ रहा है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि दुनिया के अधिकतर देशों ने पिछले एक दशक में भ्रष्टाचार के स्तर को कम करने में बहुत कम या कोई प्रगति नहीं की है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया है कि कोविड-19 वैश्विक महामारी ने स्थिति को खराब कर दिया है। न केवल प्रणालीगत भ्रष्टाचार और कमजोर संस्थानों वाले देशों में, बल्कि स्थापित लोकतांत्रिक देशों में अधिकारों और नियंत्रण एवं संतुलन की व्यवस्था को तेजी से कमजोर किया जा रहा है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भ्रष्टाचार मुक्त विकासोन्मुखी भारत पर मंथन। भ्रष्टाचार- पैसा बहुत कुछ तो है पर सब कुछ नहीं। जीवन को जीवन्त बनाएं, जो पद आप को पवित्र रोजी-रोटी देता है उसे भ्रष्टाचार से अपवित्र होने से बचाएं, इमानदारी अपनाएं।

नहीं है इसका भान !

बढ़ा फिर प्रदूषण ।
नहीं है इसका भान ।।
पर बातें निरर्थक ।
रहीं हैं अब तक शान ।।
अपनी जिम्मेदारी से ।
रहे हैं शायद भाग ।।
खत्म ना होती दिखती ।
प्रदूषण वाली आग ।।
आया सब कुछ सामने ।
अब क्या रहे निहार ।।
पर जो बनना चाहिए ।
बना नहीं आधार ।।
बात नहीं बन पाई ।
झेल रहे हैं लोग ।।
समय का ठीक से ।
कब इधर उपयोग ?

कृष्णेन्द्र राय

शार्ट न्यूज

बस्ती में मारपीट की घटना में एक की मौत

बस्ती। उत्तर प्रदेश में बस्ती जिले के हर्रैया क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है तथा तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जिले के हर्रैया थाना क्षेत्र के अजगरा गांव में जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में अमरनाथ को गंभीर चोट लग गई जिससे उनकी मौत हो गई है तथा किरन, रामानंद और विनोद गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिनका इलाज चल रहा है मौके पर शांति व्यवस्था कायम करने के लिए पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है।

सुलतानपुर में सीओ की पत्नी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में तैनात पुलिस उपाधीक्षक की पत्नी की शुक्रवार को सरकारी आवास में संदिग्ध परिस्थितयों में मृत्यु को गयी। वह बीएमएस की छात्रा भी थी। पुलिस अधीक्षक डॉ विपिन कुमार मिश्रा ने बताया कि पुलिस उपाधीक्षक शिवम मिश्रा के आवास में उनकी पत्नी मोनिका पांडे (30) का शव पाया गया। उन्होने बताया कि दोनों ने विगत 7 दिसंबर 2021 को लखीमपुर खीरी में कोर्ट मैरिज किया था। प्रथम दृष्टया मृतका द्वारा पंखे से लटक कर आत्महत्या करना बताया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतिका मोनिका पांडे बीएमएस की छात्रा थी तथा लखनऊ के प्रबुद्ध मेडिकल कॉलेज से बीएमएस कर रही थी।

विदेश से जूते के सोल में छुपा कर लाया गया सोना पकड़ा गया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लखनऊ स्थित चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर कस्टम विभाग ने एक यात्री को दुबई से तस्करी कर लाये गये सोन के साथ पकड़ा है। विभाग की ओर से शुक्रवार को बताया गया कि कस्टम जांच के दौरान दुबई से आये एक यात्री के जूते के सोल में छुपाकर लाया गया सोना बरामद किया गया। सोने की मात्रा 295.500 ग्राम है जिसकी कीमत 15.66 लाख रुपये आंकी गयी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक हवाईअड्डे पर कल देर रात दुबई से आयी फ्लाइट 6ई-1088 से यहां पहुंचे यात्री की कस्टम जांच के दौरान यह सोना बरामद किया गया। इस मामले में कस्टम विभाग ने सुसंगत कानूनी प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरु कर दी है।

पूर्व मंत्री की फैक्ट्री से पांच करोड़ का अवैध मांस बरामद

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) नेता एवं पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी की बंद पड़ी मीट फैक्ट्री से पांच करोड़ रुपये का अवैध मांस बरामद किया गया है। इस मामले में पुलिस ने पूर्व मंत्री और उनके दो लड़कों समेत 14 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मेरठ हापुड़ रोड पर स्थित खरखौदा के अलीपुरा गांव में अल-फहीम मीटेक्स प्राइवेट लिमिटेड पर पुलिस और प्रशासन की एक टीम ने पशु वध की सूचना पर बुधवार देर रात छापा मारा था। छापे के दौरान पुलिस ने फैक्ट्री से 2460 क्विंटल मांस बरामद किया है। जिसकी कीमत करीब पांच करोड़ रुपये बताई गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रभाकर चौधरी ने बताया कि याकूब कुरैशी की सील फैक्टरी में मांस की पैकिंग का काम जारी था। उन्होंने कहा कि इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और सख्त कार्रवाई की जायेगी। एसडीएम सदर संदीप भागिया ने बताया कि अल फहीम मीटेक्स प्राइवेट लिमिटेड फैक्टरी मेरठ विकास प्राधिकरण (एमडीए) ने 2019 में सील की थी। फैक्टरी में 2460 क्विंटल मीट बरामद हुआ है और कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जा रही है। एमडीए उपाध्यक्ष मृदुल चौधरी ने बताया कि फैक्टरी में अन्य किसी भी तरह का कार्य संचालित न करने के लिए शपथ पत्र भी दिया गया था, जिसके बावजूद भी फैक्टरी में कार्य संचालित होता पाया गया।

कौशांबी में बस ट्रक में भिड़ंत,11 घायल

कौशांबी। उत्तर प्रदेश में कौशांबी जिले के चरवा क्षेत्र में शुक्रवार को ट्रक और रोडवेज बस की टक्कर में 11 यात्री घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रयागराज कानपुर राष्ट्रीय मार्ग पर आज सुबह कोइलाहा गांव के सामने रोडवेज की बस एवं ट्रक की भिड़ंत हो गयी। इस हादसे में बस चालक समेत 11 यात्री घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस सभी घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती करा दिया है। उन्होने बताया कि बस यात्रियों को लेकर कानपुर से प्रयागराज की ओर जा रही थी कि चरवा थाना क्षेत्र के कोइलाहा गांव के सामने सामने से आ रहे ट्रक से भिड़ गई। इस हादसे से राजमार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ हालांकि क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहनो को किनारे कर यातायात सुचारू बनाया गया।

लखनऊ नगर निगम ने तोड़े सभी रिकॉर्ड, वसूला करोड़ों रुपए टैक्स

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम ने गृह कर वसूली में इस बार पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इस बार सर्वाधिक 292.80 करोड़ रुपए के हाउस टैक्स की वसूली हुई है। टैक्स वसूली को लेकर नगर निगम ने बड़ा अभियान चलाया। नगर निगम ने हाउस टैक्स जमा करने के लिए एसएमएस अलर्ट, मोबाइल पर भुगतान लिंक सहित ई-बिल, पेटीएम एप एवं यूपीआई से भुगतान की सुविधाएं दी। नगर आयुक्त अजय द्विवेदी ने गृहकर की वसूली में वृद्धि के लिए निरन्तर आय की समीक्षा की। अनावासीय भवनों से गृहकर वसूली पर विशेष प्रयास किया। वर्तमान वित्तीय वर्ष में गत वर्ष के सापेक्ष लगभग 22.00 करोड़ की वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में लखनऊ नगर निगम ने आवासीय 5,26,216 भवन व अनावासीय 59,278 भवनों को मिलकर कुल 5,85,494 भवनों के सापेक्ष 3,15,290 से टैक्स वसूला। पिछले वर्ष 3,05,476 भवनों से हाउस टैक्स वसूला गया था। इस वर्ष 9814 अधिक भवनों से टैक्स वसूल गया। बड़े बकायेदारो से वसूली हेतु प्रतिष्ठानो, भवनो को सील करने का अभियान भी चलाया गया। जिसमें लगभग 5439 भवन सील किए गए। जिससे काफी अधिक लम्बित धनराशि वसूल करने में सहायता मिली। इस वर्ष डिजिटल माध्यमों से हाउस टैक्स का भुगतान करने वालों की संख्या में 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 61.64 प्रतिशत रकम में भी वृद्धि हुई है। इस प्रकार कुल धनराशि का 44 प्रतिशत डिजिटल माध्यम से भुगतान प्राप्त हुआ।

पेपर लीक में ताबड़तोड़ छापेमारी, मास्टर माइंड की निशानदेही पर आठ और गिरफ्तार

बलिया। यूपी बोर्ड की 12वीं की परीक्षा का अंग्रेजी का प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में आठ और लोगों को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। प्रश्नपत्र लीक होने के बाद बुधवार को 24 जिलों में कक्षा 12 की अंग्रेजी की परीक्षा रद्द कर दी गई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोषियों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम लागू करते हुए कड़ी कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। शुक्रवार को आठ और लोगों के पकड़े जाने के साथ इस मामले में अब तक गिरफ्तार किए जा चुके लोगों की संख्या 34 हो गई है। बताया जाता है कि मास्टर माइंड की गिरफ्तारी और उससे पूछताछ के बाद ताबड़तोड़ छापेमारी के बाद गिरफ्तारी हुई है। पुलिस का दावा है कि शुक्रवार को गिरफ्तार किए गए आरोपियों में घटना का मास्टरमाइंड भी शामिल है, जिसे बलिया की नगरा पुलिस से तीन अन्य लोगों के साथ दबोचा था। चार अन्य आरोपियों को सिकंदरपुर पुलिस ने पकड़ा था। गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए रसड़ा क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक शिवनारायण वैश्य ने बताया कि नगरा पुलिस की एक टीम ने मुलायम चौहान को गिरफ्तार किया है। उसे अंग्रेजी प्रश्न पत्र लीक मामले का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। सात अन्य संदिग्ध भी गिरफ्तार किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा। वैश्य के मुताबिक, मामले की जांच कर रही पुलिस टीमों ने पहले बलिया के जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) ब्रजेश कुमार मिश्रा और तीन पत्रकारों सहित कुल 26 लोगों को गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि डीआईओएस और गिरफ्तार पत्रकारों में से एक अजीत ओझा को बुधवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

100 दिनों में होगी दस हजार पुलिस कर्मियों की भर्ती : योगी

लखनऊ। तय समय सीमा के भीतर निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने में जोर दे रही उत्तर प्रदेश की योगी सरकार कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिये अगले 100 दिनों में कम से कम दस हजार पुलिस कर्मियों की भर्ती करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गृह विभाग को 100 दिनों की कार्ययोजना के तहत प्राथमिकताएं निर्धारित कर तेजी से कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दो अप्रैल से मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत महिला सुरक्षा को और प्रभावी तथा सक्रिय ढंग से संचालित किया जाए। स्कूल, कॉलेज, बाजार व भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर विशेष अभियान चलाया जाए। पुलिस विभाग में 100 दिनों में कम से कम 10,000 पुलिस कर्मियों की भर्ती सुनिश्चित की जाए।

योगी ने गुरुवार देर रात यहां अपने सरकारी आवास पर गृह विभाग की एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कहा कि सुरक्षा, सुव्यवस्था एवं सुशासन प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश के सभी आस्था केन्द्रों व महत्वपूर्ण स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्थाओं को और बेहतर किया जाए। अगले एक साल में सभी जिलों में पुलिस लाइनों की औचित्यपूर्ण स्थापना की जाए। सभी स्तर के पुलिस अधिकारी प्रतिदिन फुट पेट्रोलिंग करें। पीआरवी-112 की पेट्रोलिंग नियमित रूप से प्रभावी ढंग से संचालित की जाए। ट्रैफिक व्यवस्था को और चुस्त-दुरुस्त किया जाए। पुलिस थानों में स्वच्छ वातावरण निर्मित किया जाए तथा जनसामान्य के बैठने एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था की जाए। जनशिकायतों को प्रमुखता के साथ निस्तारित किया जाए। जनसामान्य में पुलिस की छवि को और बेहतर किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराधियों और माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए अवैध सम्पत्तियों का ध्वस्तीकरण और जब्तीकरण किया जाए। पेशेवर अपराधियों सहित खनन, शराब, पशु, वन तथा भू-माफियाओं के प्रति किसी भी प्रकार की रियायत न बरती जाए। सभी वरिष्ठ अधिकारी फील्ड विजिट करें। उन्होंने कहा कि सभी तहसील मुख्यालयों पर फायर सर्विस की स्थापना का कार्य 100 दिन की प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए पूरा किया जाये। उन्होंने कहा कि एण्टी करप्शन यूनिट और विजिलेंस यूनिट की कार्य प्रणाली को प्रभावी ढंग से संचालित करते हुए कार्यवाही की जाए। प्रत्येक ग्राम पंचायत और वॉर्ड स्तर पर तैनात महिला बीट पुलिस अधिकारी महिला अपराध नियंत्रण एवं विकास योजनाओं के प्रचार-प्रसार की कार्यवाही अन्तर्विभागीय समन्वय के माध्यम से करें। ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम चौकीदारों से संवाद स्थापित कर अपराध पर नियंत्रण किया जाए। उन्होंने तीन पीएसी महिला बटालियन की स्थापना के लिए निर्माण कार्यों को तेजी से पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए।

विधानपरिषद में भी भाजपा की जीत महत्वपूर्ण

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनकल्याण की योजनाओं को निर्बाध रूप से संचालित करने के लिये विधानपरिषद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत महत्वपूर्ण है। स्थानीय निकाय चुनाव के मद्देनजर प्रदेश भर के महापौर, नगर पालिका के चेयरमैन और ग्राम प्रधान सभी पार्षदों के साथ संवाद कार्यक्रम में श्री योगी ने बैठक में जुड़े 32 हजार से अधिक लोगों से भाजपा को विधानपरिषद में बहुमत दिलाने को कहा जिससे निर्बाध रूप से केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ लोक कल्याण और गरीबों के कल्याण के लिए तेजी से किया जा सके। वर्चुअली बैठक में जुड़े भाजपा के सभी पदाधिकारियों, विधायकों, सांसदों, पार्षदों, ग्राम पंचायत अधिकारियों से उन्होने कहा कि नौ अप्रैल को विधानपरिषद चुनाव होने हैं। इसलिए अगले चार पांच दिन प्रत्याशियों को विजय दिलाने के लिए रणनीति बनाकर काम करें। एसी कार्ययोजना बनाए जिससे हरेक सीट पर भाजपा को जीत हासिल हो सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अधिकतर ब्लाक प्रमुख भी भाजपा के समर्थक हैं। 17 में से 14 महापौर हैं। कई चेयरमैन भी भाजपा के कार्यकर्ता है। इन सबका सहयोग लेकर प्रत्याशियों को जिताने का काम करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 17 नगर निगम हैं। भारत सरकार और राज्य सरकार के सहयोग से स्मार्ट सिटी और अमृत याजना के तहत काम चल रहा है। प्रदेश के समग्र विकास को ठोस रूप से आगे बढ़ाने में सरकार जुटी है। बिना भेदभाव के हर किसी को सरकार की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है।

झांसी : नवरात्रि में महाकाली विद्यापीठ पर होगा सवा करोड़ मंत्रों का जाप

एजेंसी

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में दो अप्रैल से शुरू हो रहे चैत्र नवरात्र के लिए प्रसिद्ध महाकाली विद्यापीठ में सभी तैयारियां पूरी कर ली गयीं हैं और इस दौरान मां महाकाली के सवा करोड़ मंत्रों का जाप किया जायेगा।

मंदिर परिसर में शुक्रवार को प्रधान पुजारी अजय त्रिवेदी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि चैत्र नवरात्र के पूरे नौ दिन महाकाली के मंदिर में विशेष पूजाअर्चना और अन्य कार्यकमों का आयोजन किया जायेगा। नवरात्र के शुभारंभ पर पहले दिन शनिवार को मंदिर में 5100 दीपक प्रज्वलित किये जायेंगे।

नवमी पर बनारस के कारीगरों द्वारा तैयार किया गया चांदी का मंडप, धार्मिक विधि-विधान से मां को अर्पण किया जाएगा। इसके साथ ही नवरात्र के 09 दिनों में विश्व शांति के लिए मां महाकाली के मंत्रों का जाप व अनुष्ठान होगा। सप्तमी को फूल बंगला सजाया जाएगा और रात आठ बजे महाआरती होगी। नवमी को फूल बंगला सजेगा और छप्पन भोग का अर्पण किया जाएगा, इसके साथ ही विशाल भंडारा होगा।

इन सभी कार्यक्रमों के लिए तैयारियां पूरी कर ली गयीं हैं और मंदिर परिसर में भक्त गणों के लिए मां के दर्शन तथा पूजा अर्चना में हिस्सा लेने के लिए भी पूरी व्यवस्था की गयी है। इस अवसर पर तेजपाल मंगतानी, प्रदीप शर्मा, अमर पांडे, रामबाबू अग्रवाल, अंकुर बट्टा और हनी दुबे आदि मौजूद। संचालन पीयूष रावत ने किया और आभार व्यवस्थापक अरुण द्विवेदी ने व्यक्त किया।

रामनवमी मेला के लिये अयोध्या सजधज कर तैयार

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में प्रसिद्ध रामनवमी मेला दो अप्रैल से शुरू हो रहा है।

मेले को सुचारू रूप से सकुशल सम्पन्न कराने के लिये मंडलायुक्त नवदीप रिणवा, पुलिस महानिरीक्षक के.पी. सिंह, जिलाधिकारी नितीश कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडेय ने प्रशासन के अनेक अधिकारियों के साथ अंतर्राष्ट्रीय श्रीरामकथा संग्रहालय अयोध्या में बैठक की। चैत्र रामनवमी मेले को भव्यतापूर्ण एवं श्रद्धालुओं के लिए सुगमतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिये अयोध्या में सुपर जोनल, जोनल सेक्टर, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, ड्यूटी रहित पुलिस अधिकारी एवं कार्यदायी विभागों के साथ बैठक की तैयारियों की समीक्षा की गयी।

मंडलायुक्त ने बताया कि दो अप्रैल से शुरू हो रहे चैत्र रामनवमी मेला दस अप्रैल को समाप्त होगा। मेले के दौरान मुख्य रूप से अयोध्या धाम में श्रद्धालुओं की भीड़ होती है और दस अप्रैल रामनवमी के दिन कई लाख तीर्थ यात्री सरयू स्नान कर नागेश्वरनाथ मंदिर, प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर, कनक भवन मंदिर एवं श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला का प्रमुख रूप से दर्शन-पूजन करते हैं।

पुलिस महानिरीक्षक के.पी. सिंह ने बताया कि सरयू नदी में श्रद्धालुओं के स्नान के लिए बैरीकेडिंग को कमर के पानी के गहराई तक ही रखा गया है। उसके आगे किसी भी श्रद्धालु को जाने की अनुमति नहीं दी गयी है। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने कहा कि राम की पैड़ी पर श्रद्धालुओं के स्नान के लिये नियमित स्वच्छ जल प्रवाहित किये गये हैं। चैत्र रामनवमी मेले के लिये केन्द्रीय मेला नियंत्रण कक्ष, अंतर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय अयोध्या में बनाया गया है।

नगर निगम के नगर आयुक्त विशाल सिंह ने मेले की तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम के शौचालयों की साफ-सफाई की व्यवस्था प्रगति पर है जो बाकी बचे हैं उसे शीघ्र ही पूरा कर लिया जायेगा। अधिशाषी अभियन्ता विद्युत ने भी तैयारी की जानकारी देते हुए बताया कि दो मोबाइल ट्रांसफार्मर मेला क्षेत्र में रिजर्व रखे जायेंगे। मेला कंट्रोल रूम में विद्युत कंट्रोल रूम की स्थापना की गयी है।

मेलाधिकारी ने बताया कि रामनवमी अर्थात् भगवान श्रीराम का जन्म दस अप्रैल को मनाया जायेगा। उस दिन मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ काफी रहती है जिसके लिये प्रशासन ने काफी व्यवस्था की है। पुलिस अधीक्षक नगर विजय पाल सिंह ने बताया कि मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहेगा। सादी वर्दी में महिला व पुरुष पुलिस की भी तैनाती की गयी है। उन्होंने बताया कि अयोध्या में छोटे और बड़े वाहनों का भी भीड़ को देखते हुए प्रतिबंध जारी रहेगा।

विंध्याचल नवरात्र मेला आज से, तैयारियां पूरी

विन्ध्याचल (मिर्जापुर)। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शनिवार से विश्व प्रसिद्ध विन्ध्याचल नवरात्र मेला शुरू होने जा रहा है। पूरा मेला क्षेत्र ड्रोन एवं सीसी कैमरे के जद में होगा। मेला सुरक्षा में अर्धसैनिक बल के जवानों के साथ दो हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। आधुनिक उपकरणों से युक्त बम डिस्पोजल दस्ता एवं जल पुलिस के जवान मुस्तैद रहेगे। यात्रियों के सहुलियत की दृष्टि से इस बार कई नये प्रयोग किए गए हैं।

मां विन्ध्यवासिनी देवी के गर्भगृह में चरण छूने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह प्रतिबंध वीआईपी व्यक्तियों पर भी लागू किया गया है। साथ ही साथ पंडों, नाईयो और सफाईकर्मी के लिए डेस कोड में रहने के आदेश दिए गए हैं। दुकानदारों और वाहन स्टैंडो पर रेट लिस्ट लगाने के निर्देश दिए गए हैं। नौ दिन तक चलने वाले मेले सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। । इस बार नवरात्रि मेले में दर्शनार्थियों की भारी भीड़ होने की उम्मीद है। जिलाप्रशासन ने मेला की मुकम्मल व्यवस्था कर लेने का दावा किया है। नगर मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह मेला अधिकारी बनाया गया है। जबकि अपर जिला मजिस्ट्रेट एक के शुक्ल सुपर मजिस्ट्रेट होगे। व्यवस्था के सम्बन्ध में जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने बताया कि पूरे मेला क्षेत्र को आठ जोन और 18 सेक्टरों में बांटा गया है। सभी जोनो में जोनल मजिस्ट्रेट और सेक्टर मजिस्ट्रेटो को तैनात किया गया है। मेला क्षेत्र में आवश्यकता से अधिक भीड़ एकत्र न हो सके इसके लिए जगह-जगह बैरियर लगाये गए हैं।

जिला पुलिस प्रमुख अजय कुमार सिंह ने बताया कि मेले में सिविल पुलिस के अलावा जल पुलिस यातायात घुड़सवार पुलिस के अलावा खुफिया एजेंसी के जवान भी है। किसी आपात स्थिति से निपटने के लिए अलग से व्यवस्था की गयी है।

व्यवस्था एवं तैयारियों की समीक्षा के लिए आज मंडलायुक्त योगेश्वरराम मिश्र एवं पुलिस उप महानिरीक्षक आर के भरव्दाज ने उच्च स्तरीय बैठक कर समीक्षा कर आवश्यक आदेश निर्देश दिए। घाटों सहित प्रमुख स्थानों का निरीक्षण भी किया।

मंडलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने बताया कि मेले के मद्देनजर कोरिडोर निर्माण कार्य को फिलहाल रोक दिया गया है। मेला समाप्ति के बाद शुरू किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि पहली बार विकलांग दर्शनार्थियों के लिए व्हील चेयर की व्यवस्था की गयी है। मंडलायुक्त ने बताया कि पंडो द्वारा पारी बेचने पर भी रोक लगा दी गई है।अब उन्हें खुद बैठना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि दर्शनार्थियों को धूप से बचाने के लिए मैट आदि की व्यवस्था की गयी है।

आधे घंटे में विभाग के भूत और भविष्य का ब्योरा देना होगा अधिकारियों को

एजेंसी

लखनऊ। लगातार दूसरी बार उत्तर प्रदेश की कमान संभालने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य के विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं को परवान चढ़ाने के लिये समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान देना शुरू किया है।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डालर तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ काम करने को आतुर श्री योगी ने अधिकारियों और मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ मैराथन बैठकों की बजाय अपने विभाग की उपलब्धियों और भविष्य की कार्ययोजनाओं के प्रस्तुतिकरण के लिये समय निर्धारित किया है जिसकी शुरूआत पांच अप्रैल से होगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विभिन्न विभागों के आला अधिकारियों को अपने विभाग की पिछले पांच साल की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष बतलाने के लिये आधा घंटे का समय मिलेगा। विभागों की समीक्षा का सिलसिला पांच अप्रैल से शुरू होगा। इसके लिये सूबे के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने दिशा निर्देश भी जारी कर दिये हैं।

इस क्रम में प्रत्येक विभाग के अपर मुख्य सचिव.प्रमुख सचिव अथवा सचिवों को 30 मिनट में अपने विभाग का प्रस्तुतिकरण देना होगा जिसमें पहले पांच मिनट में विभाग का संक्षिप्त परिचय, अगले पांच मिनट में पिछले पांच सालों में मुख्य उपलब्धियों का विवरण, दस मिनट में विभाग की 100 दिवस और छह माह की कार्ययोजना जिसमें बताया जायेगा कि उक्त कार्ययोजना को पूरा करने के लिये कैसे संसाधनो का उपयोग किया जायेगा। इसके बाद बचे हुये दस मिनट में एक साल,दो साल,पांच साल की कार्ययोजना का ब्योरा अधिकारियों को मंत्रिमंडल के सामने देना होगा और साथ ही बताना होगा कि उसे पूरा करने के लिये कौन से संसाधनो का उपयोग किया जायेगा। मुख्य सचिव ने कहा है कि आधे घंटे का प्रस्तुतिकरण स्पष्ट होना चाहिये। विभागों को प्रस्तुतिकरण की तारीख सूचित की जायेगी।

शीतला चौकियां धाम में श्रद्धालुओं को होगी गर्भगृह में माँ की आराधना की अनुमति

जौनपुर। जौनपुर जिले में माँ शीतला चौकियां पूर्वांचल के आस्था का केंद्र शीतला चौकियां धाम में दो अप्रैल से आरंभ हो रहे नवरात्र की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। इस बार श्रद्धालु गर्भगृह तक जाकर मां का दर्शन कर सकेंगे। मंदिर के व्यवस्थापकों ने बैठक कर यह निर्णय लिया है। इस दौरान पर्याप्त सुरक्षा बलों की तैनाती रहेगी, साथ ही धाम तक बड़े वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। वासंतिक नवरात्र में श्रद्धालु गर्भगृह तक जाकर मां का चरण स्पर्श कर दर्शन-पूजन कर सकेंगे। पुलिस प्रशासन के साथ पुजारी व व्यवस्थापकों ने बैठक कर नवरात्र सकुशल संपन्न कराने के लिए रूपरेखा तैयार कर ली है। बताया गया कि गर्भगृह से दर्शन के पश्चात भक्तों को पूर्वी द्वार से बाहर निकाला जाएगा। मंदिर परिसर की साफ-सफाई, सजावट व रंग-रोगन आदि कार्य पूर्ण हो चुके हैं। तालाब किनारे सफाई करवा दिया गया है। चूने का छिड़काव प्रथम दिन की पूर्व संध्या पर करवाया जाएगा। मंदिर के पुजारी शिव कुमार पंडा ने बताया कि मां की प्रथम आरती भोर में साढ़े पांच बजे, द्वितीय आरती दोपहर तीन बजे व दिन की अंतिम आरती रात साढ़े नौ बजे संपन्न होगी। सुरक्षा के लिए मंदिर के प्रवेश द्वार, मुख्य द्वार, गर्भगृह सहित मंदिर प्रांगण में कुल 16 कैमरे लगाए गए हैं। मंदिर प्रबंधक अजय कुमार पंडा ने बताया कि नवरात्र में आने वाली भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा में कई थानों की फोर्स, महिला पुलिस, अतिरिक्त पुलिस बल, अग्निशमन दस्ता मौजूद रहेगा। धाम परिक्षेत्र स्थित माला फूल, नारियल, चुनरी की दुकानें सज गई हैं।

सब्सिडी खत्म होने से इटावा का हथकरघा उद्योग संकट में

इटावा। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) परियोजना में शामिल इटावा के हथकरघा उद्योग को पावर कारपोरेशन ने सब्सिडी खत्म करके बड़ा झटका दिया है और अब यह बंदी की कगार पर पहुंच गया है।

सब्सिडी खत्म होने से करीब तीन साल ओडीओपी मे शामिल हथकरघा कारोबार पटरी से उतर चुका है और इसके ठप होने का अंदेशा जताया जाने लगा है। सब्सिडी खत्म होने से नाराज अधिकतर बुनकरों ने कामकाज बंद कर दिया है। पहले बुनकरो को 72 रूपये प्रति कनेक्शन के हिसाब से भुगतान करना होता था जो अब तीन रूपये 50 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से करने का प्राविधान कर दिया गया है । प्रदेश मे बुनकरो को 2006 से बिजली के बिल में रियायत मिलनी शुरू हुयी थी जिसे 2020 में पावर कारपोरेशन ने समाप्त कर रीडिंग के हिसाब से बिल दिये जाने के आदेश दिया जिससे बुनकरो की नींद उड़ी हुई है। उनके सामने रोजीरोटी का संकट आ खड़ा हुआ है। पिछले 14 सालों तक मात्र 72 रुपये बिजली का बिल चुकाने वाले बुनकरों को अब मीटर रीडिंग के हिसाब से भुगतान करना पड़ेगा। बुनकरों ने बिजलीं विभाग के अधिशासी अभियंता से मिलकर अपनी नाराजगी जताई है मगर उन्हे राहत मिलने के आसार बेहद कम हैं क्योंकि सब्सिडी खत्म करने का आदेश साल 2020 मे ही जारी कर दिया है।

सब्सिडी खत्म होने से इटावा के 2000 पावरलूम बंद होने के कगार पर हैं जिसके चलते 50 हजार के आसपास बुनकरो के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा होने का खतरा पैदा गया है। बुनकरो ने पावर कारपोरेशन के खिलाफ तीन रुपये 50 पैसे प्रति यूनिट की दर से लगने वाले बिल को लेकर काम बंद कर हड़ताल शुरू कर दी है । बुनकरों की मांग है कि 72 रुपए प्रति लूम के फ्लैट रेट पर बिजली मिले ।

इटावा के बुनकरो ने अपने अपने पावर लूम पूरी तरह से बंद कर शहर के बाह अड्डा पर धरना शुरू कर दिया है। उनकी शिकायत है कि बुनकरो से बिजली विभाग मनमानी बिल की वसूली कर रहा है। धोखाधड़ी करके पावर लूम के लिए मीटर लगाए गए और कहा गया था कि बुनकरो से फ्लैट रेट का ही बिल लिया जाएगा लेकिन पावर कारपोरेशन अब साढ़े तीन रुपए प्रति यूनिट की दर से वसूली करने मे जुट गया है। बुनकरो का कहना है कि उनको पूर्व की तरह 70 रुपए प्रति यूनिट फ्लैट रेट पर ही विद्युत सप्लाई दी जाए । यदि उनकी मांगे नहीं मानी गई तो वे लोग निरंतर हड़ताल पर रहेंगे और काम नहीं करेंगे ।

बुनकर शारिक अंसारी का कहना है कि बुनकरों को फ्लैट रेट पर बिजली मिलती थी । अब पावर कारपोरेशन अपनी मनमानी करके धोखाधड़ी के बाद रीडिंग से बिल मांग रहे हैं इसीलिए सभी बुनकर मिलकर धरने पर बैठे हुए हैं ।

बुनकरों को पहले फ्लैट रेट पर बिजली दी जाती थी उसी फ्लैट रेट पर बिजली दी जाए । पहले 72 रुपए प्रति लूम विद्युत बिल लगता था लेकिन अब साढ़े तीन रुपए प्रति यूनिट की दर से मांगा जा रहा है । प्रतिलूम के हिसाब से अब पांच हजार रुपए बिल आएगा। अगर पावर कारपोरेशन उनकी मांगे नहीं मानेगा तो बुनकर भूख हड़ताल पर भी बैठ सकते है ।

वितरण और विकास पर केन्द्रित होगा योगी सरकार का दूसरा कार्यकाल

एजेंसी

लखनऊ। हिन्दुत्व और जाति धर्म की राजनीति से विरत उत्तर प्रदेश में नयी योगी सरकार विकास और वितरण पर अपना ध्यान केन्द्रित करेगी।

योगी आदित्यनाथ का नया मंत्रिमंडल एक योजना के तहत 2-डी यानी विकास और वितरण नीति को अमली जामा पहना कर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को देश में शीर्ष पर ले जाने का प्रयास करेगा। मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार मृत्युजंय कुमार ने शुक्रवार को यूनीवार्ता से बातचीत में कहा कि नयी भाजपा सरकार का मुख्य एजेंडा विकास और वितरण होगा।

पहले कार्यकाल सरकार ने बगैर भेदभाव के केन्द्र की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम आदमी तक पहुंचाया जिसमें मुफ्त खाद्यान्न,मुफ्त आवास,रसोई गैस सिलेंडर और बिजली कनेक्शन एवं शौचालयों का निर्माण आदि शामिल था।

इसके बावजूद लोग सोचते थे कि सरकार की नजर में हिन्दुत्व का मुद्दा प्राथमिकता पर है।

उन्होने कहा कि सरकार दूसरे कार्यकाल में विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के जरिये वितरण प्रणाली को सशक्त बनाने की दिशा में काम करेगी। वितरण और विकास यानी 2-डी को परवान चढ़ाने के लिये मुख्यमंत्री पहले ही मंत्रियों और अधिकारियों के साथ बैठकों का दौर शुरू कर चुके हैं। अधिकारियों और मंत्रियों को अगले 100 दिनों में अपने विभाग की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये हैं।

कुमार ने कहा मुख्यमंत्री ने अधिकारियों की बजाय मंत्रियों से विभागीय कार्ययोजना का प्रस्तुतिकरण करने को कहा है, इसका अर्थ है कि उन्हे हर मंत्रालय से काफी उम्मीदें है। वह चाहते है कि मंत्री अपने विभाग के बारे में बारीकी से जाने समझें जिससे विसंगतियों का उचित समाधान तलाशा जा सके।

उन्होने कहा कि श्री योगी ने प्रदेश को एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिये संजीदगी से काम शुरू कर दिया है और इस दिशा में जुलाई में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी आयोजित की जायेगी जिसमें दस लाख करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कुमार ने कहा कि विधानसभा चुनाव में हाथरस,लखीमपुर खीरी और उन्नाव में भाजपा की जीत ने साबित कर दिया है कि लोगों ने माना है कि इन जिलों में पिछले दिनो हुयी अप्रिय घटनाये महज इत्तिफाक थी और उन्होने विपक्ष द्वारा इन घटनाओं को लेकर किये गये दुष्प्रचार को खारिज कर दिया है।

शार्ट न्यूज

आयशर मोटर्स की बिक्री 25.1 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई। आयशर मोटर्स ने मार्च 2022 में 25.1 वृद्धि के साथ कुल 8,803 वाहनों की बिक्री की है, कंपनी ने मार्च 2021 में 7,037 वाहन बेचे थे। कंपनी ने मार्च 2022 में 8,581 ट्रक और बसें बेची हैं, जिसकी संख्या मार्च 2021 में 6,870 थी। उक्त अवधि में कंपनी की बिक्री में 24.9 प्रतिशत की वृद्धि हुयी है। आइशर ने मार्च 2022 में घरेलू बाजार में 7,929 ट्रक और बसों की बिक्री की है, जोकि मार्च 2021 में बेचे गए 6,054 वाहनों से 31 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के ट्रक और बसों के निर्यात में हालांकि20.1 प्रतिशत की गिरवट देखी गयी है। कंपनी ने मार्च 2022 में 652 वाहनों का निर्यात किया, जिसकी संख्या मार्च 2021 में 816 थी ।कंपनी ने मार्च 2022 में 222 वोल्वो ट्रक बेचें हैं, जबकि मार्च 2021 में 167 ट्रक बिके थे।

एमजी मोटर्स की बिक्री मार्च 2022 में 14.59 प्रतिशत गिरी

मुंबई। कार विनिर्माता एमजी मोटर इंडिया ने शुक्रवार को बताया कि कंपनी ने मार्च 2022 में कुल 4,721 वाहन बेचे हैं, जोकि 14.59 प्रतिशत कम हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2020-21 में 5,528 वाहन बेचे थे। कंपनी ने विज्ञप्ति जारी करके बताया,कार विनिर्माता ने मार्च 2022 में 4721 वाहन बेचे हैं, जिसका कारण नए कोविड-19 वेरिएंट से आपूर्ति श्रृंखला पर पड़े प्रभाव और वैश्विक स्तर पर सेमिकंडक्टर चिप की कमी है। कंपनी ने कहा कि उसे एस्टर, हेक्टर, ग्लोस्टर और नयी इलेक्ट्रीक कार जेडएस इवी समेत अपनी गाड़ियों के लिए सकारात्मक रूप से ग्राहकों द्वारा पूछताछ और बुकिंग प्राप्त हो रही है ।कंपनी के कहा,दुनिया भर में मौजूदा आपूर्ति बाधाओं की अस्थिरता के अधीन, कंपनी स्थिति का आंकलन करते हुए उत्पादन को उसी के अनुरूप रखने का निरंतर प्रयास कर रही है। हाल ही में प्रस्तुत जेडएस ईवी के लिए ग्राहकों से मजबूत प्रतिक्रिया मिली है, इसके लिए सिर्फ एक महीने में 1500 बुकिंग प्राप्त हुयी है।

विमान ईंधन के दाम दो प्रतिशत तक बढ़े

नयी दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों ने विमान ईंधन यानि एयर टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) के दामों में दो प्रतिशत तक की वृद्धि की है, जिससे इसकी कीमत 1,12,924.83 रुपए प्रति किलोलीटर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गयी हैं। इससे पहले यह कीमत 1,10,066 रुपए प्रति किलोलीटर थी। इस वृद्धि से हवाई सफर के महंगा होने की आशंका है। किसी भी एयरलाइन के संचालन लागत में विमान ईंधन की करीब 40 फीसदी हिस्सेदारी होती है। औसत अंतरराष्ट्रीय मूल्य के आधार पर हर महीने की पहली और 16 तारीख को विमान ईंधन की कीमतों में संशोधन किया जाता है। विमान ईंधन के दाम में एक जनवरी 2022 से अब तक सात बार इजाफा हो चुका है। इस साल विमान ईंधन 38,902.92 रुपये प्रति किलोलीटर यानी करीब 50 फीसदी महंगा हो चुका है।

कमर्शियल सिलिंडर हुआ 250 रुपये महंगा

नयी दिल्ली। तेल एवं गैस कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022-23 के पहले ही दिन शुक्रवार को ग्राहकों को महंगाई का बड़ा झटका देते हुए वाणिज्यिक (कमर्शियल) रसोई गैस सिलिंडर की कीमत 250 रुपये बढ़ा दी। इस इजाफे के साथ राजधानी में 19 किलो वाला कमर्शियल सिलिंडर 2253 रुपये का हो गया है। राहत की बात यह है कि घरेलू गैस सिलिंडर की कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। कमर्शियल सिलेंडर में इस बढ़ोतरी के कारण बाहर का खाना महंगा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि बीते दो महीनों में 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 346 रुपए तक बढ़ चुकी हैं। इससे पहले 01 मार्च को इसकी कीमत में 105 रुपए की बढ़ोतरी की गयी थी, लेकिन 22 मार्च को नौ रुपये घटा दिए गए थे।

ताजा सौदों की लिवाली से एल्युमीनियम वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार में मजबूती के रुख के बीच सटोरियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे वायदा कारोबार में शुक्रवार को एल्युमीनियम की कीमत 0.9 प्रतिशत की तेजी के साथ 284.50 रुपये प्रति किलो हो गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अप्रैल माह में डिलीवरी होने वाले अनुबंध के लिये एल्युमीनियम का भाव 2.55 रुपये यानी 0.9 प्रतिशत की तेजी के साथ 284.50 रुपये प्रति किलो हो गया। इसमें 2,586 लॉट के लिये सौदे किये गये। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में उपभोक्ता उद्योगों की मांग बढ़ने के कारण कारोबारियों ने ताजा सौदों की लिवाली की जिससे वायदा कारोबार में एल्युमीनियम कीमतों में तेजी आई।

हाजिर मांग के कारण जस्ता वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर मांग बढ़ने से हाजिर बाजार में मजबूती के रुख के कारण वायदा बाजार में शुक्रवार को जस्ता की कीमत 7.30 रुपये की तेजी के साथ 351.80 रुपये किलो हो गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अप्रैल महीने की डिलिवरी के लिये जस्ता की कीमत 7.30 रुपये यानी 2.12 प्रतिशत की तेजी के साथ 351.80 रुपये प्रति किलो हो गयी। इसमें 1,217 लॉट के लिये कारोबार हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि हाजिर बाजार में उपभोक्ता उद्योगों की मांग बढ़ने के कारण कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से जस्ता वायदा कीमतों में तेजी आई।

कमजोर हाजिर मांग से तांबा वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से वायदा कारोबार में शुक्रवार को तांबे का वायदा भाव 2.85 रुपये की गिरावट के साथ 818.60 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में तांबे का अप्रैल आपूर्ति वाला अनुबंध 2.85 रुपये या 0.35 प्रतिशत की गिरावट के साथ 818.60 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। इसमें 3,784 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार की कमजोर मांग के कारण सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को घटाया जिससे तांबे की वायदा कीमतों में गिरावट आई।

मार्च में मारुति, हुंदै की थोक बिक्री घटी, टाटा, किआ की बढ़ी

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों की कमी के कारण देश की प्रमुख वाहन विनिर्माता कंपनियों....मारुति सुजुकी और हुंदै मोटर की घरेलू बिक्री में मार्च, 2022 के दौरान गिरावट दर्ज की गई। वहीं दूसरी तरफ, टाटा मोटर्स, स्कोडा और किआ इंडिया ने पिछले महीने अपनी अब तक की सबसे अधिक मासिक थोक बिक्री हासिल की है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने बताया कि मार्च, 2022 में उसकी बिक्री पिछले पांच वर्षों के दौरान सबसे अधिक रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने भी मार्च के दौरान अपने यात्री वाहन की बिक्री में वृद्धि दर्ज की है। कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने कहा कि मार्च महीने में उसकी घरेलू बिक्री सात प्रतिशत घटकर 1,43,899 इकाई रही जो एक साल पहले इसी माह में 1,55,417 इकाई थी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में 13 प्रतिशत की वृद्धि के साथ पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में कुल 16,52,653 इकाइयों की बिक्री की है। कंपनी ने कहा, ''इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों की कमी का वित्त वर्ष 2021-22 में वाहनों के उत्पादन पर कुछ प्रभाव पड़ा था। प्रभाव को कम करने के लिए सभी संभव उपाय किए लेकिन स्थिति अब भी अनिश् चित बनी हुई है और इसका वित्त वर्ष 2022-23 में भी उत्पादन पर कुछ प्रभाव हो सकता है।'' हुंदै मोटर इंडिया की कुल बिक्री भी सालाना आधार पर मार्च, 2022 में 14 प्रतिशत घटकर 55,287 इकाई रह गई। कंपनी ने इससे पिछले वर्ष के इसी महीने में 64,621 इकाइयां बेची थी। दूसरी तरफ, टाटा मोटर्स ने मार्च, 2022 के दौरान अपने यात्री वाहनों की किसी एक महीने में सबसे अधिक बिक्री हासिल की है। कंपनी की थोक बिक्री मार्च 2021 में 29,654 इकाइयों से 43 प्रतिशत बढ़कर मार्च, 2022 में 42,293 इकाई पर पहुंच गई। टाटा मोटर्स यात्रा वाहन-प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्र ने एक बयान में कहा, ''हमने अपनी नई श्रेणी के वाहनों की मजबूत मांग और आपूर्ति पक्ष को लेकर की गई चुस्त कार्रवाई से अब तक की सबसे अधिक वार्षिक, त्रैमासिक और मासिक बिक्री हासिल की है।

क्रिप्टो परिसम्पत्तियों के कारोबार पर पर आयकर का प्रावधान लागू

नयी दिल्ली। क्रिप्टो सम्पत्तियों की बिक्री से लाभ पर सीधे 30 प्रतिशत की आयकर लगाने सहित आयकर अधिनियम में विभिन्न नए संशोधित प्रावधान शुक्रवार से प्रभावी हो गए।

वित्त विधेयर 2022 के माध्यम से किए गए इन संशोधनों के तहत एक आज से शुरू वित्त वर्ष 2022-23 में 50 लाख रुपये की अचल सम्पत्ति की बिक्री स्रोत पर कर की कटौती (टीडीएस) का प्रावधान भी लागू हो गया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश में क्रिप्टो करेंसी और डिजिटल सम्पत्तियों की खरीद बिक्री के बढ़ते कारोबार पर निगाह रखने और उसकी आय को कर के दायरे में लाने के लिए इस बार के बजट में क्रिप्टो संपत्तियों की बिक्री से लाभ पर 30 प्रतिशत की दर से कर लगाया है। यह दर उन इकाइयों पर भी लागू होगी जिनकी आय 2.5 लाख रुपये वार्षिक की छूट की सीमा से कम है। ऐसी किसी सम्पत्ति के व्यापार में नुकसान को किसी दूसरी फायदे के साथ समायोजित करने की छूट नहीं दी गयी है। सरकार ने आभासी डिजिटल परिसंपत्ति की परिभाषा को व्यापक रखा है। इस परिभाषा के अनुसार इसमें विधिमान्य भारतीय मुद्रा या विदेशी मुद्राओं को छोड़ कर ऐसी किसी भी सूचना, कोड, संख्या, टोकन को आभासी डिजिटल सम्पत्ति माना जाएगा जो क्रिप्टोग्राफिक या किन्हीं भी दूसरे माध्यमों से किसी भी नाम से सृजित किया गया हो तथा जो विनिमय में किसी प्रतिफल या उसके बिना, डिजिटल रूप में किसी मूल्य का प्रतिनिधित्व करता हो तथा जो किसी अंतर्निहित मूल्य का वचन देता हो या प्रतिनिधित्व करता हो, या मूल्य के संग्रह या हिसाब-किताब रखने की इकाई के रूप में प्रयोग किया जाता हो जिसमें जिसमें वित्तीय लेनदेन या

निवेश के हिसाब किताब में उपयोग शामिल है तथा जिसका इलेक्ट्रॉनिक रूप से हस्तांतरण, संग्रह या व्यापार किया जा सकता हो।

इस परिभाषा के अनुसार दूसरी मुद्राओं प्रतिस्थापित न किया जा सकने वाला कोई टोकन या इसी तरह का किसी नाम का कोई अन्य टोकन या केंद्र सरकार, आधिकारिक राजपत्र में अधिसूचना द्वारा निर्दिष्ट कोई भी डिजिटल परिसम्पत्ति इस श्रेणी में में रखी जा सकती है।

वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमण ने वित्त विधेयक पर राज्य सभा में चर्चा का जवाब देते हुए कहा था कि भारत में डिजिटल सम्पत्ति की परिभाषा बहुत व्यापक है और इसे देखते हुए केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड को यह अधिकार है कि वह इस विषय में समय-समय पर इस तरह का स्पष्टीकरण जारी कर सकता है किस प्रकार की डिजिटल सम्पत्ति इस नए कर के दायरे में आती है और किस प्रकार की सम्पत्ति इससे बाहर है।

बाजार संबंधी रिपोर्टों के अनुसार भारत में क्रिप्टो उद्योगदो साल से भी कम समय में अरबों डॉलर का हो गया है। इनमें क्रिप्टोकरेंसी और एनएफटी का कारोबार शामिल है।

जे सागर एसोसिएट्स (जेएसए) में पार्टनर प्रबीर राय चौधरी की राय में वित्त विधेयर 2022 में आभासी डिजिटल परिस्पत्तियों को कर के दायरे में लाने के प्रावधानों पर गहराई से ध्यान देने पर इस बाजार के विकास को प्रोत्साहित करने के प्रति सरकार का अनमनापन झलकता है। उनका कहना है कि डिजिटल सम्पत्ति के कारोबार में लाभ पर 30 प्रतिशत की दर से कर लगाने से इस कारोबार में लगी कंपनियों की कर देनदारी पांच प्रतिशत बढ़ जाएगी। ऐसे छोटे खुदारा कारोबारियों के मामले में इसका प्रभाव बढ़ जाता है जो कर की निचली दरों के दायरे में आते हैं। इस बिल में क्रिप्टोकरेंसी लेन-देन में भारत में रहने वालों को किए जाने वाले भुगतान पर एक प्रतिशत की दर से स्रोत पर कर वसूली (टीसीएस) का भी प्रावधान है। नए वित्त वर्ष से सरकार ने करदाताओं को जमा किए गए कर विवरण में भूल-चूक को ठीक करने की भी छूट देने का प्रावधान किया है। वह अद्यतन किए गए रिटर्न के साथ पहले अघोषित सम्पत्ति की घोषणा भी कर सकते हैं। अचल सम्पत्ति की बिक्री पर कर के संशोधित प्रावधान के अनुसार 50 लाख रुपये से अधिक की सम्पत्ति की बिक्री पर एक प्रतिशत का टीडीएस उसके प्रतिफल या स्टैम्प-शुल्क मूल्य में से जो भी अधिक होगा, उस के आधार पर देय होगा। अब तक यह बिक्री प्रतिफल पर लगता था।

नये वित्त वर्ष का शेयर बाजार ने किया जोरदार स्वागत

मुंबई। चालू वित्त वर्ष के पहले दिन निवेशकों की चौतरफा लिवाली के बल पर घरेलू शेयर बाजार में एक फीसदी से अधिक तेजी रही। इस दौरान बीएसई का सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में तेजी रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 708.18 अंकों की तेजी के साथ 59 हजार अंक के स्तर को पार करते हे 59276.69 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 205.70 अंकों की बढ़त के साथ 17670.45 अंक पर रहा। इस दौरान छोटी और मझौली कंपनियों में भी जोरदार लिवाली हुयी जिससे बीएसई का मिडकैप 1.39 प्रतिशत उठकर 24443.59 अंक पर और स्मॉलकैप 1.71 प्रतिशत चढ़कर 28699.41 अंक पर रहा।

बीएसई में शामिल सभी समूहों में तेजी रही जिसमें यूटिलिटी में सबसे अधिक 3.44 प्रतिशत, पावर 3.16 प्रतिशत, तेल एवं गैस 2.73 प्रतिशत, रियलटी 2.34 प्रतिशत, वित्त 2.13 प्रतिशत, एनर्जी 2.10 प्रतिशत और बैंकिंग 2.02 प्रतिशत शामिल है। बीएसई में कुल 3501 कंपनियों में कारोबार हुआ जिसमें से 2721 हरे निशान में और 674 लाल निशान में रही जबकि 106 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

वैश्विक स्तर पर जापान के निक्केई की 0.56 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर अधिकांश प्रमुख सूचकांक बढ़त में रहा जिसमें चीन का शंघाई कंपोजिट 0.94 प्रतिशत, जर्मनी का डैक्स 0.32 प्रतिशत, ब्रिटेन का एफटीएसई 0.16 प्रतिशत और हांगकांग का हैंगसेंग 0.19 प्रतिशत शामिल है।

बीएसई का सेंसेक्स 38 अंकों की गिरावट के साथ 58530.73 अंक पर खुला। शुरूआती कारोबार में ही यह 58540.04 अंक के निचले स्तर तक उतरा लेकिन इसके बाद शुरू हुयी लिवाली के बल पर यह 59 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार करते हुये 59396.62 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में यह पिछले दिवस के 58568.51 अंक की तुलना में 708.18 अंक अर्थात 1.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 59276.69 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में 25 मुनाफे में और पांच गिरावट में रही। एनएसई का निफ्टी 28 अंकों की गिरावट लेकर 17436.90 अंक पर खुला। सत्र के दौरान यह 17703.70 अंक के उच्चतम और 17422.70 अंक के निचले स्तर के बीच र हा। अंत में यह पिछले दिवस के 17464.75 अंक की तुलना में 1.18 प्रतिशत अर्थात 205.70 अंकों की बढ़त के साथ 17670.45 अंक पर रहा। निफ्टी में शामिल कंपनियों में से 40 हरे निशान में और नौ लाल निशान में तथा एक में कोई बदलाव नहीं हुआ।

टोयोटा ने मार्च में 17,131 वाहन बेचे, वित्त वर्ष 2021-22 में बिक्री 58 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने शुक्रवार को बताया कि कंपनी ने मार्च 2022 में 14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ कुल 17,131 वाहन बेचे हैं। जबकि मार्च 2021 में कंपनी ने 15,001 वाहनों की बिक्री की थी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2021-22 में 58 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी के साथ कुल 1,23,770 वाहन बेचे हैं। वित्त वर्ष 2020-21 में यह संख्या 78,262 थी। टीकेएम के बिक्री और रणनीति विपणन के संयुक्त उपाध्यक्ष अतुल सूद ने कहा, हम बाजार में जबरदस्त मांग देख रहे हैं। इस बात से अपने सभी वर्गों में टोयोटा के मॉडलों की लोकप्रियता फिर से सिद्ध होती है। उन्होंने कहा, %%इतना ही नहीं, यह इस बात को भी दोहराता है कि टोयोटा के सभी मॉडल अपने-अपने वर्ग में बेहद लोकप्रियता का आनंद लेते हैं और इस तथ्य को भी दोहराते हैं कि हम अपने ग्राहकों की अपेक्षाओं के आधार पर उत्पादों की पेशकश करने में सक्षम हैं। यह स्पष्ट रूप से इनोवा क्रिस्टा जैसे वर्ग के अग्रणी मॉडलों के साथ केवल एक महीने में लगभग 8000 वाहनों की बिक्री से सिद्ध है। उन्होंने कहा, फॉर्च्यूनर और लीजेंडर भी, दोनों ने शानदार प्रदर्शन किया है और विशेष रूप से लीजेंडर ने इतने कम समय में अपने लिए एक जगह बनाई है। दोनों मॉडलों को मिलाकर देखें तो हमने करीब 3,000 वाहनों की बिक्री की है। सूद ने कहा,हम प्रसन्न है कि वित्त वर्ष 2021-22 को बीते वित्त वर्ष की तुलना में 58 प्रतिशत की वृद्धि के साथ खत्म कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में हम कई नए ग्राहकों तक पहुंचने में सक्षम होंगे।

ग्रामीण विकास ट्रस्ट और डॉ. कॉर्नेलियस के निवेश से कृषि स्टार्टअप भरेंगे उड़ान

नयी दिल्ली। ग्रामीण विकास ट्रस्ट और वैश्विक स्तर के निवेशक डॉ कॉर्नेलियस बॉश के निवेश से देश में कृषि क्षेत्र में कार्यरत स्टार्टअप नयी उड़ान भरने वाले हैं।

दुनिया के कुछ जाने माने एवं प्रसिद्ध निवेशकों में से एक डॉ. बॉश भारत आ रहे हैं। वह यहां ग्रामीण विकास ट्रस्ट (जीवीटी) के सीईओ शिव शंकर सिंह से भेट करेंगे। कृषि आधारित स्टार्ट-अप की क्षमताओं के विश्लेषण के मद्देनजर यह भेंट काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। श्री सिंह और डॉ. बॉश के बीच यह मुलाकात 8 अप्रैल को होने जा रही है।

डॉ. बॉश माउंटेन पार्टनर्स के निदेशक मंडल के संस्थापक एवं कार्यकारी अध्यक्ष हैं। उनका यह दौरा भारत में कृषि क्षेत्र आधारित स्टार्ट-अप में निवेश की संभावनाओं की खोज के तहत अहम हो सकता है, जिसके लिए वह अपनी टीम के साथ श्री सिंह से मिलेंगे। ग्रामीण विकास ट्रस्ट, राष्ट्रीय स्तर की एक गैर-लाभकारी संस्था है जिसकी स्थापना सन 1992 में कृषक भारती सहकारी लिमिटेड (कृभको) और रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से हुई थी।

श्री सिंह इस भेंटवार्ता को लेकर बहुत आशांवित और उत्साहित हैं। उनका मानना है कि कृषि आधारित स्टार्ट-अप में एक भरोसेमंद निवेश से देश के कृषि क्षेत्र से जुड़े किसानों और उनके परिवारों के जीवन में बहुत ही सकारात्मक परिवर्तन लाए जा सकते हैं।

अपने इस दौरे के दौरान डॉ. बॉश यहां ग्रामीण विकास ट्रस्ट से जुड़े किसान उत्पाद संगठनों (एफपीओ) में निवेश की संभावनाओं के अवसरों को समझने और निवेश हेतु उनके मूल्यांकन इत्यादि को जानने का प्रयास करेंगे। इस मुलाकात का एक उद्देश्य विभिन्न किसान उत्पाद संगठनों की आजीविका में न केवल सुधार लाना, बल्कि उसे बढ़ाना भी है।

इस बारे में ग्रामीण विकास ट्रस्ट के सीईओ कहते हैं- मुझे बहुत खुशी है कि डॉ. बॉश ने ग्रामीण विकास ट्रस्ट स्टार्ट-अप में निवेश हेतु रुचि दिखाई है।

हमें निश्चित रूप से उम्मीद है और हर्ष भी कि इससे भारतीय किसान परिवारों तथा विभिन्न किसान उत्पादक संगठनों की सहायता में मदद मिलेगी तथा उनकी आजीविका में भी सुधार लाया जा सकेगा।

मार्च में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.42 लाख करोड़ के पार

नयी दिल्ली। आर्थिक गतिविधियों में आ रही तेजी के बल पर जीएसटी राजस्व संग्रह में भी बढोतरी का रूख बना हुआ है। इस वर्ष मार्च में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.42 लाख करोड़ रुपये के पार रहा जो अब तक संग्रहित जीएसटी का रिकार्ड है। इससे पहले जनवरी 2022 में 140986 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रहित हुआ था। जीएसटी लागू होने के बाद यह छठवां ऐसा महीना है जिसमें जीएसटी राजस्व संग्रह 1.30 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है।

वित्त मंत्रालय द्वारा आज यहां जारी जीएसटी संग्रह के आंकड़ों के अनुसार मार्च में कुल जीएसटी राजस्व संग्रह 142095 करोड़ रुपये रहा है जो मार्च

2021 में संग्रहित 123902 करोड़ रुपये के राजस्व की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। मार्च 2020 में सहंग्रित राजस्व की तुलना में 46 फीसदी अधिक है। इस वर्ष जनवरी में यह राशि 140986 करोड़ रुपये और फरवरी में 133026 करोड़ रुपये रही थी।

इस वर्ष मार्च में कुल जीएसटी राजस्व संग्रह 142095 करोड़ रुपये रहा है। इसमें सीजीएसटी 25830 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 32378 करोड़ रुपये , आईजीएसटी 74470 करोड़ रुपये और क्षतिपूर्ति उपकर 9417 करोड़ रुपये रहा है। आईजीएसटी में आयात पर जीएसटी 39131 करोड़ रुपये और क्षतिपूर्ति उपकर में आयात पर जीएसटी 981 करोड़ रुपये शामिल है।

सरकार ने आईजीएसटी में से सीजीएसटी में 29816 करोड़ रुपये और एसजीएसटी में 25032 करोड़ रुपये दिया है। इसके साथ ही राज्यों को 20 हजार करोड़ रुपये भी दिये गये हैं। इस नियमित हस्तातंरण के बाद मार्च में केन्द्र और राज्यों को क्रमश- 65646 करोड़ रुपये और 67410 करोड़ रुपये मिले हैं।

वित्त मंत्रालय ने विभागों को परियोजनाओं के लिये आश्वासन पत्र जारी करने से मना किया

एजेंसी

नयी दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने अन्य मंत्रालयों और विभागों से कहा है कि अपनी ओर से परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिये नियुक्त इकाइयों को आश्वासन पत्र जारी न करें। राजकोषीय प्रबंधन में सुधार के प्रयासों के तहत यह कदम उठाया गया है। आश्वासन पत्र में कुछ बाध्यताओं को लेकर प्रतिबद्धता जतायी जाती है। मंत्रालयों या विभागों से संबंधित इकाइयों या ठेकेदारों को यह पत्र मिलने से उन्हें परियोजना के लिये तेजी से वित्त जुटाने में मदद मिलती है। वित्त मंत्रालय के 31 मार्च को जारी एक कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है कि भारत सरकार के किसी भी मंत्रालयों या विभाग या इकाई को आश्वासन पत्र जारी करने के अधिकार को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जा रहा है इसके अनुसार, ''अत: सरकार की कोई भी इकाई आश्वासन पत्र जारी नहीं करेगी।

वित्त वर्ष 2022-23 के पहले दिन पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

नयी दिल्ली। देश में तेल विपणन करने वाली कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022-23 के पहले दिन पेट्रोल-डीजल के दामों में कोई बढ़ोत्तरी नहीं की है। बीते सात दिनों से लगातार बढ़ रहे ईंधन के दामों में कंपनियों ने शुक्रवार को कोई इजाफा नहीं किया है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गुरुवार को पेट्रोल-डीजल के दामों में क्रमश: 80-80 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोत्तरी की गयी थी। इस वृद्धि के बाद दिल्ली में पेट्रोल 101.81 रुपये प्रति लीटर और डीजल के 93.07 रुपये प्रति लीटर के दाम से बिक रहा है।

मुंबई में पेट्रोल की कीमत 116.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम 100.94 रुपये प्रति लीटर पर है।

रूस के यूक्रेन पर हमला करने के कारण वैश्विक स्तर पर तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बाधित होने की आशंका में इनकी कीमतों में उछाल आया है। पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिनों की स्थिरता के बाद बढ़नी शुरू हुई हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढाव देखने को मिल रहा है। लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.13 प्रतिशत गिरकर 104.57 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.95 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की नित्य प्रतिदिन समीक्षा होती है और उसके आधार पर प्रतिदिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

देश के चार बड़े महानगरों में पेट्रोल और डीजल के दाम

महानगर...........पेट्रोल......डीजल (रुपये प्रति लीटर)

दिल्ली...........101.81........93.07
कोलकाता ......111.35........96.22
मुंबई ....116.72.........100.94
चेन्नई.............107.45..........97.52

खाद्य तेलों में घटबढ़ , दालों में टिकाव

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में मिश्रित रूख देखा गया जबकि दाल दलहन में टिकाव रहा। इस दौरान मीठे में स्थिरता रही जबकि चावल नरम रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा 98 रिंगिट गिरकर 6533 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.40 सेंट की तेजी के साथ 72.08 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

स्थानीय स्तर मूंगफली तेल 367 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि

वनस्पति 366 रुपये और पॉम ऑयल 148 रुपये प्रति क्विंटल उतर गया। इस दौरान सरसों तेल, सूरजमुखी तेल और सोया रिफाइंड में टिकाव रहा औरवे पिछले दिवस के स्तर पर टिके रहे।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार टिकाव रहा। चीनी और गुड़ के दाम स्थिर रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में स्थिरता रही। चना दाल, चना, मूंग दाल, अरहर दाल, मसूर दाल और उड़द दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

अनाज : अनाज मंडी में भी घटबढ़ रही। इस दौरान गेहूं स्थिर रहा जबकि चावल 50 रुपये प्रति क्विंटल उतर गया।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे : -

दाल-दलहन : चना 4700-4800,दाल चना 5800-5900, मसूर काली 8600-8700, मूंग दाल 9000-9100, उड़द दाल 9500-9600, अरहर दाल 8200-8300 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2300-2400 रुपये और चावल = 2550-2650 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 3570-3670, चीनी एम. 3650-3750, मिल डिलीवरी 3450-3550 और गुड़ 3100-3200 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

खाद्य तेल : सरसों तेल 18901 रुपये, मूंगफली तेल 19780 रुपये, सूरजमुखी तेल 19267 रुपये, सोया रिफाइंड 17875 रुपये, पाम ऑयल 16116 रुपये और वनस्पति तेल 17849 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

कोल इंडिया का 2021-22 में रिकॉर्ड 62.2 करोड़ टन उत्पादन

नयी दिल्ली। सार्वजानिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने सालाना आधार पर 4.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 2021-22 में रिकॉर्ड 62.26 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया है।

इससे पिछले वित्त वर्ष यानी 2020-21 में कंपनी ने 59.52 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया था।

कोल इंडिया ने शुक्रवार को शेयर बाजार को भेजी जानकारी में कहा कि 2021-22 के दौरान बिजली कंपनियों को कोयले की आपूर्ति भी बढ़कर रिकॉर्ड 54.04 करोड़ टन पर पहुंच गई, जो वित्त वर्ष 2020-21 में 44.5 करोड़ टन की तुलना में 21.4 प्रतिशत अधिक है।

कंपनी ने कहा, ''कोल इंडिया ने वित्त वर्ष 2021-22 को कोयले के रिकॉर्ड उत्पादन के साथ समाप्त किया। इस दौरान बिजली संयंत्रों को कोयले की रिकॉर्ड आपूर्ति की गई।''

खनन कंपनी ने कहा कि उसने वित्त वर्ष 2021-22 की शुरुआत 99.13 करोड़ टन कोयले के साथ की थी।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 70 करोड़ टन कोयला के उत्पादन और आपूर्ति का लक्ष्य रखा है।

शार्ट न्यूज

ओसाका मियामी ओपन के फाइनल में

मियामी। विश्व की पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी जापान की नाओमी ओसाका ने स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिक को हराकर पहली बार मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। ओसाका ने गुरुवार को दो घंटे तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में बेनसिक को तीन सेटों के कड़े संघर्ष में 4-6, 6-3, 6-4 से हराया और अपने करियर के चौथे डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल में जगह बनाई। चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ओसाका का अब फाइनल में विश्व की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी बनने वाली पोलैंड की इगा स्वितेक से सामना होगा। दोनों खिलाड़ी 2019 में आखिरी एक दूसरे से भिड़े थे, जब ओसाका ने कनाडा ओपन के 16वें राउंड में स्वितेक को 7-6(4), 6-4 से हराया था। ओसाका का लक्ष्य 2018 इंडियन वेल्स और 2019 बीजिंग खिताब के बाद अपना तीसरा डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीतना होगा।

बीडब्ल्यूएफ ने घोषित किए थॉमस और उबर कप के ड्रॉ

बैंकॉक। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने शुक्रवार को थॉमस और उबर कप फाइनल्स के ड्रॉ घोषित किए, जिसका आठ से 15 मई तक आयोजन होना है। प्रतियोगिता में 20 सदस्य संघों की कुल 32 टीमें (16 थॉमस और 16 उबर) भाग लेंगी। 16 टीमों को चार समूहों ग्रुप ए, बी, सी और डी में बांटा गया है। विश्व रैंकिंग में प्रत्येक सदस्य संघों के शीर्ष तीन एकल खिलाड़ियों और शीर्ष दो युगल जोड़ियों के संयुक्त विश्व रैंकिंग अंकों के आधार पर टीमों को वरीयता दी जाती है। शीर्ष दो वरीयता प्राप्त टीमों को बीडब्ल्यूएफ प्रतियोगिता नियमों के अनुसार ग्रुप में सीधे जगह दी गई है। शीर्ष वरीयता प्राप्त टीम को ग्रुप ए के शीर्ष पर, जबकि दूसरी वरीयता प्राप्त टीम को ग्रुप डी के शीर्ष पर रखा गया है। वहीं ग्रुन बी और सी के शीर्ष पर क्रमश-तीसरी और चौथी वरीयता प्राप्त टीम को रखा गया है। पांचवीं से आठवीं वरीयता प्राप्त टीम को दूसरे स्थान पर रखा गया है। फिर नौवीं से 12वीं वरीयता प्राप्त टीम को क्रमश-तीसरे स्थान पर और उसके बाद 13वीं से 16वीं वरीयता प्राप्त टीम को समूहों के चौथे स्थान पर रखा गया है।

चीन को अगली बार फीफा विश्व कप क्वालीफिकेशन के लिए करनी होगी कड़ी मेहनतः फेंग

बीजिंग। चीन की पुरुष फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान फेंग शियाओटिंग ने शुक्रवार को कहा कि चीन को अगले फीफा विश्व कप क्वालीफिकेशन अभियान में कड़ी मेहनत के लिए खुद को तैयार करना होगा। उल्लेखनीय है कि चीन ने मंगलवार को ओमान से 0-2 की हार के साथ अपना 2022 फीफा विश्व कप क्वालीफिकेशन अभियान समाप्त किया था। चीन एक जीत, तीन ड्रॉ और छह हार से छह अंकों के साथ ग्रुप बी में पांचवें स्थान पर रहा और फीफा विश्व कप 2022 के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहा। फेंग ने इस बारे में कहा, ओमान के मैच को देखकर मुझे शक्तिहीन महसूस हुआ जैसे कि हमारे सभी खिलाड़ी मैदान पर भारी बेड़ियां पहन कर खेल रहे हों। ओमान बहुत आसानी से खेला। दोनों टीमों के बीच का अंतर स्पष्ट है। पूर्व कप्तान ने चेतावनी दी है कि अगले विश्व कप क्वालीफिकेशन अभियान में चीन को एक मुश्किल चुनौती का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि वह युवा गुणवत्ता वाले खिलाड़ियों को विकसित करने में विफल रहा है। 36 वर्षीय फेंग ने कहा, निश्चित रूप से हमारा अगला अभियान और कठिन होगा, क्योंकि हमारे युवा बहुत अच्छे नहीं हैं। अगर वे एशिया के शीर्ष चार में नहीं हैं तो आप उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद नहीं कर सकते हैं।

विजय अंतरराष्ट्रीय खेलों के लिए क्वालीफाई

हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)। ओलंपियन निशानेबाज विजय कुमार ने एक बार फिर 25 मीटर सेंटर फायर इवेंट में अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए क्वालीफाई किया है। उल्लेखनीय है कि उन्होंने हाल ही में भोपाल में आयोजित पुरुषों की 25 मीटर सेंटर फायर स्पर्धा जो राष्ट्रीय स्तर पर चयन ट्रायल इवेंट था, में 585 अंकों के साथ जीत हासिल की थी। इस जीत के साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय खेलों, विश्व कप और एशियाई खेलों के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। सेन्य अधिकारी से पुलिस अधिकारी बने डीएसपी विजय कुमार ने 2012 के लंदन ओलंपिक में 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीता था, तब वह भारतीय सेना में सेवारत थे। आठ से 30 मार्च तक भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय चयन ट्रायल में विजय कुमार की उपलब्धि को लेकर हमीरपुर जिले और पूरे हिमाचल में खुशी की लहर है।हमीरपुर के हरसौर गांव में 19 अगस्त 1985 को जन्मे विजय कुमार ने 2006 में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में 25 मीटर रैपिड फायर में दो स्वर्ण पदक जीते थे। उन्होंने बीजिंग आईएसएसएफ विश्व कप में रजत पदक और 2010 राष्ट्रमंडल खेलों में तीन स्वर्ण पदक और एक रजत पदक भी जीता था। वह भारतीय सेना में बतौर सिपाही भर्ती हुए थे। कड़ी मेहनत और अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों के दम पर वह सेना से कैप्टन रैंक से सेवानिवृत्त हुए। वह वर्तमान में हिमाचल पुलिस में डीएसपी पद पर सेवाएं दे रहे हैं।

बाबर ने तोड़ा इमरान खान का रिकॉर्ड

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने यहां गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में पूर्व क्रिकेटर एवं पाकिस्तान के मौजूदा प्रधानमंत्री इमरान खान का रिकॉर्ड तोड़ दिया। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में बाबर ने 83 गेंदों पर 114 रन की शतकीय पारी खेल कर 32 वर्ष पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। दरअसल क्रिकेट के इतिहास में पाकिस्तान के किसी भी कप्तान द्वारा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बनाया गया यह सर्वाधिक वनडे स्कोर है। इससे पहले इमरान खान ने बतौर कप्तान 1990 में ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 82 रन बनाए थे। उसके बाद से अब बाबर ने बतौर कप्तान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सर्वाधिक वनडे स्कोर बनाया है। उल्लेखनीय है कि बाबर और इमाम-उल-हक के शानदार शतकों के दम पर पाकिस्तान ने दूसरे वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया को छह विकेट से हरा कर तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सरकारी फंडिंग का किया स्वागत

मेलबोर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2022 की स्थानीय आयोजन समिति ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियाई सरकार से बहुसांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए 4.4 मिलियन अमरीकी डालर की प्रतिबद्धता का स्वागत किया। समझा जाता है कि ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने अपने बजट पत्र में बहुसांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए सरकारी की ओर से सहायता राशि दिए जाने का उल्लेख किया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, दो वर्षों से अधिक का निवेश बहुसांस्कृतिक भागीदारी कार्यक्रमों के सफल आयोजन में मदद करेगा जो टी-20 विश्व कप के विरासत उद्देश्यों का समर्थन करते हैं और सभी के लिए एक खेल होने के ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के दृष्टिकोण को समृद्ध करते हैं।

2022 महिला विश्व कप फाइनल के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा

क्राइस्टचर्च। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को तीन अप्रैल को क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल मैदान पर ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच होने वाले 2022 महिला विश्व कप फाइनल के लिए महिला मैच अधिकारियों की नियुक्ति की घोषणा की। भारत की जीएस लक्ष्मी, जो हाल ही में आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी में पहली महिला सदस्य बनीं थीं, को फाइनल के लिए मैच रेफरी नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि लक्ष्मी ने इस मैदान पर 31 मार्च को इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच सेमीफाइनल मैच में भी मैच रेफरी की भूमिका निभाई थी।

मैच में किसी भी क्षण सीएसके ने सहज महसूस नहीं किया : फ्लेमिंग

मुंबई। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने गुरुवार को 2022 आईपीएल के रोमांचक मैच में लखनऊ से हार के बाद तर्क दिया कि ओस ने प्रतियोगिता को एकतरफा बना दिया और उनके स्पिनरों को पूरी तरह से खेल से बाहर कर दिया। उन्होंने कहा कि 210 रन तक पहुंचने के लिए टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन टीम ने मैच में किसी भी क्षण सहज महसूस नहीं किया।

फ्लेमिंग ने कहा, हम इस तथ्य को लेकर भी यथार्थवादी थे कि जैसे-जैसे समय बीतेगा, परिस्थितियां हमारे खिलाफ होती चली जाएंगी। हम जानते थे कि हमें हर पल सटीक रहना था। मैदान गीला होने के कारण स्पिनर्स के लिए गेंद को ग्रिप करने के साथ-साथ प्रभावी गेंदबाजी करना काफी कठिन सिद्ध हो रहा था।

कोच ने कहा, हमें यह बात पता थी कि हमें केवल एक ओवर चुनना है। हम अंत में पर्याप्त रन रेट बनाने में सक्षम होने की उम्मीद कर रहे थे, ताकि हम बीच में मध्यम तेज गेंदबाज या स्पिनर में किसी एक को आक्रमण पर ला सकें। इस बीच शिवम दुबे का इस्तेमाल करने का निर्णय लिया गया, लेकिन लखनऊ ने अच्छी तरह से मुकाबला किया।

मैच में हालांकि चेन्नई ने शानदार बल्लेबाजी की, लेकिन स्कोर बोर्ड पर 210 रन लगाने के बावजूद फ्लेमिंग यह बात जानते थे कि लक्ष्य को डिफेंड कर पाना सीएसके के लिए काफ मुश्किल रहने वाला है, क्योंकि परिस्थितियां बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम के पक्ष में थीं।

उल्लेखनीय है कि प्रमुख खिलाड़ियों का चोटिल रहना चेन्नई के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज दीपक चाहर को चोट से उबरने में अभी कुछ हफ्ते और लगेंगे। वहीं क्रिस जॉर्डन और एडम मिल्न भी चोटिल हैं।

बीती शाम सीएसके ने गेंदबाजी की शुरुआत 25 वर्षीय तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी और तुषार देशपांडे से कराई और आईपीएल के लिहाज से दोनों ही गेंदबाजों के पास अनुभव की काफी कमी है।

फ्लेमिंग ने इस बारे में कहा, हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी हैं। मुकेश पहली बार खेल रहे थे, देशपांडे इससे पहले खेल चुके थे, लेकिन मुझे पता था कि ऐसी परिस्थिति में गेंदबाजी करना दोनों ही गेंदबाजों के लिए कठिन रहने वाला है। मुझे लगता है कि हम दस ओवर के बाद से आक्रामक के बजाय रक्षात्मक गेंदबाजी करने लगे।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर पीटर नेविल ने क्रिकेट से लिया संन्यास

मेलबोर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पीटर नेविल ने शुक्रवार को क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की।

नेविल इस साल फरवरी से क्रिकेट एक्शन से दूर थे। कंधे की चोट के कारण न्यू साउथ वेल्स के लिए उनका सीजन जल्दी खत्म हो गया था। नेविल ने एक बयान में कहा, मुझे हमेशा से पता था कि मैं अपने करियर के अंत के करीब हूं। यह मेरे लिए एक निराशाजनक सीजन था, मुझे लगता है कि मैंने अपने करियर के बाकी हिस्सों की तुलना में इस सीजन में चोट के कारण अधिक मैच गंवाए हैं। मुझे बहुत गर्व है कि मैं ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने में सक्षम था और मैं न्यू साउथ वेल्स के लिए इतने लंबे समय तक खेला। मुझे लगता है कि मैं अपने संतरे से जितना हो सकता था उतना रस निचोड़ सका। उल्लेखनीय है कि नेविल ने 2015 एशेज में ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना नाम बनाया, जहां उन्होंने लॉर्ड्स में अपनी टीम की बड़ी जीत में बल्ले से 45 रन बनाए थे। उन्होंने इसके बाद आठ और टेस्ट मैच खेले। उनकी सबसे हालिया उपस्थिति नवंबर 2016 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होबार्ट में आई थी। ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि उस टेस्ट और श्रृंखला को एक मैच से गंवा दिया। इसके बाद टीम में नेविल की जगह मैथ्यू वेड ने ले ली। नेविल ने भले ही ऑस्ट्रेलिया के लिए कभी वनडे क्रिकेट नहीं खेला, लेकिन छोटे अंतरराष्ट्रीय करियर में उन्हें नौ बार टी-20 टीम में चुना गया।

नेविल ने कहा, मैं यह कहना चाहूंगा कि मैं एक ऐसा शख्स था, जिसने खेल से बहुत कुछ सीखा। मैं भाग्यशाली रहा हूं कि मैं जितना हो सका उतने लंबे समय तक खेला। मेरे करियर को कुछ छोटा और मीठा बनाना मुश्किल है, हालांकि मेरे पास जो अवसर हैं, अनुभव हैं।

शाकिब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं

ढाका। बंगलादेश के स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। टीम के मुख्य चयनकर्ता मिन्हाजुल आबेदीन ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की।

उल्लेखनीय है कि पारिवारिक आपात स्थिति के कारण तीसरे वनडे के बाद शाकिब को दक्षिण अफ्रीका से स्वदेश लौटना पड़ा था। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने हालांकि उन्हें टेस्ट सीरीज से बाहर नहीं किया था, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि शाकिब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे और आखिरी टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे। समझा जाता है कि शाकिब आज अमेरिका जा रहे हैं।

आबेदीन ने शुक्रवार को क्रिकबज को कहा, शाकिब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने हमें सूचित किया है कि वह अमेरिका जा रहे हैं, क्योंकि उन्हें वहां अपने परिवार की रहने की व्यवस्था करनी है।

उल्लेखनीय है कि शाकिब शुरू में मानसिक और शारीरिक थकान का हवाला देते हुए दक्षिण अफ्रीका में नहीं खेलना चाहते थे, लेकिन बीसीबी के कहने पर उन्होंने अपना इरादा बदला। दूसरे वनडे के बाद बीसीबी ने उन्हें अपने बीमार परिवार के सदस्यों के साथ बंगलादेश लौटने का मौका दिया, लेकिन उन्होंने मना कर दिया, क्योंकि वह आखिरी वनडे खेलना चाहते थे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऐतिहासिक वनडे सीरीज जीत के बाद बंगलादेश के वनडे कप्तान तमीम इकबाल ने पारिवारिक आपात स्थिति के बावजूद टीम के साथ बने रहने के लिए शाकिब की प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा था, शाकिब जिस दौर से गुजर रहे हैं उसका सामना करने के लिए बहुत बड़े दिल की जरूरत होती है। बहुत से लोग ऐसा नहीं कर सकते थे। ऐसी स्थिति में अपने परिवार के साथ रहने की इच्छा रखने में कुछ भी गलत नहीं है।

मेरे लिए उनका प्रदर्शन महत्वपूर्ण नहीं था, लेकिन उन्होंने जो समर्पण दिखाया, वह सबसे महत्वपूर्ण बात थी। उनके परिवार के चार-पांच सदस्य अस्पताल में हैं। वह अभी भी टीम के साथ खेल रहे हैं और मुस्कुरा रहे हैं, इसके लिए बड़ा दिल चाहिए।

मैनचेस्टर सिटी के साथ प्रशिक्षण लेंगे यूक्रेनी फुटबॉलर एंड्री क्रावचुक

मैनचेस्टर। यूक्रेनी शरणार्थी एवं फुटबॉलर एंड्री क्रावचुक को प्रीमियर लीग से मंजूरी मिलने के बाद इंग्लैंड के फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर सिटी के साथ प्रशिक्षण करने की अनुमति दे दी गई है।

यह फैसला मैनचेस्टर सिटी और यूक्रेन फुटबॉल टीम के डिफेंडर ओलेक्जेंडर जिनचेंको के हस्तक्षेप के बाद लिया गया है। युवा स्तर पर क्रावचुक और जिनचेंको दोनों शख्तार डोनेट्स्क में एक साथ खेले हैं।

उल्लेखनीय है कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण शुरू होने के वक्त क्रावचुक अपने रूसी क्लब पक्ष टॉरपीडो मॉस्को के साथ तुर्की में प्रशिक्षण शिविर में थे। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक क्रावचुक ने यूक्रेन पर हमले के बाद तुरंत रूसी क्लब के साथ अपना अनुबंध समाप्त कर दिया और मैनचेस्टर चले गए, जहां वह मैनचेस्टर सिटी की अंडर-23 टीम के साथ शेष सत्र के लिए प्रशिक्षण लेंगे।

क्रावचुक ने रूसी क्लब के लिए खेलने के बारे में कहा, मैं बहुत असहज महसूस कर रहा था। मैं ऐसे देश के लिए खेल रहा था, जिसने मेरी मातृभूमि पर आक्रामण किया। क्लब छोड़ना ही एकमात्र फैसला था। अगर मैं वहां खेलना जारी रखता हूं तो यूक्रेन के लोग मुझे नहीं समझते।

उल्लेखनीय है कि 23 वर्षीय क्रावचुक का परिवार अभी भी कीव में है, जहां उनका भाई एलेक्स देश के सशस्त्र बलों के साथ देश की सुरक्षा के लिए लड़ रहा है। क्रावचुक ने इस बारे में कहा, मैं अपने भाई को हर दिन कहता हूं कि न केवल हमारे परिवार, बल्कि पूरे देश और यूक्रेनी लोगों की रक्षा के लिए मुझे उस पर कितना गर्व है। वह वहां रह रहा है और लड़ रहा है। मैं सच में चिंतित हूं।

मैं सोशल मीडिया पर काफी समूहों के साथ जुड़ा हुआ हूं और लगातार बमबारी अलर्ट के साथ संदेश प्राप्त कर रहा हूं। हर बार जब भी अलर्ट आते हैं तो मैं बहुत चिंतित हो जाता हूं। मेरे मन में केवल यही विचार होता है कि मेरे परिवार की जान जा सकती है।

क्रावचुक ने कहा कि वह मैनचेस्टर सिटी के आभारी हैं, जिसने उन्हें क्लब में प्रशिक्षण देने की अनुमति दी। उनके हमवतन जिनचेंको ने भी उनकी मदद की।

पाकिस्तान के किसी भी प्रधानमंत्री ने पूरी नहीं किया पांच साल का कार्यकाल

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में इमरान खान की नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ नेशनल एसेंबली में पेश अविश्वास प्रस्ताव यदि पारित हो जाता है तो इमरान देश के 22वें प्रधानमंत्री होंगे जो अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाये हालांकि पाकिस्तान की आज़ादी से लेकर आज तक कोई एक प्रधानमंत्री भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया है।

जियो टीवी की रिपोर्ट के अनुसार 1947 में स्वतंत्रता के बाद लियाकत अली खान पहले प्रधानमंत्री थे, लेकिन रावलपिंडी में 16 अक्टूबर 1951 को उनकी हत्या कर दी गई थी और वह चार साल ही पद पर रहे।उनके बाद ख्वाजा नजीमुद्दीन ने दो साल से भी कम समय तक सत्ता संभाली। उनके उत्तराधिकारी मुहम्मद अली बोगरा का कार्यकाल भी दो साल का रहा।

इसके अलावा चौधरी मुहम्मद अली एक वर्ष से भी कम समय के लिए, हुसैन शहीद सुहरावर्दी (एक वर्ष), इब्राहिम इस्माइल चुंदरीगर (2 महीने), फ़िरोज खान नून (एक वर्ष से कम) और नूरुल अमीन केवल (13 दिन) के लिए प्रधानमंत्री पद पर रहे। इसके बाद जुल्फिकार अली भुट्टो प्रधानमंत्री बने। वह दो साल पद पर रहे 1979 में उन्हें फांसी दे दी गई। भुट्टो के बाद मोहम्मद खान जुनेजा ने तीन साल तक कार्यभार संभाला। उनके बाद बेनजार भुट्टो देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं और दो साल तक पद पर रहीं।

उनके बाद नवाज शऱीफ का कार्यकाल भी तीन साल से कम रहा। बेनजीर भुट्टो ने एक बार फिर सत्ता में तीन साल के लिए वापसी की। इसके बाद शरीफ सत्ता में लौटे और दो साल पद पर बने रहे। उनके बाद मीर जफरुल्लाह खान जमाली 19 महीने, चौधरी शुजात दो महीने, शौकत अजीज तीन साल, यूसुफ रजा गिलानी चार साल, राजा परवेज अशरफ एक साल से कम समय के लिए पद पर रहे। उसके बाद नवाज शरीफ ने चार साल 53 दिन के कार्यभार संभाला, जबकि शाहिद खाकान अब्बासी का कार्यकाल भी एक साल से कम रहा। इसके बाद 18 अगस्त 2018 में इमरान खान ने कार्यभार संभाला। उनका कार्यकाल 2023 में खत्म होने वाला था।

इमरान ने अमेरिका पर किया कड़ा प्रहार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने शुक्रवार को अमेरिका पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि वह उनकी रूसी यात्रा से नाराज है लेकिन जब भारत ने मॉस्को से तेल खरीदा तो उसने कुछ नहीं किया। एआरवाई न्यूज चैनल के मुताबिक श्री खान ने इस्लामाबाद सुरक्षा वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भारत पश्चिम का सहयोगी था, लेकिन वह अभी भी रूस का समर्थन कर रहा है और यूक्रेन पर मॉस्को के आक्रमण पर लगाए गए पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद भारत उसकी ईंधन खरीद रहा है। उन्होंने कहा, मैंने पढ़ा है कि भारत की विदेश नीति स्वतंत्र है। यह आत्ममंथन का समय है कि हमारे देश की नीति क्या है। खान ने कहा कि विपक्ष कह रहा है कि पाकिस्तान ने अमेरिका को नाराज किया है।कोई भी देश तब तक देशों के बीच संघर्ष को सुलझाने में अपनी भूमिका नहीं निभा सकता जब तक कि वह निष्पक्ष न हो। उन्होंने कहा, पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में शांति के लिए अपनी भूमिका निभाने के अलावा तुर्की, सऊदी अरब और ईरान के बीच संघर्ष को कम करने में भी अहम भूमिका निभाई है। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि जो लोग उन्हें अपदस्थ करने का प्रयास कर रहे हैं।

अफगानिस्तान के सरकारी दफ्तरों में मर्दों को दाढ़ी रखनी जरूरी

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान ने आवाम के लिए एक बार फिर नया फरमान लागू किया है। इस बार नियम सरकारी दफ्तरों में ड्रेस कोड को लेकर है।

खासकर पुरुषों को बिना दाढ़ी कार्यालय पहुंचना अनिवार्य होगा। इसके अलावा वेस्टर्न सूट नहीं पहनना है। इसके बजाय सिर ढकने के लिए टोपी या पगड़ी, पारंपरिक लंबे टॉप और पतलून पहनना जरूरी होगा।

अफगानिस्तान में तालिबान के दकियानूसी नियमों को लागू करना जारी है। इस सप्ताह की शुरुआत में तालिबान ने एक बार फिर नए नियमों की झड़ी लगाई। द इंडिपेंडेंट के अनुसार, अफगानिस्तान के सरकारी दफ्तरों में पुरुषों के लिए दाढ़ी रखना अनिवार्य होगा।

जबकि वेस्टर्न सूट पहनने की मनाही होगी। इसके बजाय सिर ढकने के लिए टोपी या पगड़ी पहननी होगी और पारंपरिक लंबे टॉप और पतलून पहनकर ही दफ्तर में एंट्री हो सकेगी।

नमाज पढ़ना अनिवार्य

तालिबान ने फरमान सुनाया है कि अफगानिस्तान में लोगों को सही समय पर प्रार्थना करना होगा। इसका अर्थ है कि सुबह और शाम के बीच छह बार। इसके पीछे इस्लामी कानून का तर्क दिया गया है।

तालिबान ने कहा कि आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में, श्रमिकों को उनके कार्यालयों में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी और अंततः उन्हें निकाला भी जा सकता है।

महिलाओं पर भी थोप चुका है नियम

पिछले हफ्ते ही तालिबान ने लड़कियों को हाई स्कूल की पढ़ाई के लिए रोक दिया था। इसके अतिरिक्त, महिलाओं को बिना किसी पुरुष रिश्तेदार के विमानों में अकेले यात्रा करने की मनाही है।

चीन को सैन्य अड्डा बनाने की इजाजत नहीं देंगे

वेलिंग्टन। चीन के साथ नए सुरक्षा गठबंधन पर अंतरराष्ट्रीय चिंताओं को दूर करने के प्रयास में सोलोमन द्वीपसमूह ने शुक्रवार को कहा कि वह अपने यहां चीन को सैन्य अड्डा बनाने की अनुमति नहीं देगा। बहरहाल, सोलोमन द्वीपसमूह के इस आश्वासन से उसके पुराने सहयोगियों न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका की चिंता कम होती नहीं दिख रही है। पड़ोसी देश माइक्रोनेशिया के नेता ने चेतावनी दी है कि चीन के साथ हुए समझौते से दक्षिण प्रशांत क्षेत्र एक बार फिर महाशक्तियों का युद्धस्थल बन सकता है। सोलोमन द्वीपसमूह की सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि नए सुरक्षा समझौते का एक मसौदा तैयार है और सोलोमन और चीन के प्रतिनिधि इस पर हस्ताक्षर करेंगे। शुक्रवार को दिए बयान में सोलोमन द्वीपसमूह की सरकार ने कहा की सरकार विरोधी टिप्पणीकार गलत सूचना प्रसारित कर रहे हैं और इस समझौते के तहत चीन को सैन्य अड्डा स्थापित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यूक्रेनी हवाई हमलों से रूसी तेल टैंकों में आग

मॉस्को। रूस ने कहा है कि यूक्रेन के हवाई हमलों के कारण बेलगोरोड में रूसी तेल डिपो पर मौजूद आठ तेल टैंकों में आग लग गई। बीबीसी ने रूस की सरकारी न्यूज आउटलेट आरआईए नोवोस्ती का हवाला देते हुए कहा कि आग आठ और टैंकरों तक फैल सकती है। बेलगोरोड के राज्यपाल व्याचेस्लाव ग्लादकोव ने अग्नि के लिए यूक्रेनी सेना के हवाई हमले को जिम्मेदार ठहराया है। ग्लादकोव ने कहा कि आसपास रहने वाले लोगों को सुरक्षित जगह ले जाया गया है। बेलगोरोड के मेयर एन्टोन इवानोव ने किसी के घायल न होने की पुष्टि की। इवानोव ने अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा, धमाके के समय दो कर्मचारी तेल डिपो पर मौजूद थे। ताजा सूचना के अनुसार वे घायल नहीं हुए हैं।

शरीफ ने नेशनल असेंबली के सदस्यों के लिए मांगी सुरक्षा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान के दिन नेशनल असेंबली के सभी सदस्यों के लिए सुरक्षा की मांग की है। शरीफ ने इस संबंध में गृहमंत्रालय को शुक्रवार को लिखे पत्र में नेशनल एसेंबली के सभी सदस्यों के लिए पुख्ता सुरक्षा इंतजाम किये जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के एक लाख समर्थकों को मतदान के लिए सदन के बाहर इकट्ठा होने को कहा है जिसके मद्देनजर सांसदों की सुरक्षा की मांग है। एआरवाई न्यूज के मुताबिक पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) के अध्यक्ष ने गृह सचिव को लिखे पत्र में इमरान खान के उस बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने मतदान दिन एक लाख पीटीआई समर्थकों राजधानी में आने की अपील की है। गौरतलब है कि बीते सोमवार को शरीफ ने इमरान खान के खिलाफ सदन में अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गया था।

पाकिस्तान ने देश की राजनीति में हस्तक्षेप को लेकर अमेरिका से जताया विरोध

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अपने देश की राजनीति में अमेरिका के कथित हस्तक्षेप को लेकर विरोध जताया है और एक वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक को तलब किया है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने गुरुवार देर रात अमेरिका से उस धमकी भरे पत्र पर औपचारिक विरोध व्यक्त किया , जिसमें प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव विफल होने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी गयी थी। रिपोर्ट के मुताबिक से कहा गया है कि इस तरह की गैर-राजनयिक भाषा का इस्तेमाल अस्वीकार्य है। उल्लेखनीय है कि श्री खान ने देश के नाम अपने संबोधन में धमकी भरे पत्र का जिक्र किया था और इसे अपनी सरकार को हटाने के लिए विदेशी साजिश का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिकियों को पहले से पता था कि उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आ रहा है। इसका मतलब है कि वे (विपक्ष) विदेशों में इन लोगों से जुड़े थे। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के आरोपों का खंडन किया है।

शंघाई में बड़े पैमाने पर शुरू हुई कोविड स्क्रीनिंग

बीजिंग। चीन के शंघाई में कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर संक्रमण का पता लगाने के लिए पीसीआर स्क्रीनिंग का दूसरा चरण शुक्रवार से शुरू किया गया। अधिकारियों ने बताया कि शंघाई में गुरुवार को कोरोना संक्रमण के 358 स्थानीय मामले दर्ज किये गये जबकि इसके अलावा 4144 एसिम्प्टोमेटिक मामले भी सामने आये। स्क्रीनिंग का दूसरा चरण एक अप्रैलस को सुबह तीन बजे से शुरू हुआ जो पांच अप्रैल तक जारी रहेगा और जिसमें हुआंग्पू नदी के पश्चिमी इलाकों जिसमें झूहुई, ह्वांग्पू और जिआडिंग डिस्ट्रिक शामिल हैं। मार्च 28 से शुरू हुआ पहला चरण एक अप्रैल को स्थानीय समयानुसार सुबह पांच बजे शुरू हआ जिसमें मिंहांग और सोंगजियांग के साथ साथ हुआंग्पू नदी के आसपास पुडाँग, फेंगज़ियान, जिंशान और चोंगमिंग डिस्ट्रिक भी शामिल रहे। चीन कड़ी कोविड जीरो नीति का पालन कर रहा है और जिसकी जांच अब ओमिक्रोन स्ट्रेन की लहर के दौरान होगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

8 गौरवशाली भारत

मनोरंजन/विविध

नई दिल्ली
शनिवार 02 अप्रैल 2022
Www.gauravshalibharat.com

जुबिन नौटियाल और निकिता दत्ता का गाना 'मस्त नज़रों से' रिलीज

मुंबई। जुबिन नौटियाल और निकिता दत्ता का गाना 'मस्त नज़रों से' रिलीज हो गया है। टी सीरीज प्रस्तुत गाना मस्त नज़रों से रिलीज हो गया है। इस गाने को जुबिन नौटियाल ने गाया है। इस गाने को खूबसूरत ट्रेडिशनल इंडिया वेडिंग के बैकड्रॉप पर शूट किया गया है, जिसमें जुबिन और निकिता के साथ साथ वाइब्रेंट और टैलेंटेड हिमांश कोहली और अनुष्का सेन भी सेलिब्रेशन करते दिखाई दे रही हैं। गाने की थीम को ध्यान में रखते हुए, टी-सीरीज़ ने यह सॉन्ग लॉन्च इवेंट भी बिल्कुल उसी सेटअप पर होस्ट किया जैसी की एक वेडिंग रिसेप्शन का सेटअप होता है और वहां मौजूद लोगों के लिए स्मार्ट इंडियन वियर का ड्रेस कोड रखा जिसने श्योरली उनका मूड सेट कर दिया।

'मस्त नज़रों से' को गुलशन कुमार और टी-सीरीज़ ने प्रेजेंट किया हैं, जिसमें जुबिन नौटियाल, निकिता दत्ता, हिमांश कोहली और अनुष्का सेन हैं। वहीं इसका निर्देशन आशीष पांडा ने किया है। इस गाने का लिरिक्स मनोज मुंतशिर ने लिखा है।

जॉन अब्राहम को अपनी फिल्मों में नहीं पसंद आइटम सॉन्ग!

मुंबई। बॉलीवुड के माचो हीरो जॉन अब्राहम को अपनी फिल्मों में आइटम सॉन्ग पसंद नहीं हैं।

जॉन अब्राहम की फिल्मों में अक्सर एक ना एक आइटम सॉन्ग जरूर होता है, लेकिन उन्हें अपनी फिल्म में आईटम सॉन्ग पसंद नहीं है। जॉन का कहना है कि उन्हें आइटम सॉन्ग्स से काफी तकलीफ होती है, क्योंकि वह हमेशा इस बात को लेकर चिंता में होते हैं कि ये सॉन्ग फिल्म का नैरेटिव ना ब्रेक कर दें।

जॉन अब्राहम ने बताया, मुझे लगता है कि मेरी अधिकतम फिल्मों का म्यूजिक बेहतरीन रहा है, चाहे आप 'जिस्म' का म्यूजिक देख लीजिए। ये मेरा ऑल टाइम फेवरेट है। मुझे लगता है कि गी से मुझे कई अच्छे सॉन्ग करने को मिल गए। लेकिन, कई बार मैंने खराब गाने भी किए। इन सब में मुझे सबसे ज्यादा खराब चीजें जो मुझे लगती हैं, जब मुझसे कहा जाता है

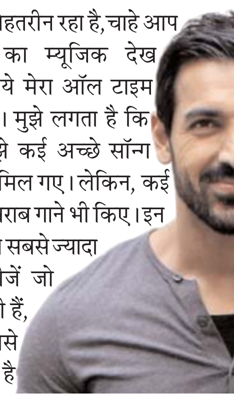

कि फिल्म में आइटम सॉन्ग होगा और ये फिल्म के लिए जरूरी है। ये चीज मुझे मार देती है। मुझे तोड़ देती है।

जॉन इन दिनों अपनी फिल्म 'अटैक' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में जॉन के साथ ही रकुल प्रीत सिंह और जैकलीन फर्नांडीस भी अहम किरदार में हैं।

22 अप्रैल को रिलीज होगी नीरज पांडे की फिल्म 'ऑपरेशन रोमियो'

मुंबई। बॉलीवुड फिल्मकार नीरज पांडे की फिल्म ऑपरेशन रोमियो 22 अप्रैल को रिलीज होगी। नीरज पांडे के प्रॉडक्शन तले बनी फिल्म ऑपरेशन रोमियो%की रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है। इस फिल्म का निर्देशन शशांत शाह ने किया है। फिल्म में सिद्धांत गुप्ता, वेदिका पिंटो, शरद केलकर और भूमिका चावला मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाली हैं। इस ड्रामा फिल्म को नीरज पांडे और शीतल भाटिया की कंपनी फ्राइडे फिल्मवर्क्स और रिलायंस एंटरटेनमेंट ने प्रड्यूसर किया है। फ्राइडे फिल्मवर्क्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक मोशन पोस्टर रिलीज किया है।

नागार्जुन और सोनल चौहान स्टारर फिल्म द घोस्ट का दुबई शेड्यूल हुआ पूरा

मुंबई। दक्षिण भारतीय अभिनेता नागार्जुन और बॉलीवुड अभिनेत्री सोनल चौहान स्टारर फिल्म द घोस्ट का दुबई शेड्यूल पूरा हो गया है। सोनल चौहान आगामी फिल्म द घोस्ट, में सुपरस्टार अकीनेनी नागार्जुन के ऑपोजिट नज़र आएंगी।परवीन सत्तारू द्वारा निर्देशित इस फिल्म में पहली बार सोनल और नागार्जुन की जोड़ी नज़र आयेगी। सोनल पहली बार एक्शन भी करते हुए नज़र आएंगी। प्रवीण सत्तारू द्वारा निर्मित, फिल्म का दुबई शेड्यूल दो हफ्ते पहले शुरू किया गया था। इस शेड्यूल को सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। सेट से तस्वीरें सामने आई हैं, जिसमें नागार्जुन और सोनल इंटरपोल अधिकारी के रूप में नजर आ रहे हैं।इस फिल्म के एक्शन सीन्स की शूटिंग दुबई के मुख्य स्थानों पर की गई है। बताया जा रहा है कि सोनल को स्टंट करने के लिए प्रशिक्षित किया गया था।

विमल पांडेय और पूनम दुबे की फिल्म 'हीरा बाबू एमबीबीएस' का ट्रेलर रिलीज

एजेंसी

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा के चॉकलेटी हीरो विमल पांडेय, अभिनेत्री पूनम दूबे और आयशा कश्यप के अभिनय से सजी भोजपुरी फिल्म हीरा बाबू एमबीबीएस का ट्रेलर वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल चैनल पर रिलीज कर दिया गया है। फ़िल्म हीरा बाबू एमबीबीएस के ट्रेलर में विमल पांडेय की जबरदस्त कॉमेडी देखने को मिल रही है। विमल पांडेय और पूनम दूबे की केमेस्ट्री लाजवाब है। साथ ही आयशा कश्यप भी शानदार किरदार में नजर आ रही हैं।विमल पांडेय और आनन्द मोहन की

सधी हुई कॉमेडी खूब हँसाती और गुदगुदाती हैं। चिगी फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले निर्मित की गई फिल्म हीरा बाबू एमबीबीएस के निर्माता संजय कुमार जैन हैं। निर्देशक अखिलेश पांडेय हैं, कथा, पटकथा और संवाद अखिलेश पांडे ने ही लिखा है। डीओपी विष्णु, सुमित हैं।संगीतकार मधुकर आनंद, गीतकार अखिलेश पांडेय, संदीप साजन, संतोष पुरी हैं। एक्शन मास्टर दिनेश यादव, कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी हैं। कला सौरभ मुखर्जी का है। फिल्म में विमल पाण्डेय, पूनम दूबे, आयशा कश्यप, आनंद मोहन, रोहित सिंह मटरू, प्रेम दूबे, सी.पी भट्ट, प्रदीप देव, शाईना सिंह की अहम भूमिका है।

आर्यन मामले में एनसीबी आरोपपत्र दाखिल करने नाकाम रही

मुंबई। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) गुरुवार को कथित क्रूज ड्रग्स भंडाफोड़ मामले में समय पर आरोपपत्र दाखिल करने में विफल रही। जिसमें बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को पिछले साल जेल भेजा गया था। आरोपपत्र दाखिल करने की निर्धारित अवधि 180 दिन है, जो अक्टूबर 2021 में मामला दर्ज होने के बाद आज समाप्त हो गई। यहां की विशेष अदालत ने इसके लिए हालांकि 60 दिन की मोहलत दी थी। एजेंसी ने सोमवार को विशेष न्यायाधीश वीवी पाटिल के समक्ष एक आवेदन दायर कर आरोप पत्र दाखिल करने के लिए 90 दिन का समय मांगा था। क्योंकि हाई प्रोफाइल मामले में जांच अभी भी चल रही है। न्यायाधीश ने हालांकि, दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जांच एजेंसी को सिर्फ 60 दिन और का समय दिया था। एनसीबी करीब छह महीने से मामले की जांच कर रही है। एजेंसी समय बढ़ाने और आरोपियों के खिलाफ एक निर्विवाद मामला बनाने की कोशिश कर रही थी। एनसीबी के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने विशेष लोक अभियोजक अद्वैत सेठना के माध्यम से एजेंसी की ओर से पिछले 180 दिनों में किए गए कार्यों का ब्योरा दिया।

टाइगर श्राफ की फिल्म हीरोपंती 2 के नये गाना जलवानुमा का टीजर रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की आने वाली फिल्म हीरोपंती 2 के नये गाना जलवानुमा का टीजर रिलीज कर दिया गया है।

टाइगर श्राफ इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म हीरोपंती 2 को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ तारा सुतारिया और नवाजउद्दीन सिद्दिकी की भी अहम भूमिका है। इस फिल्म के नए गाने का नाम जलवानुमा का टीजर रिलीज कर दिया गया है। इस गाने में टाइगर श्रॉफ तारा सुतरिया के साथ इमोशनल-रोमांस करते नजर आ रहे हैं। इस गाने को ए आर रहमान ने कंपोज किया है और पूजा तिवारी और जावेद अली ने गाया है। जलवानुमा गाने के टीजर को टाइगर श्रॉफ ने अपने कू अकाउंट पर शेयर किया है। गौरतलब है कि फिल्म हीरोपंती 2 में टाइगर श्रॉफ बबलू के मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं। अहमद खान के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण साजिद नाडियाडवाला फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। यह फिल्म 29 अप्रैल, 2022 को ईद के मौके पर रिलीज होगी।

गुडबाय की शूटिंग से पहले अमिताभ बच्चन ने ऋषिकेश में की पूजा

हरिद्वार। बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन इस समय उत्तराखंड के ऋषिकेश पहुंचे हुए हैं। बीते गुरुवार को ही बिग बी ने यहां परमार्थ निकेतन स्थित घाट पर गंगा आरती की। अब सोशल मीडिया पर इस दौरान की कई तस्वीरें और वीडियो आग की तरह वायरल हो रहे हैं। परमार्थ निकेतन के घाट पर बिग बी की एक झलक पाने के लिए लोगों की भीड़ साफ नजर आई। यहां पर बिगबी का जोरदार स्वागत किया गया। घाट से सामने आई तस्वीरों और वीडियो में अमिताभ बच्चन के साथ परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती भी नजर आ रहे हैं। इसी के साथ लोगों के जेहन में बार-बार यह सवाल आ रहा है कि आखिर बिग बी ऋषिकेश में किस काम से गए हैं?

उर्फी जावेद-फराह खान कॉन्ट्रोवर्सी पर बोलीं कश्मीरा शाह, कपड़े काटकर घूमने वालों पर बात नहीं करती

मुंबई। उर्फी जावेद और सुजैन खान की बहन फराह अली खान कॉन्ट्रोवर्सी में अब कई सिलेब्स के बयान सामने आ रहे हैं। अब एक इंटरव्यू के दौरान कश्मीरा शाह भी इस मामले पर बोली हैं। कश्मीरा का कहना है कि उन्हें नहीं लगता कि सुजैन और फराह ऐसे लोगों को जानती भी होंगी। मैं भी ऐसे लोगों को नहीं जानती जो कपड़े काटकर बाहर घूमते रहते हैं। कश्मीरा ने कहा कि ऐसे लोग उनकी नजर में करियर-माइंडेड नहीं हैं। बता दें कि उर्फी के एक वीडियो पर फराह ने उनके ड्रेसिंग सेंस पर कमेंट किया था। इस पर उर्फी भड़की हुई हैं और अपने इंस्टाग्राम पर लिख रही हैं।

उर्फी जावेद को उनके यूनीक ड्रेसिंग सेंस के लिए जाना जाता है। रिवीलिंग

कपड़ों पर उनकी ट्रोलिंग भी होती है। बीते दिनों सुजैन की बहन फराह ने उर्फी के कपड़ों पर कमेंट किया था। इसके बाद से उर्फी उनके बारे में सोशल मीडिया पर काफी कुछ लिख चुकी हैं। अब इस मामले पर ईटाइम्स ने कश्मीरा शाह से बात की। कश्मीरा बोलीं, मैं ऐसे लोगों के बारे में बात नहीं करती जिनके रिज्यूमे में काम के नाम पर जीरो हो और वे सिर्फ इंस्टाग्राम पर फेमस हों और कहीं नहीं। मैं करियर बना रही हूं। मैं ऐसी फिल्में बनाने में बिजी हूं जो दुनिया में कुछ बदलाव लाएंगी। जो लोग सिर्फ स्पॉटेड से अपना करियर बना रहे हैं मेरी नजर में करियर माइंडेड लोग नहीं हैं।

कश्मीरा ने कहा ऐसे लोगों को नहीं जानती

कश्मीरा ने यह भी कहा कि उन्हें यकीन है कि फराह और सुजैन का भी यही मानना होगा। मुझे नहीं लगता कि सुजैन और फराह किसी को शर्मिंदा करेंगी। ऐसे लोगों को वे जानती भी कैसे होंगी। मुझे भी नहीं पता कि ये कौन लोग हैं जो कपड़े काटकर बाहर निकलने में बिजी हैं।

सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है व्रत में इस्तेमाल होने वाला सेंधा नमक, जानें इसके जबरदस्त फायदे

प्रिया मिश्रा

लोग अपने फलाहार में सेंधा नमक का इस्तेमाल करते हैं। सेंधा नमक को बहुत शुद्ध माना जाता है।इसके साथ ही यह हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसे बनाने के लिए किसी तरह के केमिकल प्रोसेस की जरूरत नहीं होती है। सेंधा नमक में कई पोषक तत्व होते हैं जो हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं।

चैत्र नवरात्रि की शरुआत 2 अप्रैल 2022 से होने वाली है। सेंधा नमक का इस्तेमाल आमतौर पर व्रत में किया जाता है। नवरात्रि के नौ दिनों तक लोग मातारानी की पूजा करते हैं और उन्हें प्रसन्न करने के लिए व्रत करते हैं। कुछ लोग नौ दिनों तक केवल फल और मीठी चीज़ें ही खाते हैं। तो कई लोग अपने फलाहार में सेंधा नमक का इस्तेमाल करते हैं। सेंधा नमक को बहुत शुद्ध माना जाता है। इसके साथ ही यह हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसे बनाने के लिए

किसी तरह के केमिकल प्रोसेस की जरूरत नहीं होती है। सेंधा नमक में कैल्शियम, पोटैशियम और जिंक जैसे कई पोषक तत्व होते हैं जो हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। सेंधा नमक को रोज के खाने में शामिल करके आप कई बीमारियों से बच सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको सेंधा नमक के फायदे बताने जा रहे हैं -

ब्लड प्रेशर कंट्रोल करे

हाई बीपी के मरीजों के लिए सेंधा नमक का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। सेंधा नमक के सेवन से ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मदद मिलती है। इसके साथ ही यह शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में भी मदद करता है। सेंधा नमक के नियमित सेवन से हार्ट अटैक और दिल की बीमारियों के खतरे को भी कम किया जा सकता है।

पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद

सेंधा नमक का सेवन हमारी पाचन तंत्र के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। इसके सेवन से एसिडिटी, पेट फूलना और फ़ूड पॉइज़निंग जैसी समस्याओं से बचाव किया जा सकता है। सेंधा नमक कई तरह के मिनरल्स और विटामिन से भरपूर होता है जो पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

वजन घटाने में मददगार

सेंधा नमक का इस्तेमाल वेट लॉस के लिए किया जा सकता है। सेंधा नमक खाने से शरीर का मेटाबॉलिज्म मजबूत होता है और शरीर में जमा चर्बी भी घटती है। इसके साथ ही सेंधा नमक खाने से भूख कम लगती है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

गले की खराश में आराम

गले की खराश को दूर करने के लिए भी सेंधा नमक का इस्तेमाल किया जा सकता है। सेंधा नमक में डीकन्जेस्टेंट गुण होते हैं जो गले में मौजूद बैक्टीरिया को बाहर निकालने में मदद करते हैं। पानी में सेंधा नमक मिलाकर गरारे करने से गले की खराश में आराम मिलता है।

शरीर की ऐंठन दूर करे

सेंधा नमक का इस्तेमाल शरीर में ऐंठन की समस्या से भी निजात दिला सकता है। दरअसल शरीर में कमजोर मांसपेशियों और इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस ना होने की वजह से हाथ-पैरों में ऐंठन की समस्या होती है। नियमित रूप से सेंधा नमक का सेवन करने से इस समस्या से बचा जा सकता है।

ओरल हेल्थ के लिए फायदेमंद

सेंधा नमक हमारी ओरल हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद तत्व मुंह में जमे हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट करते हैं और मुंह को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। अगर आप के मसूड़ों से खून आता है तो यह प्लाक जमने के कारण हो सकता है। इस समस्या को दूर करने के लिए गुनगुने पानी में सेंधा नमक मिलाकर नियमित रूप से कुल्ला करें। ऐसा करने से कुछ ही दिनों में आपको राहत मिलेगी।

व्रत रखने से दूर होती हैं कई बीमारियां, जानें उपवास रखने के जबरदस्त स्वास्थ्य लाभ

प्रिया मिश्रा

कुछ लोग अपनी धार्मिक मान्यताओं के कारण उपवास रखते हैं। लेकिन वैज्ञानिक दृष्टि से भी उपवास रखना बहुत फायदेमंद होता है। अध्ययनों से पता चलता है कि व्रत रखने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ बेहतर बनता है। इससे बहुत सी बीमारियां दूर होती हैं और आप अच्छा महसूस करते हैं।

02 अप्रैल से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हो रही है। नवरात्रि के नौ दिनों में लोग माता रानी की पूजा-अर्चना करते हैं और व्रत रखते हैं। वहीं, 02 अप्रैल से रमजान का महीना भी शुरू हो रहा है। रमजान के पाक महीने में मुस्लिम समुदाय के लोग 30 दिनों तक रोज़ा रखते हैं अल्लाह की इबादत करते हैं। कुछ लोग अपनी धार्मिक मान्यताओं के कारण उपवास रखते हैं। लेकिन वैज्ञानिक दृष्टि से भी उपवास रखना बहुत फायदेमंद होता है। अध्ययनों से पता चलता है कि व्रत रखने से शारीरिक और मानसिक

स्वास्थ बेहतर बनता है। इससे बहुत सी बीमारियां दूर होती हैं और आप अच्छा महसूस करते हैं। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि व्रत रहने से स्वास्थ्य को क्या फायदे होते हैं -

पाचन तंत्र मजबूत बनता है

व्रत रखना पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए फायदेमंद है। उपवास में हल्का और सात्विक भोजन खाने से पाचन क्रिया को सुचारु रूप से काम करना शुरू कर देती है। व्रत रखने से पाचन तंत्र भी सही तरीके से काम करता है। इससे पाचन तंत्र को खाना पचाने के लिए ज़्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती है।

वजन कम करने में मददगार

व्रत खने से हमारे शरीर में मौजूद फैट, ऊर्जा में बदल जाता है। इससे वजन नियंत्रित करने में मदद मिलती है। एक शोध में पाया गया कि उपवास में जब 12 घंटे या उससे अधिक कुछ नहीं खाते हैं, तो किटोसिस की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। इससे हमारे शरीर की कोशिकाएं शरीर में मौजूद चर्बी को ऊर्जा में तब्दील कर देती हैं।

इम्युनिटी बढ़ती है

अध्ययनों में पाया गया है कि व्रत रखने से शरीर का इम्यून सिस्टम भी बेहतर होता है। दरअसल व्रत रखने से शरीर में मौजूद फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान कम होता है। इसके साथ ही, व्रत रखने से शरीर में व्हाइट ब्लड सेल्स की संख्या बढ़ती है जिससे इम्युनिटी मजबूत होती है। इससे शरीर की किसी भी प्रकार के संक्रमण या बीमारी से लड़ने की क्षमता मजबूत होती है।

व्रत रखने से ना केवल हमारे शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव होता है। व्रत रखने से मस्तिष्क में ब्रेन सेल्स अधिक मात्रा में बनते हैं जिससे दिमाग बेहतर तरीके से काम कर पाता है। इसके साथ ही व्रत रखने से कोर्टिसोल नामक हार्मोन कम मात्रा में प्रोड्यूस होता है जिससे तनाव का स्तर घटता है।

टॉक्सिन बाहर निकालने में मदद मिलती है

पाचन क्रिया और अन्य केमिकल प्रोसेस के दौरान हमारे शरीर में कई विषाक्त पदार्थ पैदा होते हैं। व्रत रखने से आपके शरीर से इन जहरीले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद मिलती है। यही वजह है कि डॉक्टर्स भी सप्ताह में एक दिन उपवास करने की सलाह देते हैं।

दिल की बीमारियों से बचाव

दिल की बीमारियों से बचने के लिए भी व्रत रखना फायदेमंद है। दरअसल, व्रत रखने से शरीर में मौजूद बैड कोलेस्ट्रॉल का लेवल कम होता है और ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है।

इस बार नवरात्रि में किस वाहन पर सवार होकर आएंगी माता रानी?

प्रिया मिश्रा

हिन्दू धर्म में नवरात्रि पर्व का बहुत महत्व है। नवरात्रि में नौ दिनों तक माँ दुर्गा के अलग-अलग रुपों की पूजा-आराधना की जाती है। नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना के साथ ही माता की पूजा शुरु हो जाती है और नवमी के दिन हवन और कन्या पूजन किया जाता है।

इस बार चैत्र नवरात्रि की शुरुआत 02 अप्रैल (शनिवार) से हो रही है। मान्यता है कि नवरात्रि के नौ दिनों में माता के नौ रूपों की भक्तिभाव से पूजा करने से माता अपने भक्तों पर प्रसन्न होती हैं और उन्हें सुख-समृद्धि और शक्ति प्रदान करती हैं। वैसे तो माँ दुर्गा का वाहन सिंह को माना जाता है लेकिन

देवी भागवत पुराण के अनुसार देवी के आगमन के लिए अलग-अलग वाहन हैं। ऐसा माना जाता है कि माता जिस वाहन पर सवार होकर धरती पर आती हैं उसके अनुसार आने वाले भविष्य की घटनाओं का अनुमान लगाया जाता है। आइए जानते हैं कि माता इस साल कौन सी सवारी पर सवार होकर माता धरती पर आएंगी और इसका क्या प्रभाव होगा -

अलग-अलग वाहन पर सवार होकर आती हैं माता

देवी भागवत पुराण के अनुसार हर साल नवरात्रि के समय और तिथि के अनुसार माता अलग-अलग वाहनों पर सवार होकर धरती पर आती हैं। ऐसा माना जाता है कि अगर नवरात्रि की शुरुआत सोमवार या रविवार को हो रही है तो इसका मतलब है कि माता हाथी पर सवार होकर आएंगी। वहीं अगर शनिवार या फिर मंगलवार को कलश स्थापना हो रही है तो माता घोड़े पर सवार होकर आती हैं।

अगर गुरुवार या शुक्रवार को नवरात्रि का आरंभ होता है तो माता डोली पर सवार होकर आती हैं। वहीं नवरात्रि की शुरुआत बुधवार को हो तो माँ नाव को अपनी सवारी बनाकर आती हैं।

इस बार घोड़े पर सवार होकर आएंगी माता

इस बार चैत्र नवरात्रि की शुरुआत 02 अप्रैल 2022 (शनिवार) के दिन हो रही है।

ऐसे में माता घोड़े को अपना वाहन बनाकर धरती पर आएंगी। देवी भागवत पुराण के अनुसार घोड़े पर माता का आगमन शुभ नहीं होता है। ऐसा माना जाता है कि घोड़े पर आने से पड़ोसी देशों से युद्ध, सत्ता में उथल-पुथल के साथ ही समाज में अस्थिरता और भूकंप या किसी बड़ी दुर्घटना की स्थिति बनती है।

जानें कैसे शुरू हुई थी रोजा रखने की परंपरा और क्या हैं इसके नियम

रमजान का पाक महीना जल्द ही शुरू होने वाला है। यह महीना मुस्लिम समुदाय के लोगों के लिए बहुत खास होता है। इस पाक महीने में मुस्लिम लोग रोजा रखते हुए अल्लाह की इबादत करते हैं। इस साल रमजान का महीना 2 अप्रैल 2022 से शुरू होगा जो 1 मई को ईद के साथ समाप्त होंगे। रमजान इस्लामी कैलेंडर का नौवां महीना है। इस महीने में 29-30 दिन तक रोजा रखा जाता है। रोजे को अरबी भाषा में सौम कहते हैं, जिसका मतलब रुकना या ठहरना होता है। मान्यताओं के अनुसार, इस पवित्र माह में ही अल्लाह से पैगंबर मोहम्मद साहब को कुरान की पहली आयतें मिली थीं। ऐसा कहा जाता है कि इस पाक महीने में अल्लाह रोजा रखने वालों के पिछले सभी गुनाह माफ कर देता है। इस महीने में अल्लाह की रहमत बरसती हैं।

कैसे शुरू हुई रोजा रखने की परंपरा

ऐसा कहा जाता है कि इस्लाम में रोजा रखने की परंपरा दूसरी हिजरी से शुरू हुई थी। कुरान की दूसरी आयत सूरह अल बकरा में कहा गया है कि रोजा तुम पर उसी तरह से फर्श किया जाता है जैसे तुमसे पहले की उम्मत पर फर्ज था। मोहम्मद साहब मक्के से हजरत कर मदीना पहुंचने के एक साल बाद मुसलमानों को रोजा रखने का हुक्म आया। इस प्रकार से दूसरी हिजरी रोजा रखने की शुरुआत हुई।

किसको है रोजा रखने से छूट

इस्लाम मानने वाले हर बालिग पर रोजा फर्ज है। हालांकि, जो बीमार हैं, यात्रा पर हैं, जो औरतें गर्भवती हैं या माहवारी है, उन्हें रोजा रखने की छूट है। इसके साथ ही बच्चों को भी रोजा रखने से छूट है।

CMYK CMYK CMYK CMYK